THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 293 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.1 2081 मंगलवार, 14 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 की तीव्रता से आया भूकंप

टोक्यो, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापान के मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की भी चेतावनी जारी की। रात के 9.19 बजे भूकंप आया और इसके तुरंत बाद मियाजाकी प्रान्त के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

निकटवर्ती कोच्चि प्रांत के लिए भी चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के अनुसार, सुनामी की लहरे एक मीटर तक पहुंच सकती है। भूकंप के कारण हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। प्रशांत बेसिन में ज्वालामुखियों के आर्क, रिंग ऑफ फायर और फॉल्ट लाइन के किनारे स्थित होने के कारण जापान अक्सर भूकंप की चपेट में रहता है।

शुभकामनाएँ

मकर संक्रांति एवं पोंगल के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

सूचना

दि. 14 जनवरी, 2025 को कार्यालय में अवकाश रहने के कारण अगला अंक 16 जनवरी, 2018 को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

पीएम ने सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया

मोदी बोले-वादा निभाता हूं, सोनमर्ग में टूरिस्ट को पंख लगने वाले हैं

श्रीनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में जेड मोड़ टनल का इनॉगरेशन किया। श्रीनगर-लेह हाइवे एनएच-1 पर बनी 6.4 किलोमीटर लंबी डबल लेन टनल श्रीनगर को सोनमर्ग से जोड़ेगी। टनल बनने से लोगों को ऑल वेदर कनेक्टिविटी मिलेगी।

टनल का इनॉगरेशन करते हुए पीएम ने कहा, जम्मू-कश्मीर की लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आप पक्का मानिये ये मोदी है वादा करता है तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं। उधर, राज्य के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उम्मीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड का वादा भी पूरा होगा। जेड मोड़ टनल के इनॉगरेशन के बाद श्रीनगर-लेह हाइवे पर गगनगीर से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी अब 15 मिनट में पूरी होगी। इसके अलावा गाड़ियों की स्पीड भी 30 किमी/घंटा से बढ़कर 70 किमी/घंटा हो जाएगी। दुर्गम पहाड़ी वाले इस इलाके को क्रॉस करने में पहले 3 से 4 घंटे का समय लगता था। अब यह दूरी मात्र 45 मिनट में पूरी होगी। पीएम मोदी ने 27 मिनट के भाषण में कहा- जम्मू-कश्मीर की लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। इससे सोनमर्ग के साथ करगिल और लेह के लोगों की जिंदगी भी बहुत आसान होगी। अब बर्फबारी के दौरान एवलांच से या बरसात में होने वाली लैंड स्लाइड के कारण रास्ते बंद होने की परेशानी कम होगी।

पीएम मोदी ने कहा- देश की उन्नति के लिए, जम्मू-कश्मीर की उन्नति के लिए जिन श्रमिक भाइयों ने कठिन परिस्थितियों में काम किया, जीवन को संकट में डालकर काम किया, अपनी जान गंवाई, लेकिन संकल्प से डिगे नहीं। श्रमिक साथी डिगे नहीं, किसी ने घर वापस जाने की बात नहीं की। उन्होंने हर चुनौती को पार करते हुए इस काम को पूरा किया है। >14

महाकुंभ में 20 देशों से श्रद्धालु पहुंचे

> स्टीव जॉब्स की पत्नी आत्मशुद्धि के लिए आईं
> ब्राजील के फ्रांसिस्को बोले-मोक्ष की तलाश

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। 144 साल बाद प्रयागराज महाकुंभ में दुर्लभ संयोग बन रहा है। संगम के पहले स्नान पर ब्राजील, अफ्रीका, अमेरिका, फ्रांस, रूस समेत 20 देशों से विदेशी भक्त पहुंचे। पूरे महाकुंभ के दौरान लाखों विदेशी आएंगे। एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल भी अमेरिका से कुंभ पहुंच चुकी हैं। वह 29 जनवरी तक कल्पवास करेंगी। कल्पवास के दौरान वह 16 दिन तक ध्यान, तपस्या और आत्मशुद्धि करेंगी। लॉरेन निरंजनी अखाड़ा में स्वामी कैलाशानंद गिरी की मौजूदगी में व्यासनंद गिरी महाराज के पट्टाभिषेक (राजतिलक) में शामिल हुईं। उन्होंने व्यासनंद गिरी महाराज को पट्टाभिषेक किया। ब्राजील से आए फ्रांसिस्को को मोक्ष की तलाश है। संगम में डुबकी लगाते हुए वह कहते हैं- मोक्ष की खोज कर रहा हूं। भारत दुनिया का आध्यात्मिक हृदय है। साउथ अफ्रीका से आई निक्की आस्था का सैलाब देखकर कहती हैं- यकीन करना मुश्किल है। रूस की श्रद्धालु ने कहा- मैं अचंभित हूं। यहां अद्भुत शक्ति है।

तिरुपति मंदिर में फिर हादसा : प्रसाद वितरण केंद्र में आग लगने से मची भगदड़

तिरुमाला, 13 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में एक बार फिर से बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक, भक्तों को लड्डू प्रसाद वितरित करने वाले क्षेत्र में आग लगने की घटना हुई, जिससे मौके पर मौजूद भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। मामले की जानकारी देते हुए तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के जेईओ वेंकैया चौधरी ने बताया कि, आग काउंटर नंबर 47 पर कंप्यूटर से जुड़े यूपीएस सिस्टम में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। वहीं आग लगने की सूचना पर अग्निशमन कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। यह घटना 10 दिवसीय बैकुंठ द्वार दर्शनम उत्सव के दौरान हुई। इस मौके पर देश भर से हजारों लोग तिरुपति मंदिर में पहुंचे हैं। हालांकि इस दौरान कोई भी बड़ी घटना से होने से टल गई, क्योंकि आज श्रद्धालुओं की संख्या पिछली घटना वाले दिन के मुकाबले कम थी। बता दें कि, मंदिर में पिछले एक हफ्ते में भगदड़ की दूसरी घटना है। इससे पहले 8 जनवरी को तिरुपति में बैकुंठ द्वार दर्शन टिकट वितरण केंद्र के पास भगदड़ मची थी। उस दौरान करीब 4 हजार भक्त लाइन में लगे थे, जानकारी के मुताबिक भक्त जब 10 दिवसीय विशेष दर्शन के लिए टोकन का इंतजार कर रहे थे उसी वक्त अचानक भगदड़ मच गई थी।

सड़क हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 25000 रुपये : नितिन गडकरी

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार सड़क हादसे में घायल होने वालों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले अच्छे लोगों के लिए इनाम राशि बढ़ाकर 25,000 रुपये करेगी। फिलहाल यह राशि 5,000 रुपये है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी पुणे में सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के दौरान दी। बॉलिवुड अभिनेता अनुपम खेर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान मंत्री ने कहा कि उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय को इनाम राशि बढ़ाने का निर्देश दिया है। जब अभिनेता ने कहा कि हम सड़क हादसों को लेकर गंभीर क्यों नहीं हैं।

इस पर मंत्री ने कहा कि अगर कभी-कभार कुछ होता है तो हम उस मामले को लेकर गंभीर हो जाते हैं। मगर, जब रोजाना कुछ होने लगता है तो हमें सामान्य लगने लगता है। ऐसे में अगर इन हादसों को रोकना है तो अकेले हम कुछ नहीं कर सकते। इसके लिए स्कूल, कॉलेज, एनजीओ, खिलाड़ी, सेलिब्रिटी व अन्य लोग जब जा-जाकर लोगों को समझाएंगे, तब बदलाव आएगा। अनुपम खेर ने कहा कि 474 लोग हर दिन सड़क हादसे में जान गंवा रहे हैं। हम इन संख्या को लेकर काफी असंवेदनशील हो गए हैं। ऐसा लगता है कि अगर मौत की दर नहीं बढ़ेगी तो लोगों की नजर में यह मामला नहीं आएगा। >14

भारत ने बांग्लादेश के हाईकमिश्नर को तलब किया

बांग्लादेश ने बॉर्डर पर फेंसिंग को अवैध बताया था

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के विवाद को लेकर भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के हाईकमिश्नर को तलब किया है। इससे पहले रविवार को बांग्लादेश ने भारतीय हाईकमिश्नर को समन किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाईकमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर बॉर्डर पर बीएसएफ की तरफ से की जा रही फेंसिंग (बाड़) को अवैध कोशिश बताया था।

बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत बॉर्डर को लेकर द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए बॉर्डर पर पांच स्थानों पर फेंस लगाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि भारतीय हाई कमिश्नर ने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीमउद्दीन के साथ करीब 45 मिनट इस मुद्दे पर बात की। हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है। भारतीय हाई कमिश्नर ने बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों में सिक्योरिटी के मुद्दे पर बाड़ लगाने की सहमति है। दोनों देशों के सुरक्षा बलों (बीएसएफ और बीजीबी) ने इस मुद्दे पर बात भी की है। रविवार को बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा था कि बांग्लादेश अपनी सीमा पर किसी को कोई जगह नहीं देगा। उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर जीरो लाइन के भीतर 150 गज के भीतर डिफेंस से जुड़े किसी भी तरह के कामकाज की अनुमति नहीं दी जाएगी। जहांगीर आलम के मुताबिक बांग्लादेश और भारत के बीच हुए करार 'बांग्लादेश-भारत संयुक्त सीमा निर्देश-1975' के मुताबिक दोनों देशों की जीरो लाइन के 150 गज के भीतर रक्षा मामले से जुड़े किसी भी तरह के कार्य करने पर प्रतिबंध है। इसके लिए दोनों देशों की सहमति जरूरी है। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,156 किमी सीमा है। इसमें से 3271 किमी पर भारत ने बाड़ लगा दी है, लेकिन 885 किमी सीमा पर यह काम बाकी है।

160 जगहों पर शुरू हुआ थी हुई फेंसिंग :

जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि भारत ने 2010 से लेकर 2023 तक 160 जगहों पर फेंसिंग का काम किया था। 10 जनवरी से बीएसएफ ने फिर से यह काम शुरू किया, इसमें 5 जगहों पर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद चपैनवाबगंज, लालमोनिरहाट में तीन बीघा कॉरिडोर, नौगांव में पटनीताला, फेनी, कुश्तिया और कुमिला में हुआ। आलम के मुताबिक बांग्लादेश की आपत्ति के बाद बीएसएफ ने फेंसिंग का काम बंद कर दिया है।

दुख है कि किसी ने भी उसपर दावा नहीं किया : धनखड़

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को इस बात पर दुख जताया कि पिछले महीने राज्यसभा कक्ष में मिले नोटों की गड्डी को लेने के लिए कोई भी सांसद आगे नहीं आया। उन्होंने कहा कि यह हमारे नैतिक मानकों के लिए सामूहिक चुनौती है।

बता दें कि, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 6 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित सीट से 500 रुपये के नोटों की गड्डी मिलने पर उच्च सदन में हलचल मच गई थी। विपक्ष और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने आरोप-प्रत्यारोप लगाए और अभिषेक मनु सिंघवी ने 'सुरक्षा चूक' की जांच की मांग की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी सुझाव दिया था कि सांसदों की अनुपस्थिति में सीटों पर 'गांजा' रखने से रोकने के लिए कांच के घेरे बनाए जाने चाहिए। नई दिल्ली में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर कहा, बस मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए। >14

चीन-पाकिस्तान सीमा पर हालात संवेदनशील पर स्थिर

सेना प्रमुख बोले-हर स्थिति से निपटने को तैयार

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को एलएसी और एलओसी से लेकर मणिपुर के हालात के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी की स्थिति संवेदनशील है, लेकिन स्थिर है। पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है। वहीं पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम जारी है। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में सेना प्रमुख ने कहा कि हम सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षमता विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

एएलसी को लेकर सेना प्रमुख ने कहा :

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि एलएसी पर स्थिति संवेदनशील लेकिन स्थिर है। अक्टूबर में पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में स्थिति सुलझ गई। इन पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है। मैंने सभी सह-कमांडरों को जमीनी स्तर पर संवेदनशील मुद्दों को संभालने के लिए कहा है। ताकि इन्हें सैन्य स्तर पर ही हल किया जा सके। एलएसी पर हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। उत्तरी सीमाओं के लिए फोकस क्षमता विकास कार्यक्रम ने युद्ध लड़ने की प्रणाली में तकनीक को सक्षम किया।

पिछले साल मारे गए 60 प्रतिशत आतंकवादी पाकिस्तानी थे :

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल मारे गए 60 प्रतिशत आतंकी पाकिस्तानी मूल के थे। आज घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी आतंकी बचे हैं, हमें लगता है कि लगभग 80 प्रतिशत या उससे अधिक पाकिस्तानी मूल के हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। नियंत्रण रेखा पर डीजीएमओ के बीच सहमति के बाद फरवरी 2021 से प्रभावी संघर्ष विराम जारी है। हालांकि आतंकी ढांचा बरकरार है। आईबी सेक्टर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। हाल ही में उत्तरी कश्मीर और डोडा-किश्तवाड़ बेल्ट में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। जबकि हिंसा के मानदंड नियंत्रण में हैं। हमने इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान पांच लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को देखा। साथ ही शांतिपूर्ण चुनाव होना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। आतंकवाद से पर्यटन की थीम धीरे-धीरे आकार ले रही है।

मणिपुर के हालात पर भी की बात :

सेना प्रमुख ने हिंसा ग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों के प्रयास प्रयासों और सरकार की पहल से स्थिति नियंत्रण में आई है। हालांकि, हिंसा की कुछ घटनाएं जारी हैं। हम इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। विभिन्न गैर सरकारी संगठन और विभिन्न समुदाय के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि एक तरह का सामंजस्य स्थापित किया जा सके। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि म्यांमार में अभी तक हो रही अशांति को रोका जा सके।

झुग्गी के लैंड यूज बदलने को लेकर बढ़ा विवाद

एलजी की सफाई के बाद 'आप' ने जारी किया पेपर

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने झुग्गी झोपड़ी मामले में दिल्ली के एलजी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने लैंड यूज चेंज करके झुग्गियों को तोड़ने का ऑर्डर जारी किया है।
उनके बयान के बाद दिल्ली के एलजी का भी बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह पूरी तरह से गलत है और भ्रम फैलाया जा रहा है। इसके बाद 13 जनवरी को एक पेपर जारी करते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा है कि एलजी का झूठ पकड़ा गया है। झुग्गी वाली जगह का लैंड यूज बदल दिया गया था। एलजी को अपने झूठ के लिए माफी मांगनी चाहिए।
दरअसल, रविवार को ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शकूरबस्ती के रेलवे झुग्गी कैंप का दौरा किया था। इस दौरान उनके साथ शकूरबस्ती से ''आप'' के प्रत्याशी सत्येंद्र जैन समेत अन्य नेता भी थे। यहां अरविंद केजरीवाल ने झुग्गियों में रह रहे लोगों से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि मेरा झुग्गी वालों से कोई चुनाव का रिश्ता नहीं है, मैं उनके पास चुनाव में वोट मांगने नहीं आता हूं। मैं उनके पास तब आता हूं, जब उनके ऊपर कोई मुसीबत होती है। दिसंबर 2015 में कोई चुनाव नहीं था। मैं रात को जब 2 बजे आया था, तब झुग्गी तोड़ने के लिए कई बुलडोजर खड़े थे। मैंने लोगों की झुग्गियां टूटने से बचाई थीं।
ऐसे ही जब भी झुग्गी वालों पर कोई मुसीबत आएगी तो मैं छोटा भाई बनकर उनके बीच में खड़ा रहूंगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि ये लोग दिल्ली की हर झुग्गी तोड़ने की प्लानिंग करके बैठे हैं। 5 साल छोड़िए, ये 1 साल के अंदर सारी झुग्गियां तोड़ देंगे। अगर दिल्ली के झुग्गी वालों ने भाजपा को वोट दे दिया तो यह अपनी आत्महत्या के ऊपर साइन करने जैसा होगा।
इन्होंने तुगलकाबाद, महरौली, नई दिल्ली, प्रगति मैदान, नानकपुरा, यमुना पुस्ता, संगम विहार और नजफगढ़ की झुग्गियां तोड़ दी हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि रेलवे झुग्गी कैंप के लिए कह रहे हैं कि जहां झुग्गी वहां मकान देंगे। इन झुग्गियों में रह रहे लोगों को पता नहीं है कि साढ़े तीन माह पहले 30 सितंबर 2024 को रेलवे ने इस जमीन के टेंडर कर दिए हैं। मेरे पास सत्येंद्र जैन का फोन आया कि भाजपा के अंदर से किसी ने मुझे कागज दिए हैं, जिसमें इन जमीनों का टेंडर हो चुका है। भाजपा वाले इतने बेशर्म हैं। वह झुग्गी वालों को कैसे धोखा दे रहे हैं? ये झुग्गी के अंदर जाकर सो रहे थे और 27 दिसंबर 2024 को एलजी ने इस झुग्गी बस्ती का लैंड यूज बदल दिया है और वो इन झुग्गियों में आकर उनके बच्चों के साथ कैरम खेल रहे हैं। ये लोग झुग्गी वालों को कह रहे हैं कि जहां झुग्गी वहां मकान, लेकिन जैसे ही 8 फरवरी को चुनाव खत्म होंगे तो इनकी झुग्गियां तोड़ दी जाएंगी। ये लोग दो दिन भी नहीं रुकने वाले हैं।

'18 साल से जेल में बंद हैं निर्दोष आरोपी', हाईकोर्ट से बोले बचाव पक्ष के वकील

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में 11 जुलाई 2006 को हुए ट्रेन धमाकों के मामले में आरोपी व्यक्तियों को 'निर्दोष होने के बावजूद' 18 साल से जेल में रखा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को यह दावा वरिष्ठ वकील एस. मुरलीधर ने किया। मुरलीधर ने हाईकोर्ट से आग्रह किया कि वह दोषियों की सजा को रद्द कर उन्हें बरी करे। मामले पर जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चंडक की विशेष पीठ सुनवाई कर रही थी। वरिष्ठ वकील मुरलीधर उम्रकैद की सजा पाए दो दोषियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मुरलीधर ने हाईकोर्ट से कहा कि यह एक पैटर्न है, जिसमें जांच एजेंसियां आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करते समय 'सांप्रदायिक पूर्वाग्रह' दिखाती हैं।

यह पीठ पिछले पांच महीनों से विस्फोट मामले से जुड़ी अपीलों पर हर दिन सुनवाई कर रही है। 11 जुलाई 2006 को मुंबई लोकल ट्रेनों में सात विस्फोट हुए थे। जिसमें 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। निचली अदालत ने सितंबर 2015 में 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था, जिसमें से पांच को मौत की सजा और सात को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, जिसमें मौत की सजा की पुष्टि की मांग की गई थी। वहीं, दोषी व्यक्तियों ने अपनी मौत की सजा और सजा के खिलाफ अपील दायर की थी। मुरलीधर ने कोर्ट से कहा, जांच में पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाया जाता है। निर्दोष लोगों को जेल में डाला जाता है और वर्षों बाद जब सबूत नहीं मिलते, तो उन्हें छोड़ दिया जाता है।

कैग रिपोर्ट पर हाईकोर्ट बोला-दिल्ली सरकार की ईमानदारी पर संदेह

स्पीकर को भेजकर विधानसभा में चर्चा करवानी थी; रिपोर्ट में शराब नीति का जिक्र था

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कैग रिपोर्ट को लेकर सोमवार को हाईकोर्ट ने आतिशी सरकार को फटकार लगाई। जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने कहा- कैग रिपोर्ट पर विचार करने में जिस तरह से दिल्ली सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे हैं, उससे इनकी ईमानदारी पर संदेह पैदा होता है। रिपोर्ट स्पीकर को भेजकर फौरन विधानसभा में चर्चा करानी चाहिए थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट भाजपा के 7 विधायकों की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। भाजपा विधायकों ने दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि 14 मामलों पर कैग की रिपोर्ट पर सदन में चर्चा करवानी चाहिए। सरकार का तर्क है कि विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने वाला है, इसलिए रिपोर्ट सदन में लाने का फायदा नहीं है। अगली सुनवाई 16 जनवरी को होगी। सूत्रों के मुताबिक कैग रिपोर्ट में शराब घोटाले से भी जुड़ी जानकारी है। 11 जनवरी को कैग की एक रिपोर्ट लीक हुई थी, जिसे भाजपा ने दिखाया था। भाजपा नेताओं ने रिपोर्ट के हवाले से बताया था कि शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2026 करोड़ रुपए का रेवेन्यू लॉस हुआ है। दिल्ली में 2021 में नई शराब नीति लागू की गई थी। इसमें लाइसेंस आवंटन को लेकर कई सवाल खड़े हुए। नीति वापस लेनी पड़ी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा। दोनों जेल भी गए। सीएम और डिप्टी सीएम पद छोड़ना पड़ा। दोनों फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

तमिलनाडु के स्कूल में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ करवाया

पेरेंट्स बोले-कैंपस की सफाई और पानी भरवाने का काम भी करवाते हैं; प्रिंसिपल बर्खास्त

चेन्नई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पलाकोडु के एक स्कूल का एक वीडियो सामने आया, जिसमें छात्राओं को वॉशरूम साफ करते देखा जा सकता है। वायरल हो रहे वीडियो में स्कूल यूनिफॉर्म में छात्राएं झाड़ू लगाती नजर आ रही हैं। दावा किया जा रहा है कि सफाई करने वाले सभी स्टूडेंट दलित समुदाय के हैं। उनके पेरेंट्स ने बताया कि बच्चों से बाथरूम साफ करवाने के अलावा पानी लाने और कैंपस की सफाई भी करवाई जाती है। मामला बढ़ने पर डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर ने स्कूल के प्रिंसिपल को बर्खास्त कर दिया।
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्कूल में पहली से लेकर 8वीं तक की ही क्लासेस हैं। स्कूल में करीब 150 दलित समुदाय के स्टूडेंट पढ़ते हैं। इनके माता-पिता ने बताया कि स्कूल में साफ-सफाई के काम के कारण बच्चे अक्सर घर पर थके हुए लौटते हैं।

एक साल में पकड़े नशे के 2,515 सौदागर

सबसे ज्यादा 480 शिमला में

शिमला, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में नशे के सौदागरों का जाल साल दर साल फैलता जा रहा है। साल 2024 की बात करें प्रदेश में इस दौरान एनडीपीएस एक्ट में 2515 आरोपी गिरफ्तार किए गए। इनमें सबसे ज्यादा नशे के सौदागर जिला शिमला में पकड़े गए। इनमें 473 पुरुष, 17 महिलाएं शामिल रहीं। नशे में दो विदेशी भी धरे गए। इनमें एक सोलन और एक सिरमौर में गिरफ्तार किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह की ओर से सीएम को दी रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। दो दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उत्तरी राज्यों की बैठक में भी सीएम सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश से संबंधित कई आंकड़े साझा किए हैं। अन्य जिलों की बात करें दो पिछले साल एनडीपीएस में बद्दी में 94 पुरुष, सात महिलाएं, बिलासपुर में 288 पुरुष, पांच महिलाएं, चंबा में 107 पुरुष, हमीरपुर में 107 पुरुष, एक महिला, कांगड़ा में 235 पुरुष, 9 महिलाएं, किन्नौर में 138 पुरुष, एक महिला, कुल्लू में 215 पुरुष, 16 महिलाएं, लाहौल स्पीति में 12 पुरुष, एक महिला, मंडी में 277 पुरुष और 11 महिलाएं पकड़ी गईं।

मुख्यमंत्री नहीं बदलेगा, कुर्सी खाली नहीं : सीएम सिद्धारमैया

बेंगलुरु, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि उनकी कुर्सी खाली नहीं है। उन्होंने इसे अफवाह मात्र बताया। एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सिद्धारमैया ने कहा, मीडिया को अफवाहों को हवा देने की बजाय सच दिखाना चाहिए। अभी भी यही चल रहा है कि सिद्धारमैया जाने वाले हैं, अगर सच कहूं तो पार्टी के अंदर कोई मतभेद नहीं है, लेकिन फिर भी रोज यही देखने को मिलता है कि सीएम बदलने वाले हैं। मैं साफ कर दूं कि सीएम बदलने के लिए कुर्सी खाली नहीं है। कुछ नेता साथ में डिनर कर लें तो कहने लगे जाते हैं कि वहां अहम राजनीतिक चर्चा हुई है। टीवी में यह भी दिखाया जाता है कि मंत्रियों ने आपस में क्या बात की, अपने मन से कुछ भी डायलॉग लिखकर वे चलाते रहते हैं जबकि वहां ऐसी कोई चर्चा हुई भी नहीं होती है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है लेकिन पत्रकार अभी भी लिख रहे हैं कि सीएम बदला जाएगा। मेरी कुर्सी खाली नहीं है लेकिन वे अभी भी कहते हैं सीएम बदला जाएगा। दरअसल भाजपा ने दावा किया है कि उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के लिए बेताब हैं, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं और उन्होंने रणनीतिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

केरल में पीवी अनवर ने छोड़ी विधायकी, उपचुनाव नहीं लड़ेंगे

बोले-कांग्रेस का समर्थन करूंगा

कोच्चि, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के विधायक पीवी अनवर ने नीलांबुर के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से अलग होकर पिछले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायक पीवी अनवर ने सोमवार को नीलांबुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर से उनके कक्ष में मिलने के बाद विधानसभा परिसर में अनवर ने अपने इस्तीफे की पुष्टि की।

विधायक पद से अपना इस्तीफा केरल विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद अनवर ने कहा कि मैंने विधायक पद से अपना इस्तीफा केरल विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिया है। इसके साथ ही उन्होंने एलान किया कि वह नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। वह नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। टीएमसी नेता पीवी अनवर ने कहा कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करना या न करना स्पीकर पर निर्भर करता है। मैंने ममता बनर्जी से इस मामले पर विस्तार से चर्चा की है। मैंने उनसे कहा कि केरल में सबसे गंभीर मुद्दा मानव-पशु संघर्ष है और लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। मैंने उनसे इसे संसद में उठाने का अनुरोध किया।

वह इसे संसद में उठाने और इस मुद्दे से निपटने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए सहमत हो गईं। उन्होंने कहा कि मेरे आरोप तीन लोगों तक सीमित थे- सीएम के राजनीतिक सचिव पी शशि, एडीजीपी अजित कुमार और मलप्पुरम के पूर्व कलेक्टर सुजीत दास। सुजीत दास एक खास समुदाय के लोगों को आरोपी सूची में डालने में शामिल थे। मैंने इस मुद्दे और सुजीत दास की अवैध गतिविधियों पर चर्चा की और सीएम और पार्टी के अन्य नेताओं को इसकी जानकारी दी। पार्टी के कुछ नेताओं ने मुझसे यह सब सार्वजनिक करने के लिए कहा, लेकिन बाद में उन्होंने अपना रुख बदल दिया। मुझे लगा कि सीएम को इन सभी मुद्दों की जानकारी नहीं है, लेकिन अपनी प्रेस वार्ता में उन्होंने पूरी तरह सेअजित कुमार का बचाव किया। अनवर ने कही कि मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव ने मुझे विधानसभा में विपक्षी नेता वीडी सतीसन के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप उठाने के लिए कहा था। उन्होंने विधानसभा में पेश करने के लिए मामला तैयार कर लिया है। वीडी सतीसन पर 150 करोड़ रुपये प्राप्त करने का आरोप विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से विधानसभा में उठाया गया था। मुझे नहीं पता कि कोई साजिश थी या नहीं। मैं इसके लिए विपक्षी नेता वीडी सतीसन और जनता से माफी मांगता हूं। मैं नीलांबुर उपचुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं पिनराई सरकार को खत्म करने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार को पूरा समर्थन दूंगा।
कांग्रेस को नीलांबुर से उम्मीदवार खड़ा करना चाहिए। मलप्पुरम डीसीसी अध्यक्ष जॉय उपयुक्त उम्मीदवार हैं। अनवर ने तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए राज्य समन्वयक की भूमिका संभालने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद विधायक पद से इस्तीफा दिया है।

अमरेली में सात साल की बच्ची को तेंदुए ने मार डाला

अहमदाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में एक तेंदुए ने सात साल की बच्ची को मार डाला। तेंदुए को पकड़ने के लिए अधिकारियों को जाल बिछाना पड़ा। चित्रासर गांव में रविवार की शाम में बच्ची कपास के खेत में अपने माता पिता की मदद कर रही थी, तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। लड़की के गले में गहरी चोट लगी। उसे इलाज के लिए जाफराबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए आठ टीम का गठन किया।
राजुला विधायक हीरा सोलंकी ने बताया कि उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को तुरंत पिंजरे में लेने के लिए कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा, मैंने यह भी मांग की है कि सरकार सक्रिय कार्रवाई कर। तेंदुए को पिंजरे में बंद करेऔर उन्हें वन क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दे, ताकि मानव-पशु संघर्ष से बचा जा सके। तेंदुए के हमले बढ़ने से गांव वाले डरे हुए हैं। वे कपास के खेतों में भी जाने से पहले दो बार सोचते हैं।
इस बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात के कच्छ जिले में जमीनी सीमा के जरिए भारत में घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। बीएसएफ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पड़ोसी देश का यह व्यक्ति रविवार को हरामी नाला के उत्तर में एक इलाके से सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। बताया गया कि 12 जनवरी को सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते हुए कच्छ में हरामी नाला के उत्तर में इलाके से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा। बीएसएफ जवानों ने तुरंत उस व्यक्ति को चुनौती दी और उसे पकड़ लिया। घुसपैठिए की पहचान पाकिस्तान के सिंध प्रांत के सुजावल जिले के कारो घूंघरो गांव के निवासी बाबू अली के रूप में हुई है।

भारत में सर्जिकल संक्रमण की दर कई उच्च आय वाले देशों से अधिक

आईसीएमआर का अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में सर्जिकल संक्रमण की दरों को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के द्वारा किए गए अध्ययन में कई सारी बातें सामने आई है। इस अध्ययन में पता चला है कि भारत के तीन प्रमुख अस्पतालों में सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) की दर कई उच्च आय वाले देशों की तुलना में ज्यादा है।

3020 रोगियों पर किया गया था अध्ययन

यह अध्ययन 3,020 रोगियों पर किया गया था और इसमें पाया गया कि एसएसआई, स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सबसे सामान्य संक्रमणों में से एक है। इस अध्ययन में जो सर्जरी सबसे ज्यादा प्रभावित हुई, वह थी ओपन रिडक्शन इंटरनल फिक्सेशन (ओआरआईएफ) और क्लोज्ड रिडक्शन इंटरनल फिक्सेशन (सीआरआईएफ) सर्जरी, जिसमें एसएसआई की दर 54.2 प्रतिशत थी। बता दें कि एसएसआई से स्वास्थ्य में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, जिससे इलाज की लागत बढ़ जाती है और अस्पताल में रहने का समय भी ज्यादा हो जाता है। भारत में पोस्ट-डिस्चार्ज एसएसआई पर डेटा की कमी है, क्योंकि देश में इसके लिए कोई निगरानी प्रणाली नहीं है।

अध्ययन के उद्देश्य पर एक नजर

अध्ययन को भारत के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, मणिपाल के कस्तूरबा अस्पताल और मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में किया गया था। मामले में अधिकारियों ने कहा कि इस अध्ययन का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती होने के दौरान और छुट्टी के बाद एसएसआई से जुड़े जोखिमों का पता लगाना था। साथ ही अध्ययन में यह भी सामने आया कि इन तीन अस्पतालों में एसएसआई की दर उन उच्च आय वाले देशों की तुलना में अधिक है, जहां यह दर 1.2 से 5.2 प्रतिशत के बीच होती है। हालांकि, भारत में कुछ राज्यों में एसएसआई दर 5 प्रतिशत से अधिक पाई गई। अधिकारियों ने बताया कि उनका यह अध्ययन भारत में एसएसआई पर पहला बहुकेंद्रित निगरानी प्रयास था, जिसमें सर्जरी के बाद रोगियों की छह महीने तक निगरानी की गई। कुल 3,090 रोगियों में से 161 को एसएसआई हुआ, जिससे 5.2 प्रतिशत एसएसआई दर निकली। उनका कहना है कि जिन रोगियों को एसएसआई हुआ, उन्हें अस्पताल में अधिक समय तक रहना पड़ा और पोस्ट-डिस्चार्ज निगरानी ने 66 प्रतिशत मामलों का पता लगाने में मदद की।

खबरें जरा हटके

11 एकड़ में सजी, 20 दिनों में तैयार...भारत की इस रंगोली ने विश्व रिकॉर्ड बना लिया

राजमाता जिजाऊ जयंती के खास मौके पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के वरनानगर में एक अनोखा और ऐतिहासिक आयोजन हुआ. यहां 11 एकड़ के क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य रंगोली बनाई गई, जो अब विश्व रिकॉर्ड का हिस्सा बनने जा रही है.

इस रंगोली की खासियत इसकी विशालता है. लगभग साढ़े चार लाख वर्ग फीट में फैली इस रंगोली के लिए 35 टन रंगोली पाउडर का इस्तेमाल किया गया. इसे बनाने में 350 महिलाओं और छात्रों ने पूरे समर्पण के साथ हिस्सा लिया. यह रंगोली कोल्हापुर के पन्हाला शाहुवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनय कोरे की पहल पर बनाई गई. इस अद्भुत रंगोली को तैयार करने में करीब 15 से 20 दिन लगे. रंगोली बनाने की संकल्पना शिक्षक समीर काले की थी, जिन्होंने इसे साकार करने के लिए अथक मेहनत की. नवे परगांव स्थित तात्यासाहेब कोरे मिलिट्री स्कूल के परिसर में यह रंगोली बनाई गई है, जिसे लोग बड़ी स्क्रीन के माध्यम से भी देख सकते हैं.

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होगी यह उपलब्धि

इस आयोजन में कोल्हापुर के कलेक्टर अमोल येडगे और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों की मौजूदगी रही. अधिकारियों ने इस भव्य रंगोली को विश्व की सबसे बड़ी रंगोली के तौर पर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की. यह उपलब्धि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज की जाएगी. रंगोली के माध्यम से शिवराय की स्थायी प्रतिकृति भी बनाई गई है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है. इस भव्य आयोजन ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है.

बच्चे पैदा करने वाली चट्टान! तकिए के नीचे रखकर सोएं, तो प्रेग्नेंट हो जाएंगी महिलाएं, जुड़ी हुई है गजब मान्यता

पुर्तगाल में मदर-रॉक नाम से एक रहस्यमय चट्टान मौजूद है. इससे जुड़ी हुई मान्यता इतनी अजीब है कि यकीन करना मुश्किल है. हालांकि स्थानीय लोग इस पर यकीन करते हैं और दूर-दूर से महिलाएं यहां प्रेग्नेसी की आस लेकर आती हैं. बच्चों को जन्म देना किसी भी महिला का सपना होता है. ये उनके लिए न सिर्फ गर्व की बात होती है बल्कि ये एक भावनात्मक तथ्य भी है. ऐसे में अगर उन्हें बच्चे के जन्म में किसी तरह की समस्या होती है, तो वे विज्ञान से लेकर अंधविश्वास तक पर यकीन करने में पीछे नहीं हटतीं. एक ऐसी ही मान्यता पुर्तगाल में एक चट्टान से जुड़ी है. इसे बर्थिंग स्टोन या बच्चे पैदा करने वाला पहाड़ कहा जाता है. पूरी दुनिया से महिलाएं इसकी चट्टान लेने के लिए पहुंचती हैं.
पुर्तगाल में मदर-रॉक नाम से ये रहस्यमय चट्टान मौजूद है. इससे जुड़ी हुई मान्यता इतनी अजीब है कि यकीन करना मुश्किल है. हालांकि स्थानीय लोग इस पर यकीन करते हैं और दूर-दूर से महिलाएं यहां प्रेग्नेसी की आस लेकर आती हैं. माना जाता है कि महिलाएं इसकी एक चट्टान अपने तकिये के नीचे रखकर सो गईं तो तुरंत प्रेग्नेंट हो जाएंगी. चलिए आपको पूरा मामला बताते हैं. उत्तरी पुर्तगाल में पेड्रास पैरिडीरास नाम का ये पहाड़ है. यह पहाड़ चमत्कारिक रूप से शिशु चट्टानों को जन्म देता हुआ लगता है. पहाड़ से छोटी-छोटी बच्चों जैसी चट्टानें बाहर निकलती रहती हैं. एक किलोमीटर लंबा लंबा और 600 मीटर चौड़ा ये पर्वत ग्रेनाइट के पत्थरों से बना हुआ है. चट्टान की चोटी से अक्सर 2 से 12 सेंटीमीटर के बीच के बीच की चट्टानें बाहर आती रहती हैं, जो लगता है कि पर्वत के बच्चे की तरह हैं.

बीमार होकर छुट्टी मांग रहे थे कर्मचारी, कंपनी ने पीछे छोड़ दिए जासूस, 'बीमारी' पता करने के देती है मोटे पैसे!

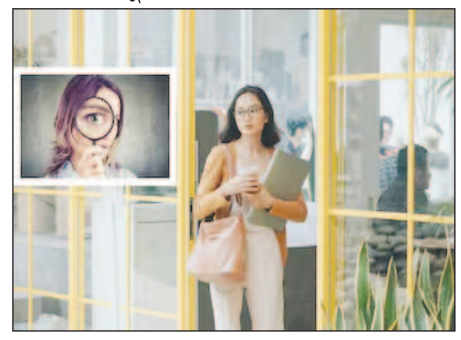

महामारी काल में जहां लोगों को थोड़ी-थोड़ी बीमारी पर छुट्टियां मिल जाती थीं, वहीं अब छुट्टी के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है. ऐसे में कर्मचारी जब बीमारी के बहाने बनाते हैं, तो कंपनियां उनके पीछे जासूस छोड़ रही हैं. किसी भी ऑफिस में नौकरी की जा रही हो, कर्मचारी चाहते हैं कि उन्हें सारी सुविधाएं मिलें. खासतौर पर छुट्टियों को लेकर उनका स्ट्रगल लगातार बरकरार रहता है. अगर बॉस समझदार हों तो दोनों के बीच रिश्ते अच्छे बने रहते हैं लेकिन सबके साथ ऐसा नहीं होता. ऐसे में कर्मचारी छुट्टियां लेने के अपने तरीके सोच ही लेते हैं. कुछ ऐसा ही हो रहा है यूरोपियन देश जर्मनी में, जहां का वर्क कल्चर इस वक्त सोशल मीडिया में चर्चा की वजह बना है. कोरोना महामारी काल में लोगों को थोड़ी-थोड़ी बीमारी पर छुट्टियां मिल जाती थी. हल्के लक्षणों पर भी उन्हें या तो छुट्टी दे दी जाती थी या फिर वे अपनी सुविधा के अनुसार घर से काम करते थे. वहीं अब छुट्टी के लिए उन्हें स्ट्रगल करना पड़ता है. ऐसे में कर्मचारी जब बीमारी के बहाने बनाते हैं, तो कंपनियां उनके पीछे जासूस छोड़ रही हैं. सुनने में ये अजीब है लेकिन सच है.

छुट्टी ले रहे कर्मचारियों पर नज़र

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी में बहुत सी कंपनियां इस बात को लेकर परेशान हैं कि कर्मचारी बीमार होकर छुट्टियां मांगते हैं. कुछ कंपनियों में तो लोग 40 दिन से लेकर 100 दिन की छुट्टी सिर्फ बीमारी की वजह से ले रहे हैं. ऐसे में कंपनियों को ये शक होता है कि ये सिर्फ बहाना है या फिर बीमारी सच में है. इसका पता लगाने के लिए वे जासूसी एजेंसीज़ की हेल्प ले रही हैं. एजेंसी को पैसे पे करके वो ये पता लगवाते हैं कि कर्मचारी झूठ बोल रहा है या सच. हालांकि इन्हें पैसे कितने दिए जा रहे हैं, ये तो नहीं बताया गया लेकिन ये ठीक-ठाक फीस लेने के बाद ही पीछा करने का काम करते हैं.

सुविचार: "जिस इंसान की नीयत अच्छी है उसका, नसीब कभी बुरा नहीं हो सकता"।

निवेश के लिए प्रदेश में माहौल अनुकूल : रेवंत रेड्डी

सीएम ने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पहले से ही एक बेहतर गंतव्य के रूप में देश में सभी का ध्यान आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश की नामी कंपनियों के लिए भारी निवेश के लिए प्रदेश में माहौल अनुकूल है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विश्व मंच पर भविष्य के शहर के रूप में उभर रहे हैदराबाद शहर की सकारात्मकताओं को पेश करने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई औद्योगिक नीति सभी को आकर्षित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पहले वर्ष में लागू की गई सभी योजनाओं और विकास कार्यों ने तेलंगाना को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बना दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस बैठक में आईटी उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, टीजीआईआईसी के एमडी विष्णुवर्धन रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। 20 जनवरी से दावोस की अपनी यात्रा के मद्देनजर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जानकारी ली कि पिछले वर्ष सरकार के साथ अनुबंध करने वाली कौन सी कंपनियों ने राज्य में परिचालन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पहले वर्ष में राज्य को भारी निवेश मिला। पिछले साल दावोस में हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हुए समझौतों से राज्य को 40232 करोड़ रुपये का निवेश मिला। 14 प्रमुख कंपनियां राज्य में निवेश के लिए आगे आई हैं।

लगभग 18 परियोजनाओं के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि करीब 17 परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि दस परियोजनाओं ने विभिन्न चरणों में गति पकड़ ली है और सात परियोजनाओं का कार्यान्वयन प्रारंभिक चरण में है। सीएम ने मंत्री श्रीधर बाबू से कंपनियों की प्रगति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री इस महीने की 16 से 19 तारीख तक सिंगापुर और 20 से 22 तारीख तक दावोस की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरे पर मुख्यमंत्री के साथ मंत्री श्रीधर बाबू और उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे। सिंगापुर में स्किल यूनिवर्सिटी के साथ-साथ अन्य निवेशों के लिए समझौते पर बातचीत हुई। वह दावोस में विश्व आर्थिक मंच के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अधिकारियों ने सीएम को इस छह दिवसीय दौरे के कार्यक्रम के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित सम्मेलन और बैठकों की योजना भी बताई।

आईआईएमसी को यूजीसी से मिला स्वायत्त दर्जा

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारतीय प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान (आईआईएमसी) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 10 वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से 'स्वायत्त दर्जा' प्राप्त कर लिया है। सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। कॉलेज को 2023 में 3.27 स्कोर के साथ तीसरे चक्र में नैक द्वारा ए+ ग्रेड से मान्यता दी गई है और यह एक आईएसओ प्रमाणित कॉलेज भी है।

1973 में स्थापित आईआईएमसी, जिसका प्रबंधन अनुभवी और समर्पित संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों द्वारा किया जाता है, वाणिज्य, प्रबंधन और विज्ञान में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है। 1973 में 100 छात्रों के साथ शुरू हुए इस कॉलेज में अब कुल 1700 छात्र हैं। कॉलेज बी.कॉम (ऑनर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन और बिजनेस एनालिटिक्स), बीबीए और बी.एससी. (डेटा साइंस) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यूजीसी की मान्यता के बाद, कॉलेज के चेयरमैन प्रो. वंगापल्ली विश्वनाथम, मानद सचिव चल्ला प्रसन्ना, अन्य वरिष्ठ प्रबंधन सदस्य, प्रिंसिपल कुरा रघु वीर, संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सभी शुभचिंतकों के प्रति अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया।

संक्रांति पर पतंगबाजी की वापसी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति का त्यौहार, जिसे पतंगों का त्यौहार भी कहा जाता है। संक्रांति के अवसर पर स्कूलों में एक सप्ताह की छुट्टी घोषित होने के कारण बहुत से लोग अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं। यह त्यौहार अपने गृहनगर में परिवार के सदस्यों के बीच बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। संक्रांति त्यौहार पर होने वाला मुख्य कार्यक्रम पतंगबाजी का कार्यक्रम होता है।

त्यौहार आते ही युवा पतंग उड़ाने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। कुछ लोग त्यौहार से पहले ही पतंग उड़ाते हैं। पतंगों का त्यौहार तीन दिनों तक आसमान में दिखाई देता है। हर तरफ रंग-बिरंगी पतंगें देखने को मिलती हैं। हवा में उड़ती पतंगें पूरे आसमान को रंग-बिरंगे अखाड़े में बदल देती हैं। युवा इमारत की छतों पर चढ़कर पतंग उड़ाते हैं। वे बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की पतंगें भी लाते हैं और उन्हें उड़ाते हैं। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए इसका आनंद लेते हैं।

पतंगों की गूंज के साथ ही डीजे भी बजते हैं। युवा जो सूर्योदय होते ही घर से निकल जाते हैं, वे त्योहार के समय शाम तक घर नहीं लौटते। वे अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ पतंगबाजी का आनंद लेते हैं। बाजार में अब नई पतंगें उपलब्ध हैं। पतंगों पर नायकों के साथ-साथ लोकप्रिय कार्टून चरित्रों की तस्वीरें भी हैं।

हैदराबाद के कई इलाकों में पतंगें बेची जाती हैं। हालांकि, चारमीनार स्थित गुलजार हाउस पतंगों की बिक्री के लिए मशहूर है। इलाके में हजारों तरह की पतंगें उपलब्ध हैं। गुलजार हाउस के अलावा मूसाबावली, बेगमबाजार, धूलपेट, लाल दरवाजा और अन्य जगहों पर पतंगें बेची जाती हैं। धूलपेट, जो कभी अवैध शराब गुडंबा (अरक) का अड्डा था, अब पतंगें बेच रहा है। स्थानीय लोगों ने खराब कारोबार को छोड़कर पतंग बनाने का कारोबार शुरू कर दिया है। हालांकि, इलाके के व्यापारियों का कहना है कि पतंग कारोबार से उन्हें अपेक्षित आय नहीं मिल रही है। हालांकि, वे यह स्पष्ट कर रहे हैं कि पतंग बनाने का कारोबार बंद नहीं किया जाएगा। संक्रांति के अवसर पर राज्य के विभिन्न भागों में बनी विभिन्न प्रकार की पतंगें भी हैदराबाद पहुंच गई हैं।

विस अध्यक्ष ने श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी की विशेष पूजा की

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान सभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार ने यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी का दौरा किया और विशेष पूजा की। अध्यक्ष प्रसाद कुमार ने श्री गोदा कल्याणोत्सव के अवसर पर रेशम के कपड़े भेंट किये। मंदिर के अधिशाषी अधिकारी, अधिकारियों एवं पुजारियों ने शिष्टाचार के साथ उनका स्वागत किया।

दलितों ने दी आत्महत्या की धमकी

खम्मम, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेलाकोंडापल्ली मंडल के अचरलागुडेम के दलित पात्र लाभार्थियों को डबल बेडरूम वाले मकान आवंटित करने के संबंध में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए वादे को तोड़ने के आरोप में कांग्रेस सरकार के खिलाफ हैं। दलितों का आरोप है कि सरकार ग्राम सभा आयोजित किए बिना और लॉटरी निकाले बिना कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घर आवंटित करने की कोशिश कर रही है। प्रभावित परिवार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि अगर उन्हें घर आवंटित नहीं किए गए तो वे कीटनाशक खाकर अपनी जान दे देंगे।

ग्रामीणों के अनुसार, बीआरएस सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान गांव में 18 डबल बेडरूम वाले मकान बनवाए। ये मकान दलितों के 14 खाली पड़े मकानों पर बनाए गए थे, जिन्हें 2003 में इस वादे के साथ मंजूर किया गया था कि निर्माण के लिए जिन लोगों के प्लॉट लिए जाएंगे, उन्हें मकान आवंटित किए जाएंगे।

एक निवासी, ऑटो-रिक्शा चालक, के. प्रशांत ने बताया कि जब मकान बनकर तैयार हो गए और आवंटन की प्रक्रिया शुरू हुई, तो विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू हो गई, जिससे प्रक्रिया रुक गई। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद स्थानीय राजस्व अधिकारियों ने कुछ समय पहले डबल बेडरूम वाले मकान पाने के पात्र प्लॉट मालिकों के बिना ही एक सूची तैयार की थी।

यह सूची कांग्रेस नेता पी वीरा रेड्डी के कहने पर तैयार की गई थी, जो राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के समर्थक बताए जाते हैं और सूची में शामिल सभी लाभार्थी कांग्रेस कार्यकर्ता हैं।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that, my client Mohammed Zaibuddin S/o. Mohammed Muneeruddin, Aged about 34 years, Occ: Business, R/o. Flat No.102, GEM Residency, Bahadurpura, Hyderabad, T.G. has lost his documents i.e, (1) Original Regd. Sale Deed document No.9180/2018, (2) Original Regd. Sale Deed document No.5273 of 2019, (3) Original Regd.Sale Deed document No.3083/2019 and (4) Original Regd.Sale Deed document No.67 of 2019 while travelling on 16-12-2024 from Bahadurpura to Nampally Criminal Court to meet the Advoate, reached Begum Bazar Chatri and found that the polythene cover was missing from his bike, if any body found it, kindly inform/return the same to my below address or to hand over the same to P.S. Shahinayathgunj, Hyderabad. It is further informed that no person shall enter into any transaction or conveyance or any nature in respect of the above said properties, if any person enters into any transaction, they will be doing so at their own risk.

DINESH JAISWAL
ADVOCATE
Off: 14-8-20 to 23, Chudi Bazar, Begum Bazar, Hyderabad-12
Cell: 9948087688

युवा सहयोग समिति संक्रांति मनाई

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। युवा सहयोग समिति, डीएई, सीआईएल, सिकंदराबाद में मकर संक्रांति के अवसर पर परिवार के साथ एक मिलन समारोह का आयोजन डीएई हाउसिंग कालोनी में धूम धाम से मनाया। इस दौरान संक्रांति पर्व से संबंधित खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया। बच्चों ने पतंग उड़ाया। कार्यक्रम का संचालन सुदामा कुमार ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से शौकत अली, धीरेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

नकदी संकट से जूझ रही तेलंगाना सरकार

जमीन और फ्लैटों की नीलामी से 3,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नकदी की कमी से जूझ रही कांग्रेस सरकार राज्य भर में तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड और राजीव स्वगृह निगम के तहत आवासीय भूखंडों और बिना बिके फ्लैटों की नीलामी करके 3,500 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की तैयारी में है। इन नीलामियों के लिए अधिसूचना अगले महीने जारी होने की उम्मीद है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र, हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) क्षेत्र और करीमनगर, खम्मम, गदवाल और अन्य सहित विभिन्न अन्य जिलों में चंदनगर, गजुलारामरम, कुंदनपल्ली, कुर्मलगुडा और बहादुरपल्ली सहित 41 स्थानों पर 100-500 वर्ग गज तक के लगभग 1,400 खुले भूखंड अच्छी तरह से योजनाबद्ध लेआउट में स्थित हैं।

इसके अलावा, 361 अधूरे मकानों को भी बिक्री के लिए रखा जाएगा। ये नीलामी पहले की नीलामी के बाद की हैं, जिसमें 3,444 प्लॉट और 195 मकान बेचे गए थे। पोचारम, नागोल के पास बंडलागुडा, जवाहरनगर और गजुलारामरम में राजीव स्वगृह गेटेड टाउनशिप में लगभग 700 बिना बिके फ्लैटों को बेचने के प्रयास भी चल रहे हैं। इनमें से कई संपत्तियां 2007 में तत्कालीन आंध्र प्रदेश में योजना के लॉन्च होने के बाद से ही बिना बिकी रह गई हैं, जबकि पिछले छह नीलामी चरण हो चुके हैं।

यह कदम राजकोषीय चुनौतियों के बीच उठाया गया है, जिसमें पिछले वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्य के लिए खराब राजस्व संग्रह शामिल है।

इस वित्त वर्ष के नवंबर तक तेलंगाना की राजस्व प्राप्तियां 1.03 लाख करोड़ रुपये रहीं, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह 1.11 लाख करोड़ रुपये थी। कुल प्राप्तियां 1.41 लाख करोड़ रुपये हैं जबकि व्यय 1.38 लाख करोड़ रुपये है, नवंबर के अंत तक ऋण और संवितरण पर 2,621 करोड़ रुपये खर्च किए गए। नतीजतन, राज्य को 14,288 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा और 37,850 करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा झेलना पड़ रहा है। इस नीलामी का उद्देश्य बढ़ते राजकोषीय अंतर को पाटना है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मर्री चेन्ना रेड्डी को उनकी जयंती पर अपने जुबली हिल्स स्थित आवास पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: VSKP-ELG-TL-AC-24-25-7, दिनांक 08.01.2025

कार्य का नाम: इलेक्ट्रिकल जनरल डिपार्टमेंट की रेलवे सामग्रियों की ढुलाई के लिए 2 वर्षों की अवधि हेतु ड्राइवर तथा डीजल ऑयल, लुब्रिकेंट इत्यादि के साथ 7.5 टन पे-लोड 19 FT ट्रक सड़क वाहन किराए पर लेना।

निविदा मूल्य: रु. 26,72,160.00, बोली सुरक्षा: रु. 53,500.00, समापन अवधि: 24 महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 07.02.2025 को 1330 बजे। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 07.02.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज का सम्पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदाकारों को जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट देखना आवश्यक है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (G), वाल्टियर

PR-878/P/24-25

रेशम उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

तेलंगाना के लिए निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत हासिल किया

मंचेरियल, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोयला खनन, ताप विद्युत और आमों के लिए जाना जाने वाला यह जिला धीरे-धीरे रेशम उत्पादन में उत्कृष्टता के कारण देश में विशेष पहचान बना रहा है, जो तेलंगाना में कम खोजा गया क्षेत्र है। जिले ने 2024 में रेशमकीट कोकून के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। हाल ही में समाप्त वर्ष में इसने 29.10 लाख कोकून की उपज देखी, जबकि 2023 में 24.10 लाख कोकून का उत्पादन हुआ, जो 21 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। रेशम उत्पादन विभाग की सहायक निदेशक पार्वती राठौड़ ने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने तेलंगाना में लगभग आधा उत्पादन हासिल किया, जो 60 लाख कोकून था।

अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही चेन्नूर में रेशम उत्पादन विभाग के एक केंद्र पर कोकून का प्रसंस्करण किया जाएगा। उन्हें उम्मीद है कि अन्य राज्यों में फसल की पैदावार में गिरावट के कारण व्यापारी प्रति कोकून 6.50 रुपये के आसपास कीमत लगाएंगे। उत्पादकों से खरीदे गए कोकून को कुछ हफ़्तों में चेन्नूर में खुली नीलामी के जरिए बेचा जाएगा। छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और देश के कई अन्य हिस्सों से रेशम कीट व्यापारी नीलामी में हिस्सा लेते हैं।

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
(आइसीएआर-सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फार ड्राईलैण्ड एग्रीकल्चर)संतोषनगर, सईदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059

विज्ञापन सं.01/2025/एआईसीआरपीडीए

प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से दि.04-02-2025 के सुबह 11.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-।। (02 पद) के अस्थायी पदों को भरा जा रहा है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइट: http://www.icar.crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./--
प्रशासकीय अधिकारी

45 दिवसीय महाकुंभ 2025 : 'हर-हर महादेव, जय श्री राम'

जयघोष करते हुए श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में संगम नोज समेत सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए।

भव्य महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ है। जिसने आज 144 वर्षों में एक बार देखी गई आध्यात्मिक भव्यता की याद ताजा कर दी। यहां देश और दुनिया भर से भक्तों का एक समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के अनुमान को पार कर सकता है।

इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा

शुरुआती दिनों में भारी भीड़ से पता चलता है कि इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होगा। पौष पूर्णिमा पर, अपने गहन आध्यात्मिक अनुशासन के लिए जाने जाने वाले कल्पवासियों ने 'मोक्षदायिनी' संगम में पवित्र डुबकी लगाई और 45 दिनों तक चलने वाले अपने आध्यात्मिक एकांतवास की शुरुआत की। कल्पवासी महाकुंभ अवधि के दौरान ब्रह्मचर्य, साधारण जीवन और नियमित प्रार्थना के सख्त व्रत का पालन करते हैं।

उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्थान के लिए बल्कि मानवता के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की। इस वर्ष, महादेव की पूजा के लिए शुभ दिन सोमवार को पड़ने वाले पौष पूर्णिमा के संयोग ने इस अवसर को आध्यात्मिक रूप से और भी महत्वपूर्ण बना दिया।

लगे हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे

संगम नोज समेत सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। महाकुंभ की भव्यता ने न केवल भारतीय श्रद्धालुओं, बल्कि दुनिया भर से आए पर्यटकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। संगम घाट पर अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और आध्यात्मिक साधकों का तांता उत्सव में शामिल हुआ। दक्षिण कोरिया के कई यूट्यूबर इस दिव्य अनुभव को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए, जबकि जापान के पर्यटकों ने स्थानीय गाइडों से इस आयोजन के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझने की कोशिश की। सोमवार को रूस-अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु आस्था और एकता के इस महापर्व के साक्षी बने और डुबकी भी लगाई।

भक्तों से मनमाना किराया नहीं वसूल पाएंगे नाविक

घाटों पर लगेगी रेट लिस्ट; साफ होंगे कुंड और तालाब

वाराणसी, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले भक्तों से नाविक इस बार मनमाना किराया नहीं ले पाएंगे। नाव के लिए किराया तय कर दिया गया है। नगर निगम में आयोजित बैठक के दौरान नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने इसकी जानकारी दी। महाकुंभ में चल रही तैयारियों का उन्होंने हाल भी जाना। कहा कि नाव के फिक्स्ड रेट घाटों पर चस्पा किए जाएंगे।

कहा कि क्वीक रिस्पांस टीम यानी क्यूआरटी महाकुम्भ के दौरान नगर निगम, वाराणसी द्वारा स्वास्थ्य विभाग, सामान्य अभियन्त्रण विभाग, जलकल विभाग एवं मार्ग प्रकाश विभाग की संयुक्त क्वीक रिस्पांस टीम तैयार की गयी है, जो 24X7 कार्य करेगी। सभी क्यूआरटी दशाश्वमेध जोन पर कैम्प करेगी। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल समस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। नगर निगम ने महाकुम्भ के दृष्टिगत काशी इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर यानी केआईसीसीसी में हेल्प डेस्क कंट्रोल रूम स्थापित किया है, जिसका टोल फ्री नंबर 1533 है। बताया कि यह तीन शिफ्टों में कार्य करेगी। यहां प्राप्त होने वाली शिकायतों को तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

महाकुंभ में सनातन संरक्षण परिषद का गठन

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले-धर्म स्थलों पर गैर धार्मिक व्यक्तियों की नियुक्ति न हो; पवित्रता जरूरी

वाराणसी, 13 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र में सनातन धर्म की रक्षा और धर्मस्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। रविवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की उपस्थिति में सनातन संरक्षण परिषद का गठन किया गया। यह निर्णय परमधर्म संसद के सत्र में लिया गया। जहां धर्म के संरक्षण और पवित्रता के लिए प्रस्ताव पारित किए गए।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- हिन्दू धर्म की नींव मठों- मंदिरों के साथ गोशालाओं और गुरुकुलों से जुड़ी है। इनकी पवित्रता और प्रबंधन का हिन्दू समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा- धर्मस्थलों पर गैर धार्मिक और विधर्मी व्यक्तियों की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा- धर्मस्थलों को सरकार हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। जिससे उनका सही प्रबंधन हो सके।

धार्मिक आस्था वाले ही करें मंदिर की देखरेख

परमधर्म संसद-1008 में शंकराचार्य ने कहा- कश्मीर से आई बहन बताया कि हमारे मंदिरों में मुस्लिम पुजारी नियुक्त है। हमारा धर्म इसलिए कमजोर हो गया है क्योंकि हम अपने मंदिरों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा-मौजूदा समय में कई सरकारी अधिकारी मंदिरों को देख रहे हैं। जबकि इन्हें कोई धार्मिक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा- अगर जिनकी आस्था धार्मिक नहीं है उसको मंदिर की व्यवस्था और मंदिर के अंदर जाने का कोई अधिकार नहीं है।

सभी मंदिरों में एकांतर दृष्टि रहे

शंकराचार्य ने मंच से कहा-हमारे देश में कुछ ऐसे मंदिर है जहां बहुत सी भीड़ लगी है और बहुत से मंदिर ऐसे हैं जहां एक लोग भी नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा यह असंतुलन धर्म के लिए ठीक नहीं है। इसलिए एकांतर दृष्टि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा- हर मंदिर में पूजा-आरती सुनिश्चित होनी चाहिए। जिन मंदिरों में संसाधन है।

कन्नौज हादसे पर बड़ा खुलासा : शटरिंग में लगी थीं पतली-पतली बल्लियां

कम थे लोहे के गर्डर; लापरवाही बनी वजह

कन्नौज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कन्नौज रेलवे स्टेशन का कायाकल्प करने के लिए 13.50 करोड़ और गुरसहायगंज रेलवे स्टेशन के लिए 8.95 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। दोनों ही निर्माणकार्य पूरे करने की दिसंबर 2024 डेड लाइन थी। धीमी रफ्तार के कारण आधा काम भी नहीं हो सका है।

अमृत भारत योजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर कन्नौज और गुरसहायगंज के स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। सरकार ने स्टेशनों के कायाकल्प के लिए कार्यदायी संस्था नामित की। संस्था ने इमारतों के निर्माण कार्य में शटरिंग का काम अलग-अलग ठेकेदारों को दे रखा है, जो गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। गुरसहायगंज में सात माह पहले शटरिंग टूटने से निर्माणाधीन छज्जा गिर गया था और दो मजदूर घायल हो गए। हादसे को रेलवे ने गंभीरता से नहीं लिया और जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अगर पहली घटना से ही रेलवे ने सबक लिया होता और शटरिंग को लेकर गंभीरता दिखाई होती तो शनिवार को कन्नौज में शटरिंग टूटने से बड़ा हादसा न होता। कहीं न कहीं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्य की शटरिंग पोल खोल रही है। कन्नौज रेलवे स्टेशन का कायाकल्प करने के लिए 13.50 करोड़ और गुरसहायगंज रेलवे स्टेशन के लिए 8.95 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। दोनों ही निर्माणकार्य पूरे करने की दिसंबर 2024 डेड लाइन थी। धीमी रफ्तार के कारण आधा काम भी नहीं हो सका है। शनिवार को कन्नौज रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन इमारत का लिंटर गिरने से 26 मजदूर घायल हो गए। इसमें भी शटरिंग टूटने के कारण हादसा होने की पुष्टि की गई है। इमारत की ऊंचाई को गंभीरता से नहीं लिया गया और लकड़ी की पतली-पतली बल्लियों का शटरिंग में प्रयोग हुआ।

इसके अलावा पाड़ बनाने में प्रयोग होने वाले लोहे के पाइप भी लगाए गए, जबकि लोहे के गर्डर कम थे। जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह का कहना है कि पूरे मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय चार सदस्यीय टीम गठित की गई है। मुख्यालय से टीम जांच करने के लिए आएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आत्मा कहां जाती है, सर्च कर छात्र ने सुसाइड किया

मेरठ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ नौवीं के छात्र ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। इससे पहले उसने यूट्यूब और गुगल पर सर्च किया कि आत्महत्या करने के बाद क्या होता है। आत्मा कहां जाती है, सुसाइड करने से क्या सजा मिलती है। बुलंदशहर निवासी महिला यहां मेडिकल कॉलेज में नर्स हैं। एक साल पहले उनके पति की मौत हो गई थी। उनके दो बेटे हैं, बड़ा बेटा 17 साल और छोटा 15 साल का था। 6 माह पहले ही मकान खरीदा था। मां और बड़े भाई ने गलत लड़कों के साथ रहने पर उसे फटकार लगाई। इसके बाद वह कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद कमरे से गोली चलने की आवाज आई।

अखिलेश यादव बोले-भाजपा सरकार में कोई भी काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा

कन्नौज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में कोई भी काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा है। अंग्रेजों के जमाने में बने रेलवे स्टेशन आज भी सुरक्षित हैं। भाजपा सरकार में बनवाए जा रहे रेलवे स्टेशन बनने से पहले ही गिर रहे हैं। सैफई से शनिवार शाम लखनऊ जाते समय अखिलेश यादव आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के फगुहा कट पर रुके और पत्रकारों से बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने कन्नौज रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को लेकर प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह सरकार ठेके पर ठेका उठाती है। इसके बाद भाजपाई कुछ कार्यदायी संस्था पर दबाव बनाते हैं। इससे कार्य में गुणवत्ता नहीं आ पाती है। सरकार का उद्देश्य है कि जब तक उनकी सरकार चले तब तक ही भवन चले।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर छोटे बडे. कार्य में भ्रष्टाचार में शामिल है। यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि कोई भी काम ठेकेदार को मिलता है, तो उसका आउटसोर्स हो रहा है। बाद में भाजपा के लोग दबाव बनाते हैं। कई चीजों को लेकर जब तक उन्हें संतुष्ट नहीं किया जाता है, तब तक यह काम आगे नहीं बढ़ेगा, उसी का परिणाम है कि ठेकेदार को क्वालिटी से समझौता करना पड़ रहा है। पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर पा रहा है। गुणवत्ता खराब हो रही है। इसी वजह से हादसे हो रहे हैं। बड़े-बड़े कंस्ट्रक्शन हुए हैं, कभी जानें नहीं गई।

आईआईटी छात्रा बोली-एसीपी मोहसिन मेरी हत्या करा सकता है

पॉलिटिकल और क्रिमिनल्स से कनेक्शन; 3 घंटे में कई बार रोई

कानपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर आईआईटी छात्रा ने एसीपी मोहसिन के खिलाफ दर्ज दूसरी एफआईआर में अपने बयान पुलिस के सामने दर्ज कराए। छात्रा ने अपना दर्द बयां किया। छात्रा ने कहा- मुझे जान का खतरा है। अगर उसकी हत्या होती है तो मोहसिन खान उसके जिम्मेदार होंगे। मोहसिन के पॉलिटिकल के साथ क्रिमिनल कनेक्शन भी हैं। छात्रा ने मोहसिन की पत्नी के भी बयान दर्ज करने की मांग की है...। रविवार को बयान दर्ज कराने के दौरान 3 घंटे तक छात्रा रोती रही, कभी महिला अफसर ने उसे गले लगाकर समझाया तो कभी आरोपी को सलाखों के पीछे भेजने की बात कहकर तसल्ली दिलाई। आखिर रिसर्च स्कॉलर ने अपने बयान में क्या-क्या बातें दर्ज कराई हैं पढ़ें दैनिक भास्कर की खास रिपोर्ट...। छात्रा ने बताया- मोहसिन लगातार मुझे डिफेम करने की कोशिश कर रहा है। मुझे न्याय नहीं मिल रहा और न्याय मिलने में इतनी देरी हो रही है। मोहसिन खुलेआम मेरे कैरेक्टर पर कीचड़ उछाल रहा है। इतना ही नहीं मुझे लगातार जान का खतरा बना हुआ है।

'प्रदेश ना मुस्लिम लीग की मानसिकता से चलेगा और ना यूपी सरकार की दादागिरी से'

बोले सपा सांसद अफजाल अंसारी

गाजीपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि देश/प्रदेश ना मुस्लिम लीग की मानसिकता से चलेगा और ना ही योगी सरकार की दादागिरी से चलेगा। ये सिर्फ और सिर्फ संविधान से चलेगा। वहीं, भाई मुख्तार अंसारी के बेटों को जमीन के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर कहा कि हमें संविधान और न्याय-व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। कोर्ट ने सरकार को आईना दिखाया है। अंसारी परिवार के नाम दर्ज लखनऊ की जमीन पर पीएम आवास बनाए, जाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक पर अफजाल ने कहा कि वो लैंड मेरे पिता शुभानुल्लाह अंसारी ने खरीदी थी। बाद में वो जमीन मेरी मां के नाम पर वसीयत हुई। मां के निधन के बाद भाई के बेटों अब्बास अंसारी और उमर अंसारी को मिली। सारे कागज हमारे पास हैं। वहीं, कुंभ मेले के आयोजन के खर्च पर सपा सांसद ने सवाल उठाते हुए कहा कि खर्च कई गुना क्यों बढ़ा दिया गया। सरकार कुंभ में अपने चहेते ठेकेदारों को कमवा रही है। अफजाल अंसारी ने कहा कि इसके खिलाफ साधु-संतों ने भी आवाज उठाई है। अफजाल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि गाजीपुर में पिछले दिनों ईडी की टीम आई थी. वह स्थानीय पूर्वांचल कॉआपरेटिव बैंक के चेयरमैन और बैंक डायरेक्टर्स द्वारा घपले/घोटाले की जांच करने आई थी. ईमानदारी से जांच हुई तो बड़े-बड़े चेहरे सामने आएंगे. हम लोगों पर साजिश के तहत झूठे आरोप लगाए गए थे. ईडी ने हमसे 5 बार लगभग 62 घंटे पूछताछ की थी लेकिन कुछ नहीं निकला।

सपा सांसद अफजाल अंसारी ने कहा ये सरकार माफियाओं और भूमाफियाओं पर एक्शन ले रही है, लेकिन वर्तमान में जो तंत्र है, उससे बड़ा भूमाफिया तो कोई है ही नहीं. किसी की भी रजिस्टर्ड जमीन को हथिया कर उसपर आवास बना दे रहे हैं. दान कर दे रहे हैं. इसीलिए कोर्ट ने आईना दिखाया है. वहीं, कुंभ मेले की जमीन को वक्फ की जमीन बताए जाने के सवाल पर अंसारी ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि मुझे उसपर कोई बयान नहीं देना है. उन्होंने साफ तौर पर कहा कुंभ का आयोजन हर 6 साल और 12 साल पर होता है. ये धर्म और आस्था से जुड़ा आयोजन है. इस पर कोई टिप्पणी नहीं होनी चाहिए. पूर्व की भी सरकारों ने इसका आयोजन भव्य तरीके से किया है. हां, इस बार ये सवाल जरूर उठ रहा है कि खर्च को चार गुना क्यों बढ़ा दिया गया।

यथार्थ गीता की दस लाख प्रतियां निःशुल्क वितरित

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी श्रीमद् भागवत गीता का भाव्य 'यथार्थ गीता की दस लाख प्रतिया निःशुल्क स्वामी श्री अड़गड़ानन्द महराज जी के आदेशानुसार कुम्भ मेले में सेक्टर 17 लोअर संगम मार्ग श्री परमहंस आश्रम यथार्थ गीता कैम्प से 13 जनवरी से निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। कैम्प का उद्घाटन सोहम बाबा ने किया है। उक्त जानकारी आचार्य विनय कुमार दुबे एवं चिंटू सिंह ने दिया। आश्रम की मंशा है कि अधिक से अधिक लोग यथार्थ गीता का अध्यन करें और जीवन मे लाभ उठायें।

युवक ने किया आत्मदाह

बरेली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र में एक युवक ने रात को आत्मदाह कर लिया। उसने पत्नी से झगड़े के बाद खुद को आग लगा ली। इसके बाद घर से बाहर गली में दौड़ा। मोहल्ले के लोगों ने जब तक आग बुझाई, तब तक वह बुरी तरह जल चुका था। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक बारादरी थाना क्षेत्र के सकलैन नगर का सलीम (उम्र करीब 40 वर्ष) पुत्र शहाबुद्दीन कैंट क्षेत्र के मुस्तफानगर सैदपुर खजुरिया में किराये के मकान में पत्नी के साथ रहता था। वह कबाड़ बीनने का काम करता था। उसकी पत्नी नाजमीन घरों में झाड़-पोंछा का काम करती है। बताया जा रहा है कि सलीम शराब पीने का आदी था। जिसके चलते दंपती में आए दिन झगड़ा होता था।

तीन बच्चों के साथ दंपती ने निगला जहर, हालत गंभीर

सहारनपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में गागलहेड़ी थानाक्षेत्र के देहरादून-हाईवे पर बाइक सवार दंपती ने अपने तीन बच्चों संग जान देने का प्रयास किया। बताया गया कि बाइक रोककर दंपती ने हाईवे किनारे तीन बच्चों साथ मिलकर जहरीले पदार्थ का सेवन किया। राहगीरों द्वारा देखे जाने पर गंभीर हालत में सभी को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। देहरादून हाईवे पर हरोड़ा गांव के निकट बन रहे पुल के समीप बाइक सवार दंपती अपनी बाइक रोक कर खडे.हुए थे। कुछ देर बाद ही दंपती सहित बच्चों की तबीयत अचानक से खराब होने लगी और उन्हें सभी उल्टियां करने लगे। मौके से गुजर रहे राहगीर ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि हम सभी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा पुलिस का बड़ा एक्शन पांच बदमाशों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी पुलिस ने नशे के तस्कर और लुटेरे पांच बदमाशों को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। इन बदमाशों के पास से तकरीबन 20 किलो गांजा, लूट के रुपए और बिना नंबर प्लेट की एक कार भी बरामद की गई। बदमाश नशे की तस्करी के साथ-साथ लूटपाट का भी काम करते थे। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना दादरी पुलिस ने पांच बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए 20 किलोग्राम गांजा, 5,000 रुपए और एक कार जब्त की। गिरफ्तार बदमाशों की शिनाख्त पंकज, विक्की, अंशुल चंदीला, विनय कुमार और नितिन के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि बदमाश बिना नंबर की कार से रामगढ़ अंडरपास के नजदीक से गुजर रहे थे। इसी दौरान पांचों को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों ने पूछताछ के दौरान बरामद रुपए के बारे में बताया कि उनके गैंग ने कुछ दिन पहले रामगढ़ अंडरपास के नजदीक से एक व्यक्ति को रोककर 22,200 रुपए लूट लिए थे। अंशुल, विनय और नितिन ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि सभी बदमाशों पर अलग-अलग थाने में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से इन बदमाशों की तलाश कर रही थी।

चेला निकला पुजारी का कातिल-मारते-मारते डंडा टूटा तो ईंट से कूच दिया था सिर

बरेली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की बरेली पुलिस ने काली माता मंदिर के बाबा शिवचंद गिरी हत्याकांड का खुलासा कर दिया है. पुलिस का कहना है कि शिवचंद गिरी की हत्या उसी के चेले और मंदिर के दूसरे बाबा अमित गिरी ने की थी. दरअसल, हत्यारोपी को डर सता रहा था कि शिवचंद उसके गुरु राम गिरी से दीक्षा लेकर मंदिर पर कब्जा कर लेगा. इसीलिए उसने इस खूनी वारदात को अंजाम दे डाला।

ईंट से कुचलकर की गई थी बाबा की हत्या

आपको बता दें कि बरेली के फरीदपुर क्षेत्र के गांव पचौमी में 9 जनवरी को शिवचंद गिरी की ईंटों से कुचलकर और डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी. इस पूरे घटनाक्रम में गांव राम पुरिया निवासी नागा बाबा अमित गिरी ने मुकदमा दर्ज कराया था. अमित की ओर से अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. जबकि, असल में हत्या खुद उसी ने की थी. इस घटना का खुलासा करने के लिए बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस की दो टीमों और एसओजी की टीम को भी लगाया था. महज 48 घंटे के अंदर ही पुलिस ने इस घटना का खुलासा कर दिया. पोल खुली तो अमित गिरी ने भी अपना जुर्म कुबूल कर लिया. इस हत्याकांड में पुलिस को अमित गिरी पर पहले से ही शक था, क्योंकि वह हर बार अपने बयान बदल रहा था. जब उसे हिरासत में लिया गया और सख्ती दिखाई गई तो उसने अपना जुर्म कुबूल कर लिया. अमित गिरी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मृतक बाबा शिवचंद गिरी का असली नाम शिव शरण कोरी है और वह रीवा, मध्य प्रदेश के रहने वाले थे. आरोपी अमित गिरी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शिवचंद गिरी ने 8 जनवरी की शाम 5 बजे पंचेश्वर नाथ मंदिर में उसका और उसके गुरु का अपमान किया था. इसी बात से वह नाराज हो गया और हत्या करने की पूरी प्लानिंग की. इसके अलावा अमित गिरी को इस बात का भी डर था कि बाबा शिवचंद गिरी उसके गुरु राम गिरी से दीक्षा लेकर काली माता मंदिर पर कब्जा कर लेगा.

उमर अब्दुल्ला ने की पीएम मोदी की तारीफ

बिना किसी गड़बड़ी के चुनाव कराया 4 महीने में वादा पूरा किया

जम्मू-कश्मीर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल पहुंचे. यहां उन्होंने Z-Morh टनल का उद्घाटन किया. इस दौरान उनके साथ जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे. टनल के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया. उन्होंने कहा कि आपने 4 महीने में अपना वादा निभाया और कहा था उसे पूरा किया. आपने बिना किसी गड़बड़ी के घाटी में चुनाव संपन्न करवाया। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'आपने (पीएम मोदी) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में अपने कार्यक्रम के दौरान 3 बहुत अहम बातें कही थीं.

आपने कहा कि आप दिल की दूरी और दिल्ली की दूरी को खत्म करने पर काम कर रहे हैं और यह सच में आपके काम से साबित होता है. उस दौरान आपने जम्मू-कश्मीर के लोगों से कहा था कि बहुत जल्द चुनाव होंगे और लोगों को अपने वोट के जरिए अपनी सरकार चुनने का मौका मिलेगा. आपने अपनी बात रखी और 4 महीने के अंदर चुनाव हुए. एक नई सरकार चुनी गई और परिणाम यह है कि मुख्यमंत्री के रूप में मैं यहां आपसे बात कर रहा हूं।

यह टनल पूरे साल सोनमर्ग को श्रीनगर से जोड़े रखेगी

उमर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से बॉर्डर पर सीज फायर से दूरदराज के इलाकों को काफी फायदा हुआ है. उन्होंने कहा, चाहे माछिल, गुरेज, करनाह या केरन हो, अधिक पर्यटकों के आने से लोगों को विकास और पर्यटन के मामले में फायदा हो रहा है. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सोनमर्ग में Z-मोड टनल के खुलने से ऊपरी इलाकों के लोगों को अब मैदानी इलाकों की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि सड़क संपर्क साल भर उपलब्ध रहेगा.

2,700 करोड़ की लागत से बनी 6.5 कि.मी लंबी सुरंग

उन्होंने Z-मोड टनल निर्माण परियोजना में शामिल उन 7नागरिकों को याद किया, जिन्हें पिछले साल गगनगीर में आतंकवादियों ने मार डाला था. गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग को जोड़ने वाली 6.5 किमी लंबी इस दो-लेन वाली सुरंग का निर्माण 2,700 करोड़ से अधिक की लागत से नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है. सुरंग में 7.5 मीटर चौड़ा इमरजेंसी एग्जिट रूट भी है. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि Z-मोड टनल गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिसॉर्ट को प्रसिद्ध गुलमर्ग स्कीइंग रिसॉर्ट सिटी की तरह विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाएगी।

पटियाला में 'द रनवास पैलेस' का उद्घाटन स्थगित

सिख महल में बना दुनिया का एकमात्र होटल डेस्टिनेशन वेडिंग होगी, 1763 में हुआ था निर्माण

पटियाला, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के शाही शहर पटियाला के ऐतिहासिक किला मुबारक में स्थित होटल रनवास द पैलेस का उद्घाटन आज रद्द कर दिया गया है। सीएम मान इसका उद्घाटन करने वाले थे, लेकिन सीएम कार्यालय ने जानकारी दी कि इसका उद्घाटन आज नहीं होगा।

अब उद्घाटन कल यानी मंगलवार को दोपहर 12:30 बजे होगा। सरकार का दावा है कि यह सिख महल में बना दुनिया का एकमात्र होटल है। अब राजस्थान की तर्ज पर यहां भी होटल डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि पटियाला की रानियां इसी महल में रहा करती थीं।

इंडिया ब्लॉक खुराफाती सोच पर आधारित : मुख्तार नकवी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधा। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि यह गठबंधन एक 'गुनाहों के गटर' पर आधारित है जो सफल नहीं हो पाया।

भाजपा नेता ने आगे कहा, यह गठबंधन नकारात्मकता और खुराफाती सोच पर आधारित है। जब किसी गठबंधन की शुरुआत इस तरह से होती है, तो उसका भविष्य भी नकारात्मक ही होता है। आज यह स्थिति है कि इसका कोई नेतृत्व नहीं बचा है। इसके साथ ही उन्होंने इंडिया ब्लॉक की एकजटुता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन दिल्ली में अलग है और बीएमसी चुनाव में अलग है। इंडिया गठबंधन का अब कोई अस्तित्व ही नहीं है। वहीं, दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव प्रचार करने पर भी मुख्तार अब्बास नकवी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो लोग सिर्फ आरोप लगाने में विश्वास करते हैं, उन्हें जनता इस बार धो डालेगी। झूठ और भ्रम फैलाने वाले नेताओं को इस बार जनता जवाब देगी।

जेड मोड टनल को नकवी ने विकास के लिए जरूरी बताया। कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में विकास के नए रास्ते खुले हैं। वहां के लोग अब विकास और राजनीतिक सुधार के हिस्सेदार बने हैं। मोदी जी के नेतृत्व में देश में जो विश्वास और विकास का माहौल बना है, उसका असर जम्मू कश्मीर में साफ दिख रहा है। इसके साथ ही मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी के मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और केजरीवाल ने झुग्गीवासियों को झांसा दिया और झूठ का प्रचार किया। उन्होंने कहा, 12-13 साल हो गए अब तक कुछ नहीं किया। सिर्फ धरने पर बैठे रहते हैं। अब जनता उन्हें पहचान चुकी है और झांसा देने वालों को छोड़ने वाली है।

राजस्व मंत्री की महिला अफसर को धमकी-जिले से भगा देंगे

विरोध में तहसीलदार तीन दिन नहीं करेंगे काम, सरकारी वाट्सऐप ग्रुप छोड़ा

भोपाल, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के एक विवादित बयान पर प्रदेशभर के तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने मोर्चा खोल दिया है। मंत्री ने सीहोर में एक महिला नायब तहसीलदार को सार्वजनिक मंच पर अपमानित करते हुए जिले से भगा देने की धमकी दी थी। बयान के विरोध में सभी अधिकारी तीन दिन के सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं। वे कोई काम नहीं करेंगे। उन्होंने सरकारी वॉट्सऐप ग्रुप भी छोड़ दिया है। वे प्रदेशभर में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

राजस्व कामकाज पर पड़ेगा असर

13 से 15 जनवरी तक तहसीलदार और नायब तहसीलदार कामकाज नहीं करेंगे। इससे नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, और अन्य प्रशासनिक कार्य ठप होने की आशंका है। अधिकारी प्रशासनिक वॉट्सऐप ग्रुप से बाहर हो चुके हैं। वे निर्देशों का पालन करने से इनकार कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोरदार हंगामा, मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड पर देने का विरोध

हरिद्वार, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड पर देने को लेकर विरोध थम नहीं रहा। छात्रा-छात्राओं के बाद अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर हंगामा किया। कार्यकर्ता मेडिकल कॉलेज के बाहर एकत्रित हुए और जमकर हंगामा किया। पुलिस ने कांग्रेस के विधायक रवि बहादुर , युवा नेता सुमित्रा भुल्लर को गेट पर ही रोक दिया बता दें कि लक्सर जगजीतपुर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड पर देने का एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं जगातार विरोध कर रहे हैं। वे पढ़ाई छोड़ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

नासिक मुंबई हाईवे पर भीषण हादसे में 6 की मौत

सीएम फडणवीस ने जताया दुख

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। नासिक मुंबई हाईवे फ्लाईओवर पर टेम्पो और मिनी ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 5 लोग घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक-मुंबई राजमार्ग पर हुए हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस हादसे में मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी और घायलों का खर्च सरकार उठाएगी।

दरअसल, यह घटना रविवार शाम सात बजे अयप्पा मंदिर के पास हुई। 16 यात्रियों को लेकर एक टेम्पो निफाड़ में एक धार्मिक आयोजन से लौट रहा था। टेम्पो नासिक के सिडको इलाके की ओर जा रहा था। टेम्पो चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और लोहे की छड़ों से लदे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं, जिनका इलाज जारी है। नासिक पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को मदद पहुंचाई। यातायात शाखा के एसएचओ ने भी मौके पर आकर घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

हालांकि, दुर्घटना के कारण द्वारका फ्लाईओवर पर तीन किलोमीटर तक यातायात बाधित हो गया था, लेकिन दो घंटे बाद यातायात को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया, जिससे यात्रियों को राहत मिली। पुलिस के अनुसार यह घटना शाम सात बजे अयप्पा मंदिर के पास हुई, जब 16 यात्रियों को लेकर टेम्पो ट्रैवलर निफाड़ में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद नासिक के सिडको क्षेत्र जा रहा था। इस दौरान टेम्पो चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और लोहे की छड़ें ले जा रहे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक में कोई लाइट या संकेतक नहीं था, जिससे पता चले कि ट्रक में छड़ें बाहर निकली हुई थीं। इस घटना के कारण मुंबई-नासिक राजमार्ग पर यातायात करीब 45 मिनट तक बाधित रहा।

दिग्विजय बोले-ज्योतिरादित्य सिंधिया बच्चे हैं

माधवराव महाराज को मैं कांग्रेस में लाया; सिंधिया ने कहा था-दिग्विजय मेरे पिता को टारगेट करते थे

भोपाल, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बच्चा कहा है। उन्होंने कहा कि उनके पिता माधवराव सिंधिया को मैं ही कांग्रेस में लाया था। दिग्विजय सिंह ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिग्विजय सिंह मेरे पिता को भी टारगेट करते थे और मुझे भी टारगेट कर रहे हैं।

मैं और अर्जुन सिंह हम लोग ही माधवराव सिंधिया को सन 1979-80 में कांग्रेस में लाए थे। संजय गांधी, इंदिरा जी से मिलवाया था। माधव राव महाराज के समय उनको जो भी सम्मान मिला, केन्द्र में मंत्री बने, पार्टी में महामंत्री बने। उनको पूरी इज्जत दी, वो कांग्रेस ने दी। मेरा उनसे कोई विवाद न कभी था, न कभी रहा। क्योंकि मैं खुद ही उनको कांग्रेस में लाया था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया तो बच्चे हैं। दिग्विजय सिंह मुझे कब टारगेट नहीं करते? ये कोई नई बात है क्या? दिग्विजय सिंह की जिंदगी चली गई है, मुझे और मेरे पूज्य पिताजी को टारगेट करते-करते। मैंने कभी राजा साहब को टारगेट नहीं किया। आज भी मिलता हूं तो मैं प्रणाम ही करता हूं। जिसकी विचारधारा जो हो, वह उसी आधार पर अपनी लाइन खींचे। मेरी विचारधारा जनता की सेवा करने की है। वो मेरा टारगेट है।

सौरभ शर्मा मामले में दिग्विजय ने लिया था सिंधिया का नाम

दरअसल, दिग्विजय सिंह ने परिवहन विभाग के पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा के ठिकानों से मिली बेहिसाब संपत्ति के मामले में सवाल उठाए थे। उन्होंने इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि 'जब प्रदेश में कमलनाथ सरकार थी तब ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ से गोविंद सिंह राजपूत को परिवहन और राजस्व विभाग देने का दबाव आया था। वे ऐसा क्यों चाहते थे, ये सिंधिया जी ही बता सकते हैं।' दिग्विजय सिंह के इसी बयान को लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि दिग्विजय सिंह मेरे पिता को भी टारगेट करते थे और मुझे भी टारगेट कर रहे हैं।

गोविंद सिंह राजपूत के लिए सिंधिया की ओर से था दबाव

4 दिसंबर को भोपाल दिग्विजय सिंह ने कहा था कि जब कमलनाथ की सरकार बनी थी, तब उन पर ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ से दबाव था कि परिवहन और राजस्व विभाग गोविंद सिंह राजपूत को दिया जाए। इसके बाद हमारी सरकार ने एक बोर्ड का गठन किया था, जो यह फैसला करता था कि कहां किसकी पोस्टिंग होगी। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि मुझे जानकारी है कि जब शिवराज सिंह चौहान फिर से मुख्यमंत्री बने तो सिंधिया जी ने दबाव डालकर बोर्ड भंग करवा दिया।

'इंडिया' पर दिए बयान को लेकर बुरे फंसे संजय राउत

सहयोगी पार्टियों ने घेरा, भाजपा ने भी ली चुटकी

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। दरअसल, उन्होंने कहा था कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। लोकसभा चुनाव के बाद एक बैठक नहीं हुई। अपने इस बयान के बाद वे बुरे फंस गए। उनकी सहयोगी पार्टियों के नेता उन्हें घेरने लगे। इस बीच उनके इस बयान को लेकर भाजपा ने प्रतिक्रिया दी। महाराष्ट्र में भाजपा नेता ने बताया कि विपक्षी गटबंधन इंडिया विघटित हो रहा है. क्योंकि उनके पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है।

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया टूट रहा है और महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस के खिलाफ है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है। गठबंधन के सभी नेता छिटक गए हैं। महाराष्ट्र में आप देख सकते हैं कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और शरद पवार कांग्रेस के खिलाफ हैं, क्योंकि उनके पास कोई विचारधारा नहीं है। भाजपा नेता ने बताया कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति गठबंधन के पास विचारधारा है और ये हमेशा एकजूट रहेंगे। बावनकुले ने कहा कि संरक्षक मंत्रियों को नियुक्त करने के बारे में अंतिम निर्णय 15-16 जनवरी तक लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने दो से तीन बैठकें बुलाईं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़कि बहिन योजना जारी रहेगा और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन फर्ती लाभार्थियों का भत्ता बंद कर दिया जाएगा। संजय राउत के इंडी गठबंधन वाले बयान पर सीपीआई ने भी प्रतिक्रिया दी। सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा, इससे मालूम चलता है कि इंडी गठबंधन को इस बात पर गंभीर आत्मनिरीक्षण करना होगा कि एकता को कैसे मजबूत किया जाए। देश और संविधान को बचाने के लिए कैसे आगे बढ़ा जाए। दरअसल, कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद पहली बैठक पटना में हुई थी, जहां साझा संकल्प देश बचाओ, भाजपा हटाओ का एलान किया गया था। अगर इंडी गठबंधन उस प्रतिबद्धतता को जारी रखता है तो उस एकता को मजबूत किया जा सकता है।

'मेडिक्लेम की रकम को सड़क हादसे के लिए मिलने वाले मुआवजे से काटा जाएगा'

कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

बंगलूरू, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा कि बीमा पॉलिसी से मिलने वाली मेडिक्लेम की रकम को मोटर वाहन अधिनियम के तहत इलाज के खर्च और अस्पताल में भर्ती होने के लिए दिए गए मुआवजे में से काटा जाएगा। हाईकोर्ट ने सड़क हादसे में घायल दंपती के मुआवजे को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायाधीश हंचते संजीव कुमार ने बीमा कंपनी को सड़क हादसे में घायल होने वाले एस हनुमनथप्पा के परिवार को 4,93,839 रुपये और छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से मुआवजा देने का निर्देश दिया। वहीं अदालत ने बीमा कंपनी को मेडिक्लेम पॉलिसी के जरिये पहले चुकाए गए 1.8 लाख रुपये की कटौती करने का आदेश दिया।

10 दिसंबर 2008 को बंगलूरू के मराठाहल्ली के निवासी हनुमनथप्पा की बाइक को एक ऑटो रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी थी। वह अपनी पत्नी के साथ लेपाक्षी से सेवा मंदिर गांव लौटते समय सड़क दुर्घटना का शिकार हुए थे। हादसे में हनुमनथप्पा और उनकी पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हिंदूपुर ग्रामीण पुलिस ने एक मामला दर्ज किया। इसके बाद हनुमनथप्पा ने बंगलूरू मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया।

न्यायाधिकरण ने 22 मार्च 2013 को पीड़ित को मुआवजे के रूप में 6,73,839 रुपये देने का आदेश दिया। इसमें चिकित्सा व्यय के लिए 5,24,639 रुपये शामिल थे। इस आदेश को चुनौती देते हुए बीमा कंपनी ने तर्क दिया कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत 1.8 लाख रुपये की प्रतिपूर्ति को चिकित्सा व्यय श्रेणी के तहत दी गई मुआवजा राशि से काट लिया जाना चाहिए। अदालत ने अपने पिछले फैसले के आधार पर मेडिक्लेम की रकम की कटौती को बरकरार रखा और कहा कि मेडिक्लेम के माध्यम से प्राप्त प्रतिपूर्ति राशि को अंतिम मुआवजे की गणना में शामिल किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि प्रतिपूर्ति राशि निर्विवाद थी। इसलिए इसे चिकित्सा व्यय से काट लिया जाएगा।

75 वर्षों में 50 फीसदी से अधिक घट गई व्हेल शार्क की आबादी

अंतरराष्ट्रीय संघ ने माना है लुप्तप्राय

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दुनियाभर में व्हेल शार्क की आबादी 75 वर्षों में 50 फीसदी से अधिक घट गई है, इसलिए उन्हें प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) रेड-लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में आंका गया है। भारत में इस प्रजाति को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की अनुसूची एक के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है जो इसे उच्चतम संरक्षण का दर्जा प्रदान करता है। यह जानकारी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में शोधकर्ता पीयर्स और नॉर्मन के हवाले से दी गई है।

महासागरों में महत्वपूर्ण भूमिका

व्हेल शार्क फिल्टर फीडर के रूप में महासागरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्लवक और छोटी मछलियों को खाकर ये समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होती हैं और समग्र जैव विविधता में अहम भूमिका निभाती हैं। व्हेल-शार्क दिन में करीब आठ घंटे की अवधि में समुद्र का लगभग 10,000 गैलन पानी पीती हैं। करीब 60 फीट लंबी होने के कारण ऐसा लगता है कि वे जो चाहें खा सकती हैं, लेकिन असल में वे प्लवक-सूक्ष्म पौधों और जानवरों को खाती हैं। व्हेल शार्क के गले का मुंह करीब 20 विशाल पैड से ढका होता है, जिनमें सैकड़ों छोटे-छोटे छेद होते हैं। जैसे ही समुद्री पानी अंदर जाता है, ये पैड भोजन को छान लेते हैं ठीक वैसे ही जैसे एक छलनी में स्पेगेटी को पकड़ा जाता है जबकि खाना पकाने का पानी बाहर निकल जाता है। फिर पानी शार्क के गलफड़ों से बाहर निकल जाता है और भोजन उसके गले में चला जाता है।

किलर व्हेल समूह से भी सबसे बड़ी शार्क को खतरा

शोधकर्ताओं का कहना है कि किलर व्हेल ओर्का और बेलुगा को पृथ्वी के प्रत्येक महासागर में रहने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में शीर्ष शिकारियों के रूप में जाना जाता है। ये आमतौर पर मछली, कछुए, समुद्री स्तनधारियों जैसे सील और यहां तक कि मूस का शिकार करती हैं। अब वैज्ञानिकों को इस बात के सबूत मिले हैं कि कैलिफोर्निया की खाड़ी में किलर व्हेल समूह ने विशाल व्हेल शार्क का शिकार करने का अकल्पनीय, लेकिन आश्चर्यजनक नया कौशल विकसित कर लिया है। व्हेल शार्क पृथ्वी पर सबसे बड़ी शार्क और सबसे बड़ी मछली हैं। इनकी लंबाई 60 फीट यानी 18 मीटर तक और वजन 12 से 14 टन होता है । समुद्री जीवविज्ञानियों ने पिछले छह वर्षों में चार अलग-अलग घटनाओं को देखा है जिसमें किलर व्हेल समूह ने इन विशाल मछलियों को मारने का एक तरीका तैयार किया है, और इस प्रक्रिया में खुद के लिए पौष्टिक भोजन अर्जित किया है। किलर व्हेल खुद 26 फीट यानी 8 मीटर तक लंबी हो सकती हैं और इनका वजन 6 टन से ज्यादा हो सकता है।

इसके बेशकीमती अंग शिकार की बड़ी वजह

व्हेल शार्क का ऐतिहासिक रूप से उनके बड़े आकार, तेल, पंख और शरीर के अन्य अंगों जैसे उत्पादों के बेशकीमती होने के कारण इनका शिकार किया जाता है। इसकी चमड़ी से बेशकीमती पर्स और बैग बनाए जाते हैं। एशियाई देशों में शार्क फिन सूप एक स्वादिष्ट व्यंजन है। देखा जाए तो इनका शिकार खास तौर पर व्यावसायिक फायदों के लिए किया जाता है। वयस्क व्हेल शार्क का कोई ज्ञात प्राकृतिक शिकारी नहीं है, यद्यपि ब्लू मार्लिन और ब्लू शार्क युवा व्हेल शार्क का शिकार करते हैं। इन लुप्तप्राय मछलियों के लिए सबसे बड़ा खतरा मनुष्य हैं, जिनका वे अवैध रूप से शिकार करते हैं और उन्हें मनमाने दामों पर भोजन के रूप में बेचा जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 जनवरी - 2025

झुग्गी के वोटों पर जंग

दिल्ली की राजनीति में पहली बार दिखाई दे रहा है कि झुग्गी-झोपड़ियों के मतदाता कितने ताकतवर हैं। सभी राजनीतिक दलों को मालूम है कि यही मतदाता जिसकी ओर मुड जाएं तो उनके भाग्य बदल कर रख देंगे। यही वजह है कि भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच झुग्गी-झोपड़ियों के मतदाताओं को अपने साथ लाने के लिए जबरदस्त जंग छिडी है। बता दें कि दिल्ली में 675 झुग्गियां और 1700 झुग्गी-झोपड़ियां हैं, जिन्हें जेजे क्लस्टर या अनाधिकृत कालोनियां भी कहा जाता है। इनमें लगभग तीन लाख परिवार रहते हैं और यह दिल्ली के कुल मतदाताओं का 10फीसद है। इससे ही इनकी ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। झुग्गी-झोपड़ियों के मतदाताओं को अमूमन आम आदमी पार्टी का समर्थक माना जाता है। इस बार बीजेपी इस वोट बैंक में सेंध लगाने में जुटी है। कांग्रेस भी इन मतदाताओं के बीच अपना समर्थन तलाश रही है, क्योंकि पिछले 10 सालों में झुग्गी-झोपड़ियों के मतदाता कांग्रेस से छिटककर आम आदमी पार्टी के साथ चले गए हैं। आम आदमी पार्टी ने झुग्गी बहुल इलाके में साल 2023 में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले झुग्गियां तोड़े जाने को लेकर बीजेपी पर हमला बोल रही है तो बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटों पर जीत दर्ज करने का तर्क दे रही है। यही नहीं वह "झुग्गी विस्तारक योजना" लॉन्च करने की जानकारी भी मतदाताओं को दे रही है। कांग्रेस भी झुग्गियों में रहने वाले मतदाताओं के बीच जाकर डोर टू डोर सर्वे कर रही है। राहुल गांधी सीलमपुर में चुनाव अभियान की शुरुआत उसी जगह से किए हैं, जहां झुग्गियां और अनाधिकृत कालोनियां हैं। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले कुल 67 हजार परिवार हैं जबकि पश्चिमी दिल्ली में इनकी संख्या 22 हजार है। दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले अधिकतर लोग उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के हैं और अलग-अलग जाति समुदायों के हैं। इस महीने की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जहां झुग्गी-वहां मकान' के जरिए बीजेपी के प्रचार अभियान की शुरुआत की थी जबकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी हाल ही में एक अनधिकृत कॉलोनी में जनसभा को संबोधित किया। बीजेपी की ओर से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले मतदाताओं तक संपर्क बढ़ाने के लिए नेताओं, कार्यकर्ताओं और विस्तारकों को तैनात किया गया है। ये सभी लोग बूथ लेवल पर जाकर झुग्गी में संभावनाएं तलाश रहे हैं। भाजपा का मानना है कि 4 से 5 लाख वोट अपने पक्ष में आ जाए तो यह गेम चेंजर साबित हो सकता है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का पता नहीं है। अब उन्हें इस बारे में बताया जा रहा है। बीजेपी ने भी स्वीकार किया है कि पार्टी झुग्गियों में रहने वाले मतदाताओं से अब तक जुड़ने में कामयाब नहीं हो पाई है। पार्टी नेता इस बात को स्वीकार करते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले मतदाताओं का एक बड़ा तबका अभी भी आम आदमी पार्टी का समर्थन करता है, लेकिन अगर झुग्गी-झोपड़ी का 10 फीसद वोट शिफ्ट होता है तो बीजेपी को बाजी मारने से कोई रोक नहीं सकता।

किसान आन्दोलन और बाजारवाद

डॉ. चक्रपाल सिंह

फ़सलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) को कानूनी अमली जामा देने तथा अन्य मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनैतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 26 नवंबर 2024 से आमरण अनशन पर हैं। उल्लेखनीय है कि किसान अपनी मांगों को लेकर एक लम्बे समय से संघर्षरत हैं। किसान सरकारों की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से कृषि और किसानी को पिछले दरवाजे से उदारवाद की आड़ में बाजार के हवाले करने की बदनीयत तथा कृषि के निगमीकरण (कोर्पोरेटाइजेशन) करने का विरोध करते आ रहे हैं। जिसके लिए न जाने कितने किसान अपनी जान गँवा चुके है। लेकिन, सरकारें हैं कि सुनने का नाम ही नहीं लेतीं हैं। वैश्वीकृत उदारवाद (उधारवाद!) के वर्तमान दौर में भारतीय उदारवेत्ता खाद्यानों की एमएसपी को लेकर चिंतित हैं। इनका मानना है कि एमएसपी के रूप में मूल्य हस्तक्षेप ने विकृत फसल पद्धति (पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेहूं, धान व गन्ना का अधिक उत्पादन) को बढ़ावा दिया है। जिसकी वजह से बढ़ती खाद्य सब्सिडी से तमाम अवहनीय राजकोषीय एवं मौद्रिक समस्याएं जन्म ले रही हैं। इस तरह ऐसे और इस तरह के निहितार्थ से भरे मिथ्या तर्क उदारवादियों एवं इनके पक्षधरों द्वारा दिए जाते हैं। इन्हें एकमात्र समाधान चालू एमएसपी नीति को बाजार के हवाले तथा कृषि सब्सिडी को समाप्त करने में नजर आता है। यहाँ विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या हकीकत में स्थिति वैसी ही है जैसी कि उदार सिद्धांत वेत्ता प्रचारित प्रसारित कर रहे हैं। क्या सच में खाद्यान्नों के लिए एमएसपी नीति के तहत घोषित मूल्य सही अर्थों में सिर्फ और सिर्फ किसानों को ही लाभ पहुंचा रहे हैं।? या फिर ये उधारवाद ! के तपते रेगिस्तान में भटकते उदारवेत्ताओं की मृग मरीचिका है? आखिर! किसान बाजारवाद से भयभीत और इसका विरोधी क्यों है ? किसी तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचने से पूर्व सरकार की एमएसपी नीति पर एक नजर डालना उचित होगा। फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति के तहत खाद्यानों के लिए एमएसपी की घोषणा कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर की जाती है, जिसमें उत्पादन लागत के साथ साथ तमाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कारकों को शामिल किया जाता है। निश्चित तौर पर ये कारक किसान के पक्ष में नहीं ही होते हैं। क्या ऐतिहासिक विडंबना है कि कृषि उत्पादों के मूल्य एक गैर-कृषक वर्ग तय करता है, जिनमें अधिकांश ने हकीक़त में खेती करना तो दूर, खेत का मुंह भी नहीं देखा हुआ होता है। जबकि औद्योगिक उत्पाद की मूल्य निर्धारण प्रक्रिया एमएसपी के ठीक विपरीत है। औद्योगिक उत्पाद का मूल्य उत्पादक ही तय करता है। अपनी मन मर्जी, सुविधा एवं शुद्ध लाभ को ध्यान में रखकर ही करता है। बस ! औद्योगिक उत्पादन एवं खाद्यानों के मूल्य निर्धारण में यही अंतर है। इस अमूर्त अंतर में अंतर्निहित नीति ही भारतीय कृषि एवं किसानों की सामाजिक दुर्दशा एवं आर्थिक बदहाली का कारण है। जिस पर सरकारें विचार करने तथा गैर कृषक वर्ग इस कड़वी हकीक़त को स्वीकारने को तैयार ही नहीं हैं। आएं, एमएसपी के आधार पर धान एवं गेंहू की एक फसल से प्राप्त आय को परखते है। वर्ष 2021-22 में धान एवं गेंहू की खेती से क्रमशः 54,281/- तथा 71,271/- तथा वर्ष 2022-23 में 57,895/- तथा ₹ 74,821/- की कुल आय (संदर्भित वर्षों में क्रमशः धान एवं गेंहू की औसत उपज कुंतल प्रति हेक्टेयर गुणा घोषित एमएसपी) होती है। गौरतलब तथ्य यह है कि किसान द्वारा उत्पादन प्रक्रिया से लेकर उसका मूल्य हाथ में आने तक-सर्दी, गर्मी, बरसात के मध्य भारी प्राकृतिक व आर्थिक अनिश्चितताओं एवं असीमित जोखिमों के साये में लगभग छह महीनों तक अपने पूरे परिवार की हाड़ तोड़ मेहनत के बाद एक हैक्टेयर धान व गेंहू की फसल से उसे पिछले वर्ष की तुलना में मात्र क्रमशः 3614/- एवं 3550/- की ही अधिक आय हुई। इसके विपरीत इस सच को कार्न फ्लेक्स बनाने वाली एक कंपनी के उदाहरण से समझते हैं। बाजार में इस कंपनी के 900 ग्राम के "कार्न फ्लेक्स ओर्जीनल" पैकेट की कीमत 13 जुलाई 2024 को 380/- होती है। जबकि अगले महीने 26 अगस्त 2024 को इसी उत्पाद की कीमत बढ़ाकर 510/- कर दी जाती है। एक महीने के अन्दर 34.21 प्रतिशत (130 प्रति 900 ग्राम पैकेट) की इस वृद्धि पर इन्डियन ! समाज के स्वयंभू जागरूक एवं पढ़े लिखे संगठित गैर-कृषिक वर्ग से कहीं कोई मुद्रास्फीति के रोने की आवाज सुनाई नहीं देती है। यह बाजारवाद का एक नमूना भर है। अफसाने और भी हैं। यहाँ प्रश्न यह उठता है कि आखिर एक महीने के अन्दर कितनी लागत बढ़ गयी कि 900 ग्राम के एक पैकेट पर 130 रूपए बढ़ा दिए जाते हैं और किसी का ध्यान भी नहीं जाता है। लेकिन एक साल बाद धान अथवा गेंहू के एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में मात्र 20-80 रुपए प्रति कुंतल की वृद्धि पर आसमान सिर पर उठा लिया जाता है, अवाम को मुद्रास्फीति का खौफ दिखाया जाता है। क्यों? इसीलिए ही न कि जनता के लिए दो जून की रोटी जुटाना मुश्किल हो जाएगा। बिल्कुल सही है। तो क्या रोटी सिर्फ गरीबी! ही खाती है? अमीरी ! तो फूल पत्ती सूंघ कर पेट भर लेती है। नहीं ऐसा नहीं होता है। बिना अन्न के कोई टन्न नहीं होता है। जबकि एमएसपी निर्धारण करते समय फसल उत्पादन लागत में कृषि आगतों (उर्वरक, सिंचाई, बीज, कीटनाशक इत्यादि इत्यादि) पर किसानों को मिलने वाली छूट भी शामिल होती है। यदि कृषि आगतों पर बिना किसी छूट के, इन आगतों के वास्तविक बाजार मूल्य पर किसान खरीदकर उत्पादन करेगा तब उत्पादन लागत का अंदाजा लगाया जा सकता है। तब स्वाभाविक तौर पर घोषित एमएसपी कहीं अधिक होंगे। तब क्या होगा ? दरअसल, सच यह है कि एमएसपी का लाभ सभी को मिलता है। बदनाम सिर्फ और सिर्फ किसान को किया जाता है। यहाँ बृज क्षेत्र में प्रचलित एक कहावत कि "खाए खसम का, गुण गाए भईया के " पूरी तरह लागू होती है। अतः यह कहना कि एमएसपी किसानों के लिए है, एक अर्ध सत्य है। ज़मीनी हकीक़त यह है कि फसली सीजन में गांव एवं कृषि मंडियों में किसानों को बाजरा एमएसपी से कहीं कम, दूध को पानी से सस्ता, आलू को मिट्टी के मोल, प्याज को लागत से कम बेचते देखा जा सकता है। किसान टमाटर को सड़क पर बिखेरना उचित समझता है। यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। आखिर ऐसा क्या हो जाता है, जब किसान के यही उत्पाद व्यापारियों के गोदामों में आने के बाद एक से तीन महीने के अन्दर इनके दाम दो गुने, कभी कभी चार गुने तक बढ़ जाते है। आखिर इतनी छोटी अवधि में भंडारण एवं प्रबंधकीय लागत कितनी बढ़ जाती है कि जनता टमाटर, प्याज, लहसुन इत्यादि को खाने की बजाय सूंघने! के लिए बाध्य हो जाती है। इसके लिए किसान तो जिम्मेदार नहीं होता है। यही बाजारवाद है और उसकी हकीक़त भी। कल्पना की जा सकती है कि जब खेत, खेती, और किसानी को कॉर्पोरेट और खाद्यानों को बाजार के हवाले करने की स्थिति में जनता का क्या होगा? समस्या कृषि सब्सिडी एवं एमएसपी नहीं सरकारी भंडारों में पले चूहे ! हैं, जो पूरी व्यवस्था को ही कुतरे जा रहे हैं।

पूंजीवाद के कोठे पर खड़े उदारवेत्ताओं को बाजारवाद के रूप सौंदर्य को ढलती शाम के अंधेरे में जमी महफिल में नहीं, सुबह सुबह ग्रामीण भारत की सामाजिक, आर्थिक, कृषिगत तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं अन्य अध्संरचनात्म सुविधाओं के अभाव की रौशनी में देखना चाहिए, तभी बाजारी महफ़िल का असली रूप सौंदर्य दिखाई देगा। यही कारण है कि किसान कृषि के क्रोनी पूंजीवाद एवं बाजार के हवाले करने का विरोध कर रहा है।

भ्रष्टाचार और जेल जाना केजरीवाल के लिए भारी पड सकता है

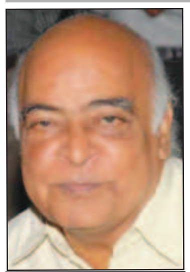

अशोक भाटिया

अभी दिल्ली में बहुत ठंड है। तेज हवाओं के बा व जू द राजनीतिक माहौल गर्म है। भाजपा-आप संघर्ष में, आरोप-प्रत्यारोप का खेल चरम पर पहुंच गया है। आप सत्ता की हैट्रिक हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि भाजपा केजरीवाल को खलनायक घोषित करके 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता खींचने की कोशिश कर रही है। चुनाव कार्यक्रम बज चुका है और आप, भाजपा और कांग्रेस पार्टी के प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। बैठकें, जुलूस, घर-घर जाकर मतदाताओं का दौरा, रैलियां और वादे शुरू हो गए हैं। पिछले 10 वर्षों में, आप सरकार ने दिल्लीवासियों को मुफ्त सेवाओं का आदी बना दिया है, सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया है। विशाल और गुणवत्ता वाले स्कूलों ने छात्रों को आकर्षित करना शुरू कर दिया। आप सरकार ने निजी स्कूलों की कीमत पर बेहतर स्कूल बनाने की कोशिश की। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक स्थापित किए और दिल्ली के हर कोने में हजारों आम लोगों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की। आप ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का भी काम किया। महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा और बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा की घोषणाओं से दिल्ली में आप के वोट बैंक को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश में, तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 'लड़की वाहिनी योजना' सुपरहिट हो गई और महिलाओं ने राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस ला दिया। महाराष्ट्र में भी महागठबंधन ने विधानसभा चुनाव से पहले लड़की बहन योजना की घोषणा की और सभी महिला वर्गों ने महागठबंधन को सत्ता में वापस लाया। देश भर के आठ राज्यों में प्यारी बहन योजना को खत्म कर दिया गया है। भाजपा की योजना दिल्ली में केजरीवाल द्वारा शुरू की गई थी और उन्होंने महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपये देने का वादा किया था। उन्होंने बुजुर्गों के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार, ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए 10 लाख रुपये तक का बीमा और गुरुद्वारों में मंदिर के पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18,000 रुपये प्रति माह की घोषणा की। चुनाव से पहले मतदाताओं पर पैसा बरसाने के लिए आम आदमी पार्टी की आलोचना कौन करेगा? क्योंकि भाजपा भी वही काम कर रही है और भाजपा ने सीटियां बजाकर अन्य राज्यों में सत्ता हासिल की है। आप के नारों को हर घर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है, इसलिए इस चुनाव में यह देखा जाएगा कि लगातार 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद आप के दिग्गजों पर भ्रष्टाचार के आरोपों और चार वरिष्ठ आप नेताओं के जेल जाने के बावजूद रेवड़ियों की बारिश से उसकी धार फीकी पड़ जाएगी। पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली ने विकास कार्यों के प्रदर्शन में वृद्धि देखी है। दीवारों पर नारों का रंग बढ़ गया है। विज्ञापन काम की तुलना में तेज है। दिल्ली में वायु प्रदूषण अपने चरम पर पहुंच गया है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग वायु प्रदूषण से पीड़ित हैं। खराब हवा के कारण ट्रेनें और एयरलाइंस बाधित हैं। दिल्ली हर सुबह देर तक प्रदूषित हवा से घिरी रहती है। यमुना नदी प्रदूषित है। दिल्ली प्रदूषित है। दिल्ली को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिलता है। गुणवत्ता वाली सड़कों की कमी को लेकर लोगों में आक्रोश है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री सत्येंद्र जैन जैसे दिग्गज नेता वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं। शराब की बिक्री में करोड़ों रुपये के घोटाले ने आप सरकार की छवि को धूमिल किया है। CAG ने मुख्यमंत्री आवास पर सौंदर्यीकरण के नाम पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाया है। कितना होगा यह तय करेगा कि सत्ता पर कौन कब्जा करेगा। इस चुनाव में मुख्य मुद्दा यह है कि क्या दिल्ली में आप के बढ़ते ग्राफ को इस बार शांत किया जाएगा, क्या भाजपा की ताकत उसे सत्ता में आने से रोकेगी। केजरीवाल का चेहरा सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के लोकपाल आंदोलन से निकला था।

शुरू में उनकी छवि एक स्वच्छ चरित्र और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले नेता की थी। यह विश्वास करने से था कि केजरीवाल को दिल्ली में लोगों द्वारा सत्ता दी गई थी। आप की सफलता कांग्रेस और भाजपा के लिए एक बड़े आश्चर्य के रूप में आई। उस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए अपना समर्थन बढ़ाया और केजरीवाल ने पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। आप की पहली सरकार केवल 49 दिनों तक चली थी। जैसे ही केजरीवाल ने जन लोकपाल विधेयक लाने का फैसला किया, कांग्रेस ने समर्थन वापस ले लिया और केजरीवाल को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। 2015 में जब दिल्ली विधानसभा चुनाव हुए तो आप के उम्मीदवारों ने 70 में से 67 सीटों पर जीत हासिल की और आप ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। केजरीवाल ने 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की 70 में से 62 सीटें जीतकर दिखाया कि आप का दिल्ली में दबदबा बना हुआ है। पिछले तीन विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी चर्चा का विषय बनी रही थी और दिल्लीवासियों की प्राथमिकता भी हमारी थी। अब राजनीतिक माहौल काफी बदल चुका है। भाजपा ने प्रचार किया है कि जो लोग भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना हजारे के मंच पर गए, वे भ्रष्ट हैं। केजरीवाल और उनके बेटे भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा से घिरे रहने लगे हैं। भ्रष्टाचार, आप के चार नेताओं को जेल जाना व आज तक जमानत पर रहना और उपराज्यपाल के साथ आप सरकार का मौजूदा टकराव इस चुनाव में केजरीवाल के लिए महंगा साबित हो सकता है। दिल्ली चुनाव में भारत गठबंधन के भीतर मतभेद उजागर हो गए हैं। आप ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। दिल्ली में आप ने तीन लोकसभा सीटों पर और कांग्रेस ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन भारत सभी सात सीटें हार गया और मतदाताओं ने सभी सात निर्वाचन क्षेत्रों से लोकसभा के लिए भाजपा सांसदों को फिर से चुना। इसलिए केजरीवाल को एहसास हुआ कि कांग्रेस के साथ गठबंधन उनके लिए नुकसान था। यही कारण है कि आप दिल्ली में अपने दम पर चुनाव लड़ रही है और आप और कांग्रेस के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया है।

मकर संक्रांतिः फसल, त्योहार और आस्था का संगम

श्वेता गोयल

सूर्य उपासना का अति प्राचीन पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ सम्पूर्ण भारत सहित कई अन्य देशों में भी किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के दिन से ही वसंत ऋतु की शुरूआत होती है, खरीफ की फसलें कट चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहा रही होती हैं, खेत में सरसों के फूल मनमोहक लगते हैं। इसीलिए यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर्व 14 अथवा 15 जनवरी को ही मनाए जाने के पीछे सूर्य की भूमिका का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इसी दिन सूर्य देवता इन्द्रधनुषी रंग से मेल खाते अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हुए अपनी उत्तर दिशा की यात्रा आरंभ करते हैं, जो हमारे जीवन को उजाले से भरने तथा अंधकार से छुटकारे का प्रतीक है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तर्पण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्रायः 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है, इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है।

यह हिन्दू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे लोहड़ी, खिचड़ी पर्व, पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे संक्रांति कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्यौहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण, माघी, खिचड़ी, पौष संक्रांति, भोगाली बिहू, शिशुर सेंक्रांत आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति, श्रीलंका में पोंगल या उझवर तिरूनल, बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पि मा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात इस दिन से दिन की अवधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं, जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी, अधिक उष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है, जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है। इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है। मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है, वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। सूर्य हर माह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है अर्थात एक-एक करके वर्षभर में कुल 12 राशियों में प्रवेश करता है। सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है तो उसे 'संक्रांति' कहा जाता है। पृथ्वी की गोलाकार आकृति और अक्ष पर भ्रमण की वजह से दिन और रात होते हैं। जब पृथ्वी का कोई भाग सूर्य के सामने आता है, उस समय वहां दिन होता है जबकि पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने नहीं होता, वहां रात होती है। यह पृथ्वी की दैनिक गति कहलाती है। पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा 12 महीने में पूरी करती है, जिसे पृथ्वी की वार्षिक गति कहा जाता है। इस वार्षिक गति के आधार पर ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग ऋतुएं होती हैं। हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है, जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ, संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है। कहा जाता है कि इसी दिन स्वर्ग का द्वार भी खुलता है और इस विशेष दिन को सुख-समृद्धि का दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान, पूजा इत्यादि करने से पुण्य प्रभाव हजारों गुना बढ़ जाता है।

जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से सजा मकर संक्रांति का उत्सव

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के कई राज्यों में 14 जनवरी को अलग-अलग नामों से सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं-मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बिहू आदि। कई हिंदू त्योहारों के विपरीत, इन त्योहारों की तारीख काफ़ी हद तक तय होती है। मकर संक्रांति, भारत में सबसे अधिक मनाए जाने वाले त्यौहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार आध्यात्मिक भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का मिश्रण है, जिसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। यह फ़सल, समृद्धि और नई शुरुआत का जश्न मनाने का दिन है। मकर संक्रांति भारत में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला फ़सल उत्सव है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह सर्दियों के संक्रांति के अंत और लंबे, गर्म दिनों की शुरुआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के उपलक्ष्य में मनाई जाती है, जो शुभ उत्तरायण काल की शुरुआत का प्रतीक है।

यह फ़सल के लिए आभार और आने वाले वर्ष में समृद्धि की आशा का समय है। यह दिन गेहूँ, चावल और गन्ना जैसी फसलों की कटाई के मौसम का प्रतीक है। यह सूर्य के उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने को दर्शाता है, जो गर्मी और सकारात्मकता लाता है। प्रकृति को धन्यवाद देने और प्रचुरता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। मकर संक्रांति विविधता में एकता का प्रतीक है, प्रत्येक राज्य अपने अनूठे तरीके से इस त्यौहार को मनाता है। यह समुदाय, नवीनीकरण और कल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। पवित्र स्नान, प्रार्थना और पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार करने जैसी रस्में त्यौहार के सार को दर्शाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, माघ बिहू और लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों से मनाया जाता है। प्रकृति, कृषि और मौसमी चक्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। पतंग उड़ाना, लोक नृत्य और दावतें जैसे अनुष्ठान समुदायों को एक साथ लाते हैं। मकर संक्रांति का उत्सव जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से चिह्नित है, जो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग हैं, पतंग उड़ाना गुजरात और राजस्थान में विशेष रूप से लोकप्रिय, स्वतंत्रता और ख़ुशी का प्रतीक है। तीर्थयात्री गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में अनुष्ठानिक स्नान करते हैं। पारंपरिक भोजन तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बांटी जाती हैं। फ़सल की ख़ुशी मनाने के लिए राज्यों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस समय कपड़े, भोजन और धन दान करना शुभ माना जाता है। स्नान, सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित करना, दान, श्राद्ध कर्म और व्रत खोलना जैसी गतिविधियाँ पुण्य काल के दौरान की जाती हैं। यदि मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है, तो ये गतिविधियाँ अगले सूर्योदय तक स्थगित कर दी जाती हैं। श्रद्धालु अक्सर अपने पापों से शुद्ध होने के लिए गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव गुजरात के सबसे जीवंत और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसे हर साल मनाया जाता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह उत्सव दुनिया भर से पतंग के शौकीनों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है।

सड़क की चमक, रिश्तों की धुंध

डॉ. सुरेश मिश्रा

सड़क के किनारे एक गाँव था, जिसका नाम था चालाकपुर। इस गाँव के लोग सड़क के विकास को लेकर हमेशा परेशान रहते थे। गाँव के मुखिया, चतुरदास जी, ने एक दिन घोषणा की कि उनकी सरकार ने एक नई सड़क योजना बनाई है, जिससे लोग बिना इधर-उधर देखे सीधे चल सकेंगे। चतुरदास जी ने कहा, इस सड़क के फायदे अद्भुत होंगे! जब लोग इधर-उधर नहीं देखेंगे, तो छेड़खानी नहीं होगी, और सड़क पर एक्सीडेंट की संभावना भी कम होगी। सबने ताली बजाई, जैसे चतुरदास जी ने कोई अद्भुत ज्ञान दे दिया हो। गाँव के अनजान युवक, लल्लू, जो हमेशा तेज़ गाड़ी चलाने के लिए जाना जाता था, ने चतुरदास जी की बात सुनकर मन ही मन सोचा, वाह! अब तो मैं भी आराम से चलूँगा। लेकिन लल्लू की खुशी जल्दी ही काफूर हो गई। गाँव के बुजुर्ग, दादा बबूलाल, ने उसे देखकर कहा, लल्लू बेटा, अब तुम अपनी तेज़ गाड़ी नहीं चला पाओगे। लल्लू ने दादा जी की ओर देखा और सोचा, इन बुजुर्गों को हमेशा हर चीज़ में रोड़ा डालने की आदत है। जैसे-जैसे नई सड़क का काम शुरू हुआ, गाँव में लोगों की एकाग्रता बढ़ने लगी। सब लोग सीधे चलते थे, जैसे किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हों। लेकिन गाँव की छेड़खानियों का क्या? उनके लिए तो ये सड़क एक चुनौती थी। अब वे केवल लुक छिपाकर ही छेड़खानी कर सकते थे, और ये बात गाँव की भोली-भाली लड़कियों के लिए और भी भयानक साबित हुई। एक दिन, गाँव में सड़क का उद्घाटन किया गया। चतुरदास जी ने बड़े गर्व से कहा, देखो, अब हम सब एक जगह से दूसरी जगह बिना किसी खतरे के जा सकते हैं! लेकिन जैसे ही उद्घाटन हुआ, एक तेज़ रफ्तार गाड़ी आई और सड़क के किनारे एक बुजुर्ग महिला को धक्का दे दिया। बुजुर्ग महिला, दादी राधा, जो पत्तागोभी खरीदने गई थीं, वहीं गिर पड़ीं। दादी राधा की चीख सुनकर गाँव वाले इकट्ठा हुए। चतुरदास जी ने कहा, दुखद है, लेकिन ये तो सड़क के फायदे हैं! अब लोग तेजी से चलते हैं और जल्दी पहुँचते हैं। गाँव वाले बौखलाए हुए बोले, सरकार की दूरदर्शिता तो अद्भुत है, लेकिन हमारी दादी का क्या? जैसे-जैसे समय बीतता गया, गाँव में सड़क के फायदे और भी सामने आने लगे। एक दिन, लल्लू ने तय किया कि वो तेज़ गाड़ी नहीं चलाएगा, लेकिन फिर भी एक गलती कर बैठा। उसने अपनी गाड़ी को तेज़ चलाया और सामने से आते हुए एक छोटे बच्चे को टक्कर मार दी। गाँव में मातम छा गया। लोगों ने चतुरदास जी की ओर देखा और कहा, देखो, ये सड़क हमें कहाँ ले आई है। चतुरदास जी केवल चुप रहे, उनके चेहरे पर एक असहाय मुस्कान थी। गाँव के लोगों ने सोचा कि सड़क के इस विकास ने उनकी जीवन की गति को तेज़ किया है, लेकिन उनके रिश्तों की गति को धीमा कर दिया।

आज सूर्य करेगा मकर राशि में प्रवेश

आपके लिए कैसा रहेगा आने वाला समय

उदयातिथि के अनुसार, मकर संक्रांति इस बार 14 जनवरी 2025 को ही मनाई जाएगी. इस दिन सूर्य सुबह 8 बजकर 41 मिनट मकर राशि में प्रवेश करेंगे. हिंदू पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति पुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 03 मिनट से लेकर शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगा और महापुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 03 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 48 मिनट तक रहेगा.

सूर्य मकर राशि में 14 जनवरी को प्रवेश कर रहा है। इस दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। संक्रांति पर नदी स्नान, सूर्य पूजा, दान-पुण्य करने की परंपरा है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा से जानिए सूर्य का राशि परिर्तन सभी 12 राशियों के लिए कैसा रह सकता है।

मेष : सूर्य का मकर में प्रवेश होने से इस राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा। पदोन्नति और मान-सम्मान मिल सकता है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। वर्ना दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

वृषभ : आपके लिए समय लाभ देने वाला रहेगा। आय के नए स्रोत मिल सकते हैं, अटके कामों में सफलता मिल सकती है, लेकिन लापरवाही से बचना होगा।

मिथुन : आपके लिए सूर्य सामान्य फल देने वाला रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रह सकती हैं, खान-पान में लापरवाही न करें। कार्यस्थल पर सोच-विचारकर आगे बढ़ें।

कर्क : ये समय आपको सावधान रहने का संकेत दे रहा है। प्रेम संबंध में मधुरता रहेगी। साझेदारी के कामों से लाभ होगा। वाद-विवाद से बचेंगे तो बेहतर रहेगा, वर्ना हानि हो सकती है।

सिंह : मकर राशि के सूर्य की वजह से आपके स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव आएगा। नौकरी में नया काम मिल सकता है। आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या : आपके लिए समय रचनात्मक रहेगा। प्रेम संबंध सुखद रहेगा। नौकरी में सकारात्मक बदलाव आएगा। संतान की ओर कोई खुशखबरी मिल सकती है।

तुला : घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्थायी संपत्ति से लाभ मिल सकता है। घर में किसी नए काम की योजना बन सकती है।

वृश्चिक : सूर्य आपके संपर्क मजबूत करेगा। नए समझौते हो सकते हैं, आज के काम भविष्य में लाभ देंगे। भाई-बहन से संबंध सुधारें।

धनु : आर्थिक क्षेत्र में समय पक्ष का रहेगा। आय के नए स्रोत मिल सकते हैं। धन संचय में बढ़ोतरी होगी, लेकिन खर्चों पर आपको ही नियंत्रण रखना होगा।

मकर : आपकी राशि में सूर्य आ जाएगा। सूर्य आपको ऊर्जा देगा। आत्मविश्वास बना रहेगा। नेतृत्व करने का अवसर मिल सकता है। अहंकार से बचना होगा, वर्ना अपमानित होना पड़ सकता है।

कुंभ : ये समय आत्म मंथन करने का है। सोच-विचार कर आगे की योजना बनाएंगे तो बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आध्यात्मिकता की ओर मन लगेगा।

मीन : सूर्य आपको मित्रों से लाभ दिलवाएगा। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। नए कार्यों में शामिल होने का अवसर मिलेगा। नए विकल्प का चयन सोच-विचार कर ही करें।

मकर संक्रांति को क्या करें?

इस दिन प्रातःकाल स्नान कर लोटे में लाल फूल और अक्षत डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें। सूर्य के बीज मंत्र का जाप करें। श्रीमदभागवद के एक अध्याय का पाठ करें या गीता का पाठ करें। नए अन्न, कम्बल, तिल और घी का दान करें। भोजन में नए अन्न की खिचड़ी बनाएं। भोजन भगवान को समर्पित करके प्रसाद रूप से ग्रहण करें। संध्या काल में अन्न का सेवन न करें। इस दिन किसी गरीब व्यक्ति को बर्तन समेत तिल का दान करने से शनि से जुड़ी हर पीड़ा से मुक्ति मिलती है।

मकर संक्रांति पर दान का महत्व

मकर संक्रांति पर दान करना बहुत ही महत्वपूर्ण कहलाता है। इसके पीछे कारण यह है कि मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं जो सूर्य को अपना शत्रु मानते हैं। जबकि सूर्य देव शनि को अपना शत्रु नहीं मानते हैं। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश होने से शनि प्रभावित होते हैं जिसका सीधा-उल्टा असर जनजीवन पर अवश्य ही पड़ता है। जिन लोगों की कुंडली में शनिदेव की स्थिति अच्छी होती है उनको इसका असर कम देखने को मिलता है, लेकिन इसके विपरीत जिन लोगों की कुंडली में शनि कमजोर या दुर्बल स्थिती में होते हैं, उनको इसके दुष्परिणाम दिखाई देते हैं।

गरीब एवं मजदूर वर्ग को शनि का कारक माना जाता है जिस वजह से सूर्य एवं शनि से संबंधित वस्तुएं जैसे गुड़, रेवड़ी, खिचड़ी, बाजरा, मूंगफली, कपड़े, कंबल आदि वस्तुओं का दान करना बेहद शुभ और फलदायी होता है। मकर संक्रांति पर इन वस्तुओं का दान करने से सूर्य एवं शनि के शुभ परिणाम प्राप्त किए जा सके लेकिन इस दिन के दान में खिचड़ी का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि खिचड़ी बाजरा, मूंग ,उड़द एवं चावल की बनाई जाती है।

19 साल बाद बन रहा दुर्लभ संयोग

इस साल की मकर संक्रांति बेहद खास है। मकर संक्रांति तीन साल बाद 14 जनवरी को पड़ने जा रही है। इस बार 19 साल बाद दुर्लभ संयोग भी बन रहा है, जिसमें मांगलिक कार्य शुरू करने से मनचाहा फल मिल सकता है।

स्नान-दान का पर्व मकर संक्रांति तीन साल बाद 14 जनवरी मंगलवार को मनाया जायेगा। इसके लिए घर-घर में तैयारी हो चुकी है। एक तरफ जहां गृहिणियां घरों में मिट्टी के हांडी में दही जमा रखी हैं और गुड़ की लाई से लेकर तिलपट्टी तक खुद से बना रखी हैं। वहीं पटना के बाजारों में भी देर रात तक लोगों ने तिलकुट, लाई, बादाम पट्टी व तिल से बनी कई तरह की मिठाइयों से लेकर दही-चूड़ा और गुड़ की खरीदारी की। पटना के गली-मोहल्लों से लेकर बाजार में कई जगहों पर मौसमी दुकानें खोली गयी हैं, जहां तिलकुट की सोंधी खुशबू लोगों को दूर से ही आकर्षित कर रही है। तिलकुट से लेकर चूड़ा-दही की दुकानों के साथ ही सुधा काउंटरों पर खरीदारों की भीड़ रही।

19 वर्ष बाद दुर्लभ भौम-पुष्य योग में मनेगी मकर संक्रांति

ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन 19 साल बाद भौम-पुष्य योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दिन सुबह 10:41 बजे से भौम-पुष्य योग शुरू हो जायेगा, जो पूरे दिन रहेगा। यह योग मंगलवार के दिन पुष्य नक्षत्र के विद्यमान होने से बनता है। पुष्य नक्षत्र विकास, शुभता, धन-समृद्धि और आध्यात्मिक विकास का प्रतिनिधित्व करता है।

3 साल बाद 14 को होगा संक्रांति का पर्व

सनातन धर्मावलंबियों का खास पर्व मकर संक्रांति तीन साल बाद 14 जनवरी को मनाया जायेगा। इस दिन माघ कृष्ण प्रतिपदा से युक्त पुनर्वसु व पुष्य नक्षत्र के युग्म संयोग बन रहा है। मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य करने का विशेष महत्व होता है। इस दिन स्नान-दान करने से उसका सौ गुना पुण्य फल प्राप्त होता है। इसी दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने से खरमास समाप्त हो जायेगा। इसके बाद मांगलिक कार्य का सिलसिला शुरु हो जायेगा। सूर्य 14 जनवरी को दोपहर बाद 02:55 बजे मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसका पुण्यकाल पूरे दिन रहेगा।

संक्रांति पर स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

संक्रांति का पुण्यकालः सूर्योदय से लेकर पूरे दिन

सूर्य का राशि परिवर्तनः शाम 02:55 बजे

चर-लाभ-अमृत मुहूर्तः सुबह 09:19 बजे से दोपहर 01:19 बजे तक

अभिजित मुहूर्तः दोपहर 11:37 बजे से 12:20 बजे तक

शुभ योग मुहूर्तः दोपहर 02:39 बजे से शाम 03:59 बजे तक

पतंग उड़ाने की अनोखी परंपरा

तमिल के तन्दनान रामायण के अनुसार मकर संक्रांति के पतंग उड़ाने की अनोखी परंपरा त्रेता युग से ही चली आ रही है। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस के बालकांड में भी मिलता है।

मकर संक्रांति पर करें ये उपाय, मिलेगा महापुण्य

मकर संक्रांति का पर्व देशभर में 14 जनवरी के दिन मनाया जाएगा। मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि से निकलकर शनिदेव की राशि मकर में प्रवेश करते हैं। देश के कई हिस्सों में अलग-अलग नामों से जानना जाता है। कुछ जगहों पर मकर संक्रांति को उत्तरायण के नाम से भी जाना जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य पूरे एक साल बाद अपने पुत्र शनि के घर मकर में प्रवेश करते हैं इसलिए इस दिन किए गए दान पुण्य से महापुण्य की प्राप्ति होती है। तो आइए जानते हैं मकर संक्रांति पर कौन सा 6 उपाय करने हैं।

मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य को स्नान के बाद जल में काला तिल मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए। ऐसे करने से यदि कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हैं तो सूर्य मजबूत होते हैं। इसी के साथ गुड़ तिल से बनी सामग्री किसी जरूरतमंद को दान देना चाहिए, इससे शनि ग्रह का दोष भी दूर होता है।

मकर संक्रांति के दिन पानी में काला तिल डालकर स्नान जरुर करें। मकर संक्रांति के दिन परिवार को बुरी नजर से बचाने के लिए परिवार के सदस्यों की काले तिल से नजर सात बार उतारकर उत्तर दिशा की ओर फेंके जाते हैं। मकर संक्रांति के दिन नमक का दान

करने से शनि और राहु के प्रकोप से मुक्ति मिलती है। इस साल शनि और राहु दोनों ही राशि बदल रहे हैं तो इनका दान करना सभी राशियों के लिए लाभदायक रहेगा।

मकर संक्रांति के दिन पिता और घर के बड़ों को वस्त्र और जूते पहनाना चाहिए। यानी इनको नए कपड़े और जूते देना चाहिए इससे सूर्यदेव की कृपा होती है। क्योंकि इस दिन पिता जिन्हें ज्योतिष शास्त्र में सूर्य तुल्य माना जाता है वह पुत्र शनि के घर आते हैं।

मकर संक्रांति के मौके पर खिचड़ी का भोजन बनाकर देवी देवता को भोग लगना चाहिए और जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी खिलाना चाहिए। आप अपने सामर्थ्य और श्रद्धा अनुसार खिचड़ी का भोजन करवा सकते हैं। अगर संभव हो तो पांच या ग्यारह लोगों को खिचड़ी खिलाएं। इसी के साथ मकर संक्रांति के दिन सूर्य पुराण का पाठ करें। देवी देवताओं को नए वस्त्र दें, क्योंकि इस दिन देवलोक में दिन आरंभ होता है

मकर संक्रांति से शुरू होंगे इन चार राशियों के अच्छे दिन?

14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन सूर्य का पहली राशि में परिवर्तन होने वाला है। इस दिन सूर्य देव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। ज्योतिष के अनुसार सूर्य राशि का ये बदलाव बहुत ही खास होता है। सूर्य को सभी जहाज़ों का राजा माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य उदय से जहां खरमास समाप्त हो जाएगा, वहीं इसका प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

सूर्य का ये राशि परिवर्तन इन राशि वाले लोगों के लिए साबित होने वाला है। आइए जानते हैं इसका असर किस राशि पर देखने को मिलेगा।

वृषभ राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वृषभ राशि के जातकों के लिए सूर्य का राशि परिवर्तन शुभ साबित होने वाला है। सूर्य के राशि बदलते ही कुछ राशि के जातकों को भाग्य का पूरा साथ मिलना शुरू हो जाएगा। माना जा रहा है कि सूर्य के गोचर काल में किए गए कार्यों से सकारात्मक लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ने से मन शांत और प्रसन्न रहेगा। इतना ही नहीं, नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से विशेष लाभ होता है। इतना ही नहीं, समाज में मान-सम्मान बढ़ता है और रोजगार में तरक्की के अवसर मिलते हैं।

सिंह राशि

सूर्य का राशि परिवर्तन सिंह राशि के जातकों के लिए लाभकारी साबित होने वाला है। परिवर्तन के बाद आर्थिक जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति की खुशखबरी मिल सकती है। लंबे समय से अटके कार्यों में सफलता मिलेगी। वहीं, कारोबार में फंसा हुआ पैसा वापस मिलेगा।

वृश्चिक राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर संक्रांति के दौरान सूर्य का राशि परिवर्तन हर काम के लिए शुभ साबित होगा। नौकरी में काम की सराहना होगी। दैनिक आय में वृद्धि के अवसर मिलेंगे। वहीं जमीन से जुड़ा काम करने वाले लोगों को भी लाभ होगा।

मकर राशि

सूर्य अपनी राशि बदलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इससे मकर राशि के जातकों को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्हें रोजगार में सफलता मिलेगी और उनका मान-सम्मान बढ़ेगा। इतना ही नहीं, सरकारी नौकरी करने वालों को पदोन्नति मिल सकती है। वहीं, सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे लोगों को सौगात मिल सकती है।

बिना इन खिलौनों के नहीं होता मकर संक्रांति का पर्व

देशभर में मकर संक्रांति मनाई जाती है। देशभर के अलग-अलग जगहों में यह पर्व अनोखे तरीके से मनाया जाता है। बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में भी अनोखे तरीके से मकर संक्रांति का यह त्योहार मनाया जाता है।

दरअसल, बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में मकर संक्राति के पर्व को एक अनूठी परंपरा से मनाया जाता है। यहां मिट्टी के घोड़ों की पूजा करके इस पर्व की शुरुआत होती है और मिट्टी के घोड़ों से बाजार सजे रहते हैं और लोग घोड़ों की खरीदारी भी करते हैं और मकर संक्रांति के मौके पर उनकी पूजा भी करते हैं। साथ ही शक्कर के बने हांथी, घोड़े भी गढ़िया गुल्ला के रूप में भी पूजे जाते हैं

इस परंपरा के बारे में बुजुर्गों का मानना है कि घोड़ों की पूजा इसलिए की जाती है कि मकर संक्रांति के दिन से सूर्य देव के घोड़ों ने विश्राम के बाद दोबारा तेज रफ्तार पकड़ी थी। इसलिए परंपरा है कि घोड़ों की पूजा संकेत देती है कि अब घोड़े फिर से दौड़ने के लिए तैयार हैं।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, इस दिन सूर्य देव जब धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में आते हैं, तो उनके रथ में भी एक परिवर्तन होता है। मकर संक्रांति से सूर्य देव के वेग और प्रभाव में भी वृद्धि होती है। मकर संक्रांति से खरमास भी खत्म हो जाता है और शुभ कार्यों के लिए बृहस्पति ग्रह भी मजबूत स्थिति में आ जाता है।

रोगों से मिल जाएगी मुक्ति

हिंदू धर्म में होने वाले सभी पर्व बेहद ही खास और लाभ प्रदान करने वाले होते हैं। हिंदू धर्म में सभी पर्वों का अपना अलग-अलग महत्व होता है। किसी पर्व पर संतान संबंधी सुख प्राप्त होते हैं तो किसी पर्व पर वैवाहिक संबंधों में चल रही खींचतान, तनाव आदि से मुक्ति मिलती हैं। ऐसे ही माघ की शुरुआत बेहद ही खास दिन और खास पर्व से होती है। माघ मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को मकर संक्रांति का पर्व हिंदू धर्म में विशेष फल प्रदान करने वाला होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिन ग्रहों के स्वामी सूर्य देव की पूजा अर्चना, पूजा पाठ उनके 12 नामों वाले मंत्र का जाप करने से सभी शारीरिक रोग, त्वचा के सभी रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

14 जनवरी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि करके पवित्र मन से उषा काल (सूर्योदय) के समय सूर्य देव को ताम्र पात्र में जल, अक्षत (चावल) और तिल मिलाकर देने से चमत्कारी लाभ होते हैं। सूर्य देव को जल देते समय सूर्य देव के 12 नामों का जाप करने और आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से सभी शारीरिक रोगों, चर्म रोगों से छुटकारा हो जाता है और जीवन में सुख समृद्धि, खुशहाली, धन संपत्ति आदि का आगमन होता है।

पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि मकर संक्रांति के दिन उषा काल में सूर्य देव को ताम्रपात्र से जल देने के बाद दान करने का विशेष महत्व महत्व होता है।

मकर संक्रांति 14 जनवरी के दिन सूर्य देव के निमित्त लाल और पीले रंग के वस्त्र, लाल या पीले रंग की वस्तुएं, लाल या पीले रंग की मिठाई आदि किसी गरीब, जरूरतमंद और असहाय व्यक्ति को दान की जाए तो सूर्य देव की कृपा बनी रहती है। जिससे जीवन में होने वाली सभी परेशानियां, समस्याएं खत्म हो जाती हैं और सूर्य देव किसी गलत भाव में होने के बाद भी सकारात्मक फल प्रदान करते हैं।

वामिका गब्बी के चक्कर में श्रद्धा कपूर क्यों टारगेट पर? सोशल मीडिया पर खुल रही है पोल

सोशल मीडिया पर एक इंफ्लुएंसर ने बेबी जॉन एक्ट्रेस वामिका गब्बी की पीआर टीम पर सवाल खड़े कर दिए थे, उसने एक फनी वीडियो, इस बात को लेकर बनाया, जिस पर वामिका का कमेंट भी आया, वह अपना डिफेंस करती हुई नजर आईं। लेकिन इस वीडियो के कमेंट सेक्शन में यूजर्स ने श्रद्धा कपूर को भी टारगेट करना शुरू कर दिया। ऐसा क्यों हुआ? जानिए।

वामिका के साथ श्रद्धा पर निशाना

जो वीडियो सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने वामिका पर बनाया था, उस पर एक्ट्रेस का कमेंट आया। वह खुद का बचाव करती दिखीं। इसी वीडियो के कमेंट सेक्शन में सोशल मीडिया यूजर्स ने श्रद्धा कपूर को भी टारगेट करना शुरू कर दिया। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा-अब श्रद्धा कपूर को एक्सपोज करो। एक और यूजर ने लिखा- 'श्रद्धा कपूर भी ओवर हैं, उन पर भी वीडियो बनाओ। ऐसे ही कई और यूजर्स ने श्रद्धा कपूर को कमेंट सेक्शन में टारगेट किया, उनके पीआर गेम के बारे में बात की।

फिल्म 'स्त्री 2' के दौरान भी हुई कंट्रोवर्सी

जब फिल्म 'स्त्री 2' रिलीज हुई तब भी इस मूवी को लेकर क्रेडिट वॉर सोशल मीडिया पर चलने लगा था। इस पर फिल्म 'स्त्री 2' के ही एक एक्टर अपारशक्ति खुराना ने कहा था कि मैं इस पर कुछ बोलूंगा तो बात खुलेगी और दूर तक जाएगी, इसलिए कुछ नहीं बोलना चाहूंगा, दर्शक जो कहे वो सही है।' आगे अपारशक्ति कहते हैं, 'किसी को ऊपर और नीचे करने का पीआर गेम चल रहा है।' इस बयान के जरिए वह कहीं ना कहीं श्रद्धा कपूर पर निशाना साध रहे थे क्योंकि 'स्त्री 2' में कई कलाकारों की बराबर भागीदारी के बावजूद सोशल मीडिया पर चर्चा सिर्फ श्रद्धा कपूर की थी।

श्रद्धा रहती हैं काफी वायरल

श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी वायरल रहती हैं, उन पर मीम्स भी खूब बनते हैं। इंस्टाग्राम पर श्रद्धा कपूर की फैन फॉलोइंग बहुत ज्यादा है, उनके इस प्लेटफॉर्म पर 94 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

डायरेक्टर बोलते रह गए कट... फिर भी किस करते रहे वरुण धवन

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और अभिनेत्री नरगिस फाखरी का वीडियो सोशल मीडिया पर इस समय खूब चर्चा में है। शूटिंग सेट का यह वीडियो साल 2014 में आई फिल्म 'मैं तेरा हीरो' से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में थे। वहीं, नरगिस फाखरी और इलियाना डिक्रूज उनकी हीरोइन थीं।

वीडियो बटोर रहा सुर्खियां

वायरल हो रहे इस वीडियो में वरुण एक इंटीमेट सीन शूट करते हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन खास बात यह है कि डायरेक्टर बार-बार ₹कट... कट... कट बोलने के बाद भी वह सीन में पूरी तरह से डूबे हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में डायरेक्टर की आवाज सुनी जा सकती है। वहीं, वीडियो में नरगिस हंसती हुई नजर आ रही हैं।

लोग दे रहे प्रतिक्रियाएं

यह वीडियो सोशल मीडिया पर अब तक लाखों बार देखा जा चुका है। इसने शूटिंग सेट के माहौल और एक्टर्स के बीच की सीमाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ लोग वरुण के व्यवहार को लेकर आलोचना कर रहे हैं। वहीं, कुछ ने उनके और नरगिस के बीच के हंसी-मजाक की सराहना की है।

कुछ समय पहले नरगिस फाखरी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वरुण धवन उनके फेवरेट सह-कलाकार रहे हैं। उस बातचीत के दौरान उन्होंने साझा किया था कि वरुण के साथ उनके काम करने का अनुभव बहुत ही मजेदार रहा था।

वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन हाल ही में फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आए थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। अब वह जल्द ही आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर भी हैं।

पंजाबी सिनेमा में पैर जमाने की कोशिश में शिल्पा शेट्टी के पति

राज कुंद्रा ने आज लोहड़ी पर्व के अवसर पर अपनी फिल्म का एलान किया है। यह पंजाबी फिल्म है और नाम है 'मेहर'। बतौर निर्माता राज कुंद्रा इस फिल्म को पेश कर रहे हैं और वे इस वर्ल्डवाइड रिलीज करने वाले हैं। आज फिल्म के एलान के साथ उन्होंने इसकी पहली झलक भी फैंस को दिखाई है। साथ ही रिलीज डेट से परदा उठाया है।

ऑस्कर ट्रॉफी की झलक

राज कुंद्रा ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए आज आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है। दिलचस्प बात ये है कि वीडियो में ऑस्कर की ट्रॉफी भी दिखाई दे रही है। इसके साथ एक्टर ने लिखा है, 'इस लोहड़ी पर हम बेहद खुशी के साथ 'मेहर' का एलान कर रहे हैं। यह रिश्तों, प्यार और जीवन की एक कहानी, जो हमारे आस-पास मौजूद आशीर्वाद से प्रेरित है। 'मेहर' का मतलब होता है दुआएं, इसलिए हम अपनी इस यात्रा में आपका प्यार और दुआएं चाहते हैं। वाहे गुरु की मेहर हम सभी के साथ रहे, क्योंकि हम इस दिल को छू लेने वाली कहानी को परदे पर लाना चाहते हैं'।

शिक्षक दिवस पर होगी रिलीज

इस फिल्म में गीता बसरा, बनिंदर बनी, सविता भाटी, आशीष दुग्गल, दीप मनदीप और मास्टर अगमवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिव्या भटनागर और रघु खन्ना कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ दी गई जानकारी के मुताबिक फिल्म शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2025 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। फिल्म को लेकर शिल्पा शेट्टी ने पति को बधाई दी है।

यूजर्स ने दी बधाई

सोशल मीडिया पर साझा किए गए टीजर में लिखा दिख रहा है, 'जब सारी दुनिया आपके लिए दरवाजे बंद कर देती है, तब इस मुश्किल समय में उम्मीद की किरण और तेजी से चमकती है'। पोस्टर में एक संदूक रखा है और उसके ऊपर एक ट्रॉफी है। इस फिल्म के लिए यूजर्स राज कुंद्रा को बधाई दे रहे हैं।

रवीना टंडन के बारे में सलमान खान ने कही ऐसी बात जिसे सुनकर राशा थडानी-अमन देवगन भी हुए हैरान

बिग बॉस 18 के घर आजाद की स्काटकास्ट, राशा थडानी और अमन देवगन अपनी फिल्म का प्रमोशन करने आए। इस दौरान रवीना टंडन भी बेटी राशा को सरप्राइज देने के लिए पहुंचीं। सलमान के साथ बातचीत करते हुए, रवीना ने बारे में भाईजान ने एक ऐसी बात बोली, जिसे सुनकर राशा और अमन भी हैरान रह गए। आखिर दबंग ने ऐसा क्या कहा था रवीना से?

बिग बॉस 18 के शो के दौरान जब रवीना टंडन सेट पर पहुंचीं तो सलमान ने उन्हें बताया कि शो की टीम के पास उनके शुरुआती दिनों की कुछ पुरानी तस्वीरें हैं। पहली तस्वीर दिखाए जाने के बाद रवीना बेहद हैरान हो गईं। फोटोशूट की यह तस्वीर सलमान ने रवीना को अपनी पीठ पर उठा रखा था। यह देखकर रवीना हैरान रह गईं और अभिनेत्री ने बताया कि सलमान ने उनसे इस दौरान एक हैरान करने वाली बात कही थी।

रवीना ने बताया कि सलमान ने उनसे पूछा, तुम्हारा वजन कितना है? इस पर राशा और अमन देवगन हंस पड़े। अभिनेत्री ने आगे बताया, मैं उस समय बहुत मोटी थी। रवीना और सलमान की एक साथ डांस करते हुए एक और तस्वीर भी दिखाई गई। इस तस्वीर के बारे में एक किस्सा शेयर करते हुए रवीना ने कहा, यह शो साउथ अफ्रीका में था। अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे सलमान खान फ्लाइट के उड़ान भरते ही सो जाते थे। रवीना ने कहा, उस समय इंस्टाग्राम नहीं था, वरना मैं स्नैपशॉट लेती और उसे इंस्टाग्राम पर डाल देती।

एक और तस्वीर सामने आई जिसमें सलमान खान छोटी राशा थडानी के साथ पोज दे रहे हैं। इस तस्वीर ने सभी को हैरान कर दिया और रवीना ने खुलासा किया कि जब यह फोटो क्लिक की गई थी तब राशा 3 साल की थी।

सोनू सूद ने क्यों चुनीं 'फतेह'?

सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' ने 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी। इस फिल्म का निर्देशन सोनू सूद ने किया है और वह फिल्म के मुख्य अभिनेता भी हैं। अब सोनू ने 'फतेह' के निर्देशन करने के पीछे की वजह बताई है। सोनू सूद ने एक्शन शैली पर अपनी राय व्यक्त की और बताया कि उन्होंने 'फतेह' को ही अपनी पहली निर्देशित फिल्म के तौर पर क्यों चुना।

अभिनेता सोनू सूद ने एएनआई से बाचती में कहा, मैं हमेशा सोचता था कि जब भी कोई बॉलीवुड फिल्म बनती है तो हम अक्सर कहते हैं कि हमारी फिल्मों में विदेशी फिल्मों की तरह एक्शन सीन क्यों नहीं होते हैं? विदेशी लोग हमारे एक्शन सीन के बारे में बात क्यों नहीं करते? यह हमेशा मेरे दिमाग में रहता था, लेकिन एक अभिनेता के रूप में, आपके पास प्रोडक्शन बजट और स्क्रिप्ट सहित आपकी सीमाओं के कारण बहुत कुछ कहने का अधिकार नहीं होता है। जब मैं निर्देशक बना, तो मैंने इसे अपनी फिल्म में शामिल किया।

एक सीन फिल्माने में लगे ढाई महीने

अभिनेता ने फिल्म के एक्शन सीन को लिखने में बहुत समय लगाया। उन्होंने एक एक्शन सीन के बारे में बताया, जिसे फिल्म बनाने के दौरान ढाई महीने लगे उन्होंने कहा, जब आप निर्देशक बन जाते हैं, तो आप एक्शन लिख सकते हैं। मैंने हर एक्शन सीन लिखा, जिसमें यह भी शामिल था कि किरदार को प्लेट, चम्मच, पेन या ड्रिल से मारा जाएगा या नहीं। इसलिए, लेखन में लगाए गए समय ने एक्शन को बेहतर बना दिया। लोग एक्शन की सराहना कर रहे हैं। हमने उस पर बहुत काम किया है। हमने एक एक्शन शॉट पर ढाई महीने भी लगाए हैं। इसलिए, मेरा मानना है कि प्रयासों की हमेशा सराहना होती है।

फतेह के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात की जाए तो इसका हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल है। फतेह ने ओपनिंग डे पर 2.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म को रिलीज हुए तीन दिन हो चुके हैं और अब तक इसने सिर्फ 6.72 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

शाहरुख खान ने फैन को लगाई फटकार किंग की बिना इजाजत खींच रहा था तस्वीर

बॉलीवुड किंग खान के बहुत सारे प्रशंसक हैं। चाहे वह सेट पर हों या सार्वजनिक स्थान पर, उनकी एक झलक पाने के लिए प्रशंसक हमेशा ही बेकरार रहते हैं, लेकिन कई बार कड़ी सुरक्षा के बीच भी अभिनेता के साथ जबरन फोटो खींचने का मामला सामने आ ही जाता है।

यूसुफ इब्राहिम, जो दशकों तक सेलिब्रिटी बॉडीगार्ड रहे हैं और कई मशहूर हस्तियों के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख खान ने एक बार एक प्रशंसक को बिना अनुमति के सेल्फी लेने पर डांटा था।

फिल्म स्टार्स के बॉडीगार्ड के लिए भीड़ को नियंत्रित करना काफी मुश्किल हो जाता है, जब वह प्रशंसकों की भीड़ में शामिल हो जाते हैं। यूसुफ इब्राहिम ने खुलासा किया कि कैसे एक बार शाहरुख खान की बिना इजाजत के उनका एक फैन सेल्फी ले रहा था और किंग ने इस बात पर उसे फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को भी कुछ सीमाएं रखनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख के बॉडीगार्ड यूसुफ इब्राहिम ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, प्रशंसकों को सीमाएं बनाए रखने और सम्मान दिखाने की जरूरत है। फोन लेकर भागने के बजाय, उन्हें विनम्रता से पूछना चाहिए कि क्या फोटो खींची जा सकती है। एक स्टार की जिंदगी आसान है, लेकिन घंटों मेकअप में बैठना और लगातार 12 घंटे तेज रोशनी में रहना आसान नहीं है।

इंटरव्यू में यूसुफ ने कई साल पहले की एक घटना को याद किया, जिसमें शाहरुख खान ने

आईपीएल सीजन के दौरान अजमेर शरीफ दरगाह जाने की इच्छा जताई थी, लेकिन जब उनके आने की खबर फैली तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। उस अफरातफरी का बताते हुए यूसुफ ने कहा, जब हम वहां गए तो पूरे अजमेर शहर को पता था कि शाहरुख दरगाह आ रहे हैं। वहां इतनी भीड़ थी कि हम वहीं खड़े रहे, लोगों ने हमको धक्का मारकर दरगाह ले आए और धक्का मारकर अपनी गाड़ी में लाके बैठा दिया। काम की बात करें तो शाहरुख खान अगली बार किंग में सुहाना खान और अभिषेक बच्चन के साथ नजर आएंगे।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'पंजाब 95' की रिलीज से पहले आया बदलाव

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पंजाब 95 को लेकर लगातार सुर्खियों में लेकर बने हुए हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि अब फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले कुछ महत्पूर्ण बदलाव किए जाएंगे। जानिए क्या हैं यह नए बदलाव।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 में 120 कट्स की मांग की है। जब यह खबर सुर्खियों में आई तो जसवंत सिंह खालरा की पत्नी परमजीत कौर ने सीबीएफसी की 120 कट्स की मांग की निंदा की क्योंकि उनके पति के जीवन पर बनी बायोपिक परिवार की सहमति से बनाई गई थी। वह चाहती थीं कि फिल्म बिना किसी बदलाव के रिलीज हो। ताजा जानकारी के अनुसार, पंजाब 95 अब बिना किसी कट के बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले साल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कई इतिहासकारों को साथ मिलकर पंजाबी 95 का अध्ययन किया। फिर एक महीने बाद, कमेटी के महासचिव गुरुचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा, ₹मैंने फिल्म देखी है, यह किसी को भी निशाना नहीं बनाती है। यह पंजाब की सच्चाई को बेबाकी से दिखाती है। यह दिल दहला देने वाली फिल्म है। जब मैंने इसे देखा, तो मेरी आंखों में आंसू आ गए।

जानकारी के अनुसार, पंजाब 95 जसवंत सिंह खालरा की जीवन गाथा है, जिन्होंने 90 के दशक में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर किया और न्याय के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, खालरा की बेटी नवकिरन ने कहा, ₹यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताया जाना चाहिए और हम इसके लिए आभारी हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार फिल्म रिलीज हो।

इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो दिलजीत की आखिरी बार नीरू बाजवा के साथ जट्ट एंड जूलियट 3 में देखा गया था। यह फिल्म 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके अलावा दिलजीत, इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में भी नजर आए थे।

सर्दियों में बढ़ गई है पेट दर्द, अपच-गैस की दिक्कत?

सर्दियों का ये मौसम आपकी सेहत के लिए कई प्रकार की चुनौतियां बढ़ाने वाला हो सकता है। कम होते तापमान के कारण जोड़ों-हड्डियों में दर्द बढ़ने के साथ हृदय रोग, श्वसन समस्याओं का भी जोखिम अधिक हो जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इस मौसम में अपनी सेहत को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं।

ठंड के दिनों में पाचन समस्याएं भी काफी आम हो जाती हैं। अगर आपको सर्दी में पेट दर्द या कब्ज-अपच की दिक्कत हो रही है तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं हैं। ठंड के मौसम में कई लोगों को पेट में तकलीफ हो सकती है। ऐसा होने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, हालांकि अच्छी बात ये भी है कि कुछ सरल उपायों को अपनाकर आप अपने लक्षणों को कम भी कर सकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, वैसे तो पाचन की समस्याएं काफी आम हैं और घरेलू उपायों से इसमें लाभ भी पाया जा सकता है। हालांकि अगर आपको लंबे समय से ये दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपायों-दवाओं से इसमें आराम नहीं मिल

रहा है तो इसका समय रहते निदान जरूर करा लें। कुछ स्थितियों में ये गंभीर अंतर्निहित बीमारियों का भी संकेत हो सकता है।

सर्दियों में पेट की दिक्कत क्यों बढ़ जाती है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ठंड के महीनों में पेट दर्द और पाचन से संबंधित समस्याओं में वृद्धि हो सकती है। जैसे-जैसे तापमान गिरता है, हमारे शरीर के रक्षा तंत्र हमें ठंड से बचाने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। इसके कारण आमतौर पर रक्त वाहिकाओं में संकुचन और पाचन तंत्र के भीतर आंतरिक दबाव बढ़ने लगता है। यह बढ़ा हुआ दबाव पेट में ऐंठन और दर्द का कारण बन सकता है।

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी

सर्दियों में पाचन खराब होने और पेट से संबंधित दिक्कत बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। सर्दियों के दौरान हम में से अधिकतर लोगों की शारीरिक रूप से सक्रियता जैसे चलने-व्यायाम में कमी आ जाती है। ज्यादातर समय बैठे रहने या रजाई में सोते रहने के कारण आंत की गतिशीलता कम हो जाती है जिससे गैस्ट्रोपेरेसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण मतली-उल्टी, पेट फूलने, पेट दर्द जैसी दिक्कतें होती हैं।

इन दिक्कतों से कैसे आराम पाएं?

डॉक्टर बताते हैं, सर्दियों में पेट की दिक्कतों को कम करने में कुछ आसान से उपाय मददगार हो सकते हैं। इसके लिए एक साथ खाना खाने के बजाय, कई बार में थोड़ा-थोड़ा भोजन करें।

मसालेदार भोजन हार्टबर्न और पेट दर्द का कारण बन सकते हैं, इस तरह के गड़बड़ खान-पान से बचें।

ठंड के दिनों में शरीर को गर्म रखने के लिए उपाय करें। सुनिश्चित करें कि आप गर्म कपड़े पहनें और शरीर को ढक कर रखें।

सर्दियों में भी शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है। दिनभर में 3-4 लीटर पानी जरूर पीने का लक्ष्य रखें।

कैमोमाइल टी, अदरक, सौंफ आदि के सेवन से पेट की दिक्कतों के कम किया जा सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पेट की समस्याओं में अगर सामान्य घरेलू उपायों को अपनाने के बाद भी आराम नहीं मिलता है और आपकी जटिलताएं बढ़ती जाती हैं तो समय रहते किसी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। लिवर-आंत और पेट के अन्य अंगों से संबंधित दिक्कतें कई बार इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और पाचन की गंभीर बीमारियों का भी संकेत हो सकती हैं, जिसका समय पर निदान और उपचार कराना जरूरी हो जाता है।

सर्दियों में कम मिल पाती है सूर्य की रोशनी कहीं हो न जाए विटामिन-डी की कमी?

हमारे शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स-प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इनमें से कुछ पोषक तत्व हमें आहार से मिलते हैं और कुछ प्रकृति और वातावरणीय स्थितियों के संपर्क में आने से प्राप्त होता है। विटामिन-डी ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जो शरीर के लिए कई प्रकार से महत्वपूर्ण है। हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक रखने के लिए हमें इसकी आवश्यकता होती है। शरीर में इस विटामिन की कमी के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

सूर्य की रोशनी, विटामिन-डी के सबसे बेहतर स्रोतों में से एक है। हालांकि सर्दियों में जब धूप कम होती है तो शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता है। तो क्या इस स्थिति में शरीर में विटामिन-डी की कमी हो सकती है? और इसकी पूर्ति किस प्रकार से की जा सकती है, आइए जानते हैं।

शरीर के लिए जरूरी है विटामिन-डी

हमारे शरीर को विटामिन-डी की आवश्यकता होती है उसका अधिकांश हिस्सा त्वचा द्वारा निर्मित होता है। विटामिन डी3 का उत्पादन करने के लिए त्वचा को सूर्य के प्रकाश की यूवी किरणों की आवश्यकता होती है। अध्ययनों में पाया गया है कि 8 से 10 मिनट तक शरीर के 25% हिस्से पर अगर धूप लग जाए तो ये गर्मियों के दौरान विटामिन-डी की जरूरी मात्रा उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सर्दियों के दौरान इसके लिए लगभग दो घंटे तक सूरज के संपर्क में रहना जरूरी माना जाता है।

मछलियां और अंडे

कुछ प्रकार की मछलियां, विशेषतौर पर वसायुक्त मछलियां विटामिन-डी से भरपूर होती हैं। इन मछलियों को खाने से विटामिन डी की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। मछलियों के अलावा अंडे की जर्दी में भी विटामिन-डी पाया जाता है। अंडे की जर्दी, प्रोटीन और विटामिन जैसे अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के साथ विटामिन-डी का भी बेहतर स्रोत है। सर्दियों में इनका सेवन करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

मशरूम से कर सकते हैं पूर्ति

अगर आप शाकाहारी हैं, मछलियां और अंडे नहीं खाते हैं तो मशरूम का सेवन करना भी विटामिन डी प्राप्त करने में आपके लिए सहायक है। आहार में मशरूम को शामिल करके आप सेलेनियम, विटामिन-सी और फोलेट की भी पूर्ति कर सकते हैं। एक कप मशरूम (100 ग्राम) में 7IU विटामिन डी होता है। इसका नियमित सेवन कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है।

फलों से प्राप्त करें विटामिन-डी

अन्य की तुलना में संतरे और केले विटामिन-डी से भरपूर फल हैं। पालक, गोभी, सोयाबीन, सेम और कुछ प्रकार के सूखे मेवे भी इस विटामिन की पूर्ति में मददगार हो सकते हैं। वयस्कों को प्रतिदिन 15 माइक्रोग्राम की मात्रा में इस विटामिन की जरूरत होती है, ऐसे में आप अपने लिए पौष्टिक आहारों का चयन करके विटामिन डी की पूर्ति कर सकते हैं।

घर के अंदर भी पनप सकता है प्रदूषण, इससे बचाव के उपाय

एक ओर बाहर फैला प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा-खासा ख़तरा है, तो वहीं घर के अंदर ख़राब होती हवा की गुणवत्ता भी धीरे-धीरे एक गंभीर मुद्दे में बदलने लग गई है जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत है। दुनियाभर में हर साल लगभग 40 लाख मौतें घर के अंदर के वायु प्रदूषण के कारण होती हैं और विशेष रूप से भारत में, बीमारी के राष्ट्रीय आंकड़े का लगभग 4-6 फ़ीसदी, घर के अंदर के वायु प्रदूषण के कारण माना जाता है। यह एक चौंकाने वाली वास्तविकता है। जब एक तरफ़ बाहरी प्रदूषण के चलते व्यक्ति घर के अंदर रहने की सोच रहा है वहां घर के मामले में भी ऐसे आंकड़े देखने को मिलेंगे तो क्या होगा। इस स्थिति में आप कुछ उपाय कर सकते हैं जो घर के अंदर के प्रदूषण को कम करेंगे।

घर की दूषित होती हवा का असर

घर की हवा में मौजूद प्रदूषण में लंबे समय तक निरंतर रहने वालों के फेफड़ों को नुक़सान पहुंच सकता है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। यह सीओपीडी जैसी फेफड़े की क्रॉनिक ख़राबी के लिए एक घातक कारक है। इससे श्वासमार्ग

में जलन होती है और खांसी, घरघराहट, सीने में दर्द तथा सांस लेने में तकलीफ़ हो सकती है। कई मामलों में अस्थमा जैसे लक्षण भी देखने को मिल सकते हैं।

क्या हो सकते हैं स्रोत

सर्दी के मौसम में अधिकांश लोग खाना बनाने या आग सेंकने के लिए बायोमास ईंधन का इस्तेमाल करते हैं। ये घर के अंदर वायु प्रदूषण का एक आम कारण है।

तंबाकू या ई-सिगरेट से निकलने वाला धुआं या सफ़ाई करने लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायन से निकलने वाला धुआं भी इसे फैला सकता है।

सुगंधित मोमबत्तियां, एयर फ्रेशनर, धूप, अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती जैसे सामान्य घरेलू उत्पाद सांस के ज़रिए शरीर में जाने वाले कण पदार्थ (पीएम) का बड़ी मात्रा में उत्सर्जन करते हैं। यह समय के साथ जमा होकर सांस संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है।

कुछ जैविक प्रदूषक भी हैं जैसे धूल के कण, फफूंद, परागकण, रुका हुआ पानी, गद्दों और कालीन में उत्पन्न होने वाले संक्रामक तत्व आदि।

क्या हो सकते हैं उपाय

जब साफ़-सफाई कर रहे हों तो वैक्यूम मशीन का इस्तेमाल करें। और यदि नहीं है तो मास्क लगाकर दरी या कालीन जैसी चीज़ों को कमरे के बाहर जाकर झाड़ें। चाहें तो बालकनी का दरवाज़ा बंद करके वहां भी झाड़ सकते हैं। इससे धूल कमरे में नहीं रहेगी और धूल के कण आपकी सांस के साथ अंदर नहीं जाएंगे।

टेबल या प्लेटफॉर्म आदि को साफ़ करने के लिए हल्के गीले कपड़े का इस्तेमाल करें। अगर टेबल लकड़ी की है तो कपड़े या रुई को तेल की मदद से हल्का-सा भिगोकर साफ़ करें।

सफ़ाई करते समय हमेशा एन 95 मास्क पहनें या कपड़े से भी मुंह को बांध सकते हैं।

मच्छर मारने के लिक्विड को तभी चालू करें जब आप कमरे में न हों। और बंद करने के लगभग 15 मिनट बाद कमरे में जाएं।

अगरबत्ती या धूप का इस्तेमाल करते समय कमरे की खिड़कियों को खोल दें।

घर में एयर प्यूरीफायर और डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।

टॉयलेट की सफ़ाई में रसायन का इस्तेमाल होता है। इसलिए एग्ज़ॉस्ट फैन को सफ़ाई से पहले ही चालू कर दें। फिर रसायन डालकर 10 मिनट के लिए दरवाज़ा बंद करके बाहर आ जाएं।

क्या दालचीनी से कम होता है ब्लड शुगर लेवल?

ब्लड शुगर का बढ़ा रहना संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, अगर ये लंबे समय तक अनियंत्रित रहे तो इससे तंत्रिका, आंखों लेकर हृदय और पाचन से संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आप भी डायबिटीज के शिकार हैं, तो इसे कंट्रोल में रखने के लिए उपाय किया जाना जरूरी हो जाता है। आहार और लाइफस्टाइल में कुछ प्रकार के बदलाव इस समस्या में लाभकारी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में सुधार करके शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है। कुछ प्रकार की औषधियों और जड़ी-बूटियों के माध्यम से इसे कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है। दालचीनी ऐसी ही एक औषधि है जिसे डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। क्या यह वास्तव में शुगर को कंट्रोल

करती है?

मधुमेह में लाभकारी है दालचीनी

मधुमेह से पीड़ित लोगों में या तो उनका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है या कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं, जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दालचीनी का सेवन इंसुलिन के प्रभाव को कम करके डायबिटीज को कंट्रोल करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। इंसुलिन संवेदनशीलता को सुधारकर रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी इससे लाभ मिल सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

80 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 सप्ताह तक रोजाना 1.5 ग्राम दालचीनी पाउडर लेने से फास्टिंग इंसुलिन के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 2 महीने तक दिन में दो बार 250 मिलीग्राम दालचीनी लेने से हाई शुगर वाले 137 लोगों में इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार हुआ। डायबिटीज की जटिलताओं को कम करने के लिए दालचीनी की चाय, अर्क और इसके पाउडर के सेवन को लाभकारी पाया गया है।

कैलोरी बर्न करने में इसके लाभ

एक प्रयोगशाला अध्ययन के अनुसार, दालचीनी में सिनामाल्डिहाइड नामक एक आवश्यक तेल पाया जाता है जो आपके फैट सेल्स को लक्षित कर सकता है और उन्हें अधिक मात्रा में कैलोरी बर्न करने में मदद करती है। फैट बढ़ने के कारण ब्लड शुगर की समस्या भी बढ़ने लगती है, दालचीनी का संयमित सेवन करने से इसमें लाभ मिल सकता है।

ब्लड प्रेशर भी रहता है कंट्रोल

कई अध्ययनों से पता चलता है कि 3 महीने तक हर दिन दालचीनी खाने से आपका सिस्टोलिक रक्तचाप 5 अंक तक कम हो सकता है। चूंकि अध्ययन में शामिल लोगों को प्रीडायबिटीज और टाइप-2 डायबिटीज की भी दिकक्त थी ऐसे में दालचीनी का सेवन करना शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल करने में लाभकारी है। डायबिटीज रोगियों में ब्लड प्रेशर की दिक्कत होने का जोखिम अधिक रहता है।

शीतलहर से करें बचाव, सेहत पर अत्यधिक ठंड के हो सकते हैं 'जानलेवा दुष्प्रभाव'

उत्तर भारत के ज्यादातर राज्य इन दिनों भीषण ठंड और शीतलहर झेल रहे हैं। दिन का कम तापमान लोगों के लिए ठंड के इस मौसम को काफी कठिन बना सकता है। अत्यधिक ठंडा मौसम न केवल असुविधाजनक होता है बल्कि स्ट्रोक से लेकर दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है। यही वजह है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस मौसम में सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, सिर्फ बच्चे-बुजुर्गों के लिए ही नहीं, युवाओं की सेहत पर भी अत्यधिक ठंड-शीतलहर का दुष्प्रभाव हो सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों में रक्त की आपूर्ति करने वाली हमारी वाहिकाएं ठंड की प्रतिक्रिया में सिकुड़ जाती हैं जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है। लंबे समय तक ठंडे तापमान के संपर्क में रहने से हाइपोथर्मिया हो सकता है, जो मस्तिष्क के कार्य को बाधित करने के साथ तंत्रिका संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

शीतलहर का सीजन अस्थमा, सीओपीडी और फेफड़ों के विकारों से पीड़ित लोगों में श्वसन संबंधी लक्षणों को भी बढ़ा सकती है। आइए ठंड के कारण सेहत को होने वाली समस्याओं और इनसे बचाव के उपायों के बारे में जानते हैं।

जानलेवा हृदय की समस्याएं

बढ़ती ठंड-शीतलहर का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव हृदय स्वास्थ्य पर देखा जाता है, ठंड के दिनों में हार्ट अटैक के मामले भी बढ़ने लगते हैं। असल में ठंड के कारण वाहिकासंकुचन शुरू हो जाता है, जिससे रक्तचाप और हृदय गति बढ़ जाती है। इससे हृदय प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जो दिल का दौरा पड़ने के खतरे को बढ़ा सकती है।

ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

इसके अलावा, ठंड के कारण रक्त भी गाढ़ा हो जाता है, जिससे थक्का बनने की आशंका बढ़ जाती है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक दोनों का कारक हो सकती है।

हार्ट अटैक के अलावा ठंड के मौसम में हाइपोथर्मिया भी बड़ा खतरा रहा है, इसमें शरीर के लिए आंतरिक तापमान को स्थिर बनाए रखने में समस्या हो सकती है। यह न्यूरोलॉजिकल कार्यों को बाधित करने वाली स्थिति है जिसके कारण स्ट्रोक होने की आशंका बढ़ सकती है। सर्दियों में बढ़े हुए ब्लड प्रेशर के कारण भी स्ट्रोक होने का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ ठंड के समय में सभी लोगों को शरीर, विशेषतौर पर सिर को ढककर रखने की सलाह देते हैं।

बढ़ सकती हैं श्वसन संबंधी समस्याएं

शीतलहर-ठंडी हवा आपके वायुमार्ग के लिए समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है, जिससे अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी पहले से मौजूद स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए खतरा पैदा हो जाता है। ठंड के मौसम में श्वसन संबंधी समस्याएं अधिक देखी जाती रही हैं। श्वसन तंत्र पर दबाव से हृदय से संबंधित विकारों का जोखिम भी बढ़ जाता है। अस्थमा रोगियों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

बाल झड़ने का आयुर्वेदिक इलाज बताएं

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

– वैभव कांत, सिकंदराबाद

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से, बहुत अधिक मानसिक चिंता से, रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है। फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'नरिश शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं। इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या नीलीभृंगादि हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है। 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्केजम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– ए माणिक राव, नागरकर्नूल

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है। इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन, भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं। नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले। औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन, त्रिकटु हितकारी है। अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सो ना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती हैं। पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा। क्या है कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं।

– रामोजीराव, करीमनगर

उत्तर : पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह ,ऊपरी तंत्रिकाशोथ (पे री फे र ल न्यूराइटिस),मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इसमें प्रमुख हैं। एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रवों का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्त शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो , ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली के संग यदि ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस दिया जाए तो कुछ ही दिनों में पैर की जलन शांत हो जाती है। जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें। हर रोज टहलें। सक्रिय जीवन शैली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

दिसंबर 2024 में चीन का निर्यात 10.7% बढ़ा

ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी के बीच बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के निर्यात में दिसंबर 2024 में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच चीन के कारखानों ने ऑर्डरों को पूरा करने में तेजी दिखाई। चीन का निर्यात दिसंबर 2024 में सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, लेकिन यह उससे बेहतर रहा। इस अवधि में चीन का आयात भी अनुमान से अधिक रहा और इसमें एक प्रतिशत की वृद्धि हुई।

विश्लेषकों का अनुमान था कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात में करीब 1.5 प्रतिशत की कमी आएगी।

गौरतलब है कि ट्रंप ने चीन की उन वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने का संकल्प किया है, जिनका उपयोग निर्यातक वर्तमान में अमेरिका में अपने उत्पादों को सस्ते दामों पर बेचने के लिए करते हैं।

रुपया शुरुआती कारोबार में सर्वकालिक निचले स्तर पर

रुपये में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और अस्थिर वैश्विक संकेतों के बीच मजबूत अमेरिकी मुद्रा के कारण वह 27 पैसे टूटकर 86.31 प्रति डॉलर पर आ गया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 86.31 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 27 पैसे की भारी गिरावट दर्शाता है।

भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वित्त पोषण के लिहाज से विश्व में तीसरे स्थान पर

भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हासिल वित्त पोषण के लिहाज से वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। हालांकि, 2024 में वित्त पोषण सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.9 अरब डॉलर रह गया। 'मार्केट इंटेलिजेंस' कंपनी ट्रैक्सन की भारत की वित्तीय प्रौद्योगिकी वार्षिक रिपोर्ट 2024 के अनुसार, मांग में व्यापक मंदी और भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं के कारण इस क्षेत्र में वित्त पोषण में गिरावट देखी गई।

'स्टीव जॉब्स ने आईफोन बनाया एपल बीते 20 वर्षों से उसी पर टिकी है', मार्क जुकरबर्ग ने साधा निशाना

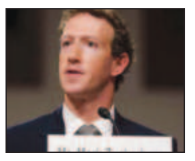

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल पर निशाना साधा है। जुकरबर्ग ने आरोप लगाया है कि एपल ने आईफोन के बाद कोई खास अविष्कार नहीं किया है और कंपनी बीते 20 वर्षों से बस आईफोन का ही फायदा उठा रही है। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि एपल डेवलेपर्स पर मनमाने नियम लागू कर रही है। एक पॉडकास्ट के दौरान मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि 'एक तरफ आईफोन कमाल की चीज है। खासकर जब दुनिया में लगभग सभी के पास फोन हैं तो यह कमाल की चीज है। लेकिन दूसरी तरफ एपल ने कई मनमाने नियम लागू कर दिए हैं और ऐसा लगता है कि उन्होंने लंबे समय से कुछ भी नया अविष्कार नहीं किया है। स्टीव जॉब्स ने आईफोन का अविष्कार किया था और अब बीते 20 वर्षों से कंपनी उसी पर टिकी हुई है।' जुकरबर्ग ने यह भी कहा कि आईफोन के नए मॉडल्स में बड़े अपग्रेड की कमी हैं और इसी वजह से आईफोन को बिक्री के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। 'जुकरबर्ग ने आरोप लगाया कि एपल कंपनी डेवलपर्स पर 30 प्रतिशत कमीशन लगाकर और उपभोक्ताओं को एयरपॉड्स जैसे अतिरिक्त बाहरी उपकरणों को खरीदने के लिए प्रेरित करके लोगों को निचोड़कर लाभ कमा रही है। जुकरबर्ग ने कहा कि 'वे एयरपॉड्स जैसी चीजें बनाते हैं, जो शानदार हैं, लेकिन उन्होंने किसी और के लिए ऐसा कुछ बनाने की क्षमता को पूरी तरह से बाधित कर दिया है जो उसी तरह आईफोन से कनेक्ट हो सके।

बजट 2025: रियल एस्टेट सेक्टर को मिलेगा बूस्टर डोज, बजट में हो सकते हैं बड़े ऐलान

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत रियल एस्टेट सेक्टर में बीते बर्ष से बेहतर कर रहा है। ऐसे में 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट 2025 में ऐसी उम्मीद की जा रही है कि सरकार रियल एस्टेट सेक्टर को लेकर कुछ बड़े ऐलान कर सकती है, जिसमें इनपुट टैक्स से लेकर मार्केट को बढ़ावा देने के लिए कई सारे ऐलान हो सकते हैं। सरकार होम बायर्स के लिए भी टैक्स लाभ बढ़ाने पर भी विचार कर सकती है।अंतरिम बजट 2024 में किफायती दामों में घर दिलाने पर फोकस किया गया था, जिसमें पांच साल की अवधि में 2.2 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया। इसके अलावा, आरईआईटी के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की अवधि को 36 महीने से कम करके 12 महीने कर दिया था, जिससे इस सेक्टर में निवेश करने वालों का रुझान थोड़ा बढा और सेक्टर में सुधार देखने को मिला। बजट 2025 में भी इसी तरीके के बदलाव की उम्मीद लोग कर रहे हैं।रियल एस्टेट सेक्टर में एक्टिव लोगों को इस बार टैक्स स्ट्रक्चर में सुधार की उम्मीद है। इसके अलावा सरकार विदेशी निवेश का बढ़ावा देने के लिए एफडीआई नॉर्म्स पर फैसला ले सकती है। इसके अलावा 2025-26 के बजट से लोगों को यह भरोसा है कि सरकार आयकर अधिनियम के तहत कटौतियों की समीक्षा – धारा 24 के तहत भुगतान किए गए ब्याज और धारा 80सी के तहत मूलधन भुगतान के लिए कटौती सीमा बढ़ा सकती है। इससे किफायती बजट में घर खरीदने का सपना देखने वालों को फायदा होगा।बजट 2025 को लेकर त्रेहान ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सारांश त्रेहान ने कहा, "हमें उम्मीद है कि आगामी बजट रियल एस्टेट सेक्टर को मजबूत करने के लिए प्रगतिशील कदम उठाएगा, जो आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। निर्माणाधीन प्रॉपर्टीज पर जीएसटी घटाने, होम बायर्स के लिए टैक्स लाभ बढ़ाने और किफायती आवास योजनाओं के लिए फंड बढ़ाने जैसे उपाय मांग और निवेश को प्रोत्साहित करेंगे।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और ग्रीन कंस्ट्रक्शन को समर्थन देने पर विशेष ध्यान देने से डेवलपर्स और खरीदारों दोनों को फायदा होगा। इसके अलावा, रेंटल हाउसिंग को बढ़ावा देने और निर्माण सामग्री व इंटीरियर डिजाइन जैसे सहयोगी क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने की पहल से समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

महंगाई के मोर्चे पर राहत भरी खबर!

दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर पर पहुंची खुदरा मुद्रास्फीति

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)।देश में खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई। यह दर नवंबर में 5.48 फीसदी थी। यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। सरकार ने सोमवार को इसको लेकर आंकड़े जारी किए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य महंगाई 8.39 फीसदी रही। जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक, दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने की भी आशंका जताई थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित कुल मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त के दौरान औसतन 3.6 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 5.5 फीसदी और अक्टूबर, 2024 में 6.2 फीसदी रही थी।

सोना 290 रुपए बढ़कर 78308 रुपए पर पहुंचा चांदी 89800 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 13 जनवरी को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 290 रुपए बढ़कर 78,308 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का दाम 78,018 रुपए प्रति दस ग्राम था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 468 रुपए घटकर 89,800 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले ये 90,268 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,220 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,070 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 80,070 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत

73,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,070 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,120 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 80070 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 73400/10 ग्राम।

2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 76,583 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,948 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अंबानी-अडानी से लेकर आईटीसी-कोका कोला तक

45 दिन के महाकुंभ में मार्केटिंग की 'डुबकी' लगाएंगी कंपनियां

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ का आगाज आज से हो गया है। श्रद्धा के कुम्भ में लोगों के साथ-साथ बड़ी बड़ी कंपनियां भी डुबकी लगाने को तैयार हैं। महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा समागम माना जाता है। ऐसे में भारत की दिग्गज कंपनियां इस मौके का भरपूर फायदा उठाना चाहती हैं। 45 दिन के महाकुम्भ में अंबानी से लेकर अडानी, आईटीसी और कोका-कोला समेत कई दिग्गज कंपनियां मार्केटिंग की डुबकी लगाने को तैयार हैं। आइए बताते हैं क्या है इन कंपनियों की पूरी प्लानिंग?

क्या है प्लानिंग?

महाकुंभ में अंबानी से लेकर से अडानी और कोका कोला से लेकर आईटीसी जैसी दिग्गज अपनी मार्केटिंग को बढ़ाना चाहती हैं। जिसके लिए इन्होने अपना पूरा ध्यान इनकी तरफ केंद्रित कर लिया है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों ने कुंभ पर अपने कुल बजट का करीब 70% हिस्सा 6 शाही स्नान के इर्द-गिर्द फोकस किया है। यही नहीं कुम्भ में मार्केटिंग का फायदा उठाने के लिए ये कंपनियां ब्रांड एंगेजमेंट और प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म और इंफ़्ल्युएनसर्स का भी सहारा ले रही हैं। महाकुम्भ के अधिकारियों के मुताबिक, आईटीसी, कोका-कोला, अडानी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर, बिसलेरी, पार्क+, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बैंक ऑफ बड़ौदा और स्पाइसजेट जैसी कंपनियों ने महाकुम्भ में ब्रांडिंग के राइट्स ख़रीदे हैं।

50-60 फीसदी बढ़ गई ब्रांडिंग की कीमतें

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में आईटीसी के हवाले से बताया गया कि कंपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और इनफ्लूएंसर्स के जरिए कुंभ में अपनी विजिबिलिटी बढ़ाएगी। वहीं, ब्रांडिंग की कॉस्ट इस बार 2019 के कुम्भ के मुकाबले 50-60% ज्यादा हैं। कंपनी अपनी ब्रांडिंग नावों, यूनिपोल, होर्डिंग्स, मेहराबों, लग्जरी टेंट, वॉच टावरों, वॉटर एटीएम और बैरिकेड्स पर अलग-अलग लेवल पर कर रही है।

कोका कोला ने कितना किया खर्च

कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया के मार्केटिंग वाइस प्रेसिडेंट ग्रीष्म सिंह के हवाले से ईटी की रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी अपने बेवरेज और लोकल फूड्स एंड फ्लेवर को एक साथ जोड़ेगी। वहीं, कुम्भ में ब्रांडिंग के लिए कंपनियों को मोटा खर्चा करना पड़ रहा है। मार्केटिंग एंड एड कंपनियों के मुताबिक, कुम्भ में एक होर्डिंग की कीमत 1.5 लाख से 3 लाख रुपये है, जबकि बॉक्स्ड गेट पर ब्रांड प्रमोशन कराने की कीमत 25 लाख रुपये तक है।

लगातार चौथे दिन टूटा बाजार, सेंसेक्स 1048 अंक गिरा:निफ्टी 345 अंक लुढ़क कर 23,085 पर बंद, बीएसई स्मॉलकैप 2,180 अंक टूटा

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। आज यानी 13 जनवरी को शेयर बाजार में लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 1048 अंक (1.36%) की गिरावट के साथ 76,330 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 345 अंक (1.47%) की गिरावट रही, ये 23,085 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉलकैप 2,126 अंक (4.03%) की गिरावट के साथ 50,596 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट और केवल 4 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में गिरावट और केवल 4 में तेजी रही। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे ज्यादा निफ्टी रियल्टी 6.47%, निफ्टी मीडिया 4.54% और निफ्टी मेटल 3.77% गिरकर बंद हुए।

बाजार में गिरावट के 3 कारण

पिछले शुक्रवार को जारी यूएस जॉब डेटा से ग्लोबल मार्केट में डर का माहौल है। दिसंबर में अमेरिकी बेरोजगारी दर गिरकर 4.1% हो गई, जबकि जॉब ग्रोथ मजबूत रही। ऐसे में आशंका है कि फेडरल रिजर्व दर में कटौती को रोक सकता है। इससे भारत जैसे उभरते बाजारों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। दिसंबर में उन्होंने 16,982 करोड़ रुपए की बिकवाली की। वहीं जनवरी में एफपीआई अभी तक 21,350 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर बेच चुके हैं। 10 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने 2,254 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। भारतीय रुपए में गिरावट से बाजार पर दबाव है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह अब तक के सबसे निचले स्तर 86.27 रुपए पर पहुंच गया। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और मजबूत रोजगार आंकड़ों से उत्साहित डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।

ग्लोबल मार्केट में गिरावट

एशियाई बाजार में जापान का निक्केई आज बंद है। कोरिया का कोस्पी आज 1.04% की गिरावट के साथ बंद हुआ। चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स भी 0.25% की गिरावट के साथ बंद हुआ। 10 जनवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 1.63% गिरकर 41,938 पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.54% गिरावट के बाद 5,827 जबकि नैस्डैक इंडेक्स 1.63% गिरकर 19,161 के स्तर पर बंद हुए। एनएसई के डेटा के अनुसार, 10 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने 2,254.68 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 3,961.92 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग का शेयर 22.8% ऊपर लिस्ट हुआ

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का शेयर आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर अपने इश्यू प्राइस से 2.8% ऊपर 172 रुपए पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर इश्यू प्राइस से 25.71% ऊपर 176 रुपए पर लिस्ट हुआ। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग का इश्यू प्राइस 140 रुपए था। पूरी खबर पढ़ें...

आज से लक्ष्मी डेंटल का आईपीओ ओपन, 15 तक निवेश का मौका

लक्ष्मी डेंटल लिमिटेड का आईपीओ निवेशकों के लिए आज से ओपन है। निवेशक इस इश्यू के लिए बुधवार, 15 जनवरी तक बिडिंग कर सकेंगे। 20 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 698.06 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी के मौजूदा निवेशक 560.06 करोड़ के 1,30,85,467 शेयर बेच रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी 138 करोड़ के 32,24,299 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है।

बीते हफ्ते 1845 अंक गिरा था शेयर बाजार

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (10 जनवरी) को सेंसेक्स 241 अंक गिरकर 77,378 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 95 अंक की गिरावट रही, ये 23,431 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉलकैप 1298 अंक की गिरावट के साथ 52,722 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट और 8 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 36 में गिरावट और 14 में तेजी रही। जबकि एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में आईटी सेक्टर में 3.44%की रही। इसके अलावा सभी सेक्टर गिरावट के साथ बंद हुए। मीडिया सेक्टर सबसे ज्यादा 3.59 % गिरा।

मुंबई में बेस्ट कर्मचारियों ने की अचानक हड़ताल आर्थिक राजधानी में बस सेवाएं प्रभावित

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार के बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट उपक्रम के संविदा कर्मचारियों ने सोमवार को अचानक से हड़ताल कर दी, जिससे शहर में कई रूट पर बस सेवाएं प्रभावित हुईं। ये हड़ताल वेट लीज मॉडल के तहत नियुक्त एक निजी ऑपरेटर्स के संविदा कर्मचारियों ने की। इस हड़ताल का कारण पता नहीं चल सका है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निजी ऑपरेटर के अधिकारियों द्वारा एक गर्भवती महिला कंडक्टर के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार होने से नाराज होकर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी।

100 से ज्यादा बसें न चलने का दावा

बेस्ट के एक अधिकारी ने बताया कि हड़ताल मुंबई के प्रतीक्षा नगर डिपो तक सीमित है और इस हड़ताल का व्यापक असर नहीं पड़ा है। वहीं यूनियन के एक नेता ने दावा किया है कि जिस निजी ऑपरेटर के कर्मचारियों ने ये हड़ताल की है, उसकी 100 से ज्यादा बसें मुंबई में चलती हैं, इसलिए हड़ताल का असर व्यापक रहा। मुंबई में बेस्ट करीब 3000 बसों का संचालन करता है और रोजाना 30 लाख यात्रियों को सफर कराता है। बीते एक सप्ताह से यह अहम विभाग बिना महाप्रबंधक के ही काम कर रहा है।

निजी ऑपरेटर के डिपो पर ही रहा हड़ताल का असर

बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के अतिरिक्त आयुक्त वर्तमान में बेस्ट महाप्रबंधक पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। बेस्ट के जनसंपर्क अधिकारी सुदास सावंत ने बताया कि वेट लीज ऑपरेटर मातेश्वरी के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिसके कारण कुछ मार्गों पर बसें संचालित नहीं हो पाईं। उन्होंने यह भी कहा कि हड़ताल प्रतीक्षा नगर डिपो तक सीमित है और अन्य बेस्ट डिपो पर बस संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। वहीं बेस्ट कर्मचारी संघ के नेता सुहास सामंत ने कहा कि मातेश्वरी प्रतीक्षा नगर डिपो से 110 बसें संचालित करता है और सुबह हड़ताल शुरू होने के बाद से उनमें से किसी भी बस का संचालन नहीं हुआ। इस मामले में निजी ऑपरेटर मातेश्वरी से संपर्क नहीं हो पाया। वेट लीज मॉडल के तहत, निजी ऑपरेटर बसों के रखरखाव और ड्राइवरों के वेतन का भुगतान करते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	कर्क	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	धनु	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कुंभ	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

धनु----	04-48 बजे
मकर....	06-53 बजे
कुंभ -	08-44 बजे
मीन-	10-21 बजे
मेष----	11-57 बजे
वृष----	13-42 बजे
मिथुन	15-44 बजे
कर्क...	17-56 बजे
सिंह----	20-07 बजे
कन्या----	22-14 बजे
तुला----	00-20 बजे
वृश्चिक...	02-29 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-53 सूर्यास्त. -17-57
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा . 03-21 तक उपरान्त द्वितीया
मास • माघ कृष्ण , मंगलवार 14 January
नक्षत्र • पुनर्वसु 10-16 तक उपरान्त पुष्य
योग • विष्कुंभ 02-57 तक उप प्रीति
करण- बालव 15-34 तक उप कौलव
विशेष:- मकर संक्रांति पुण्य काल
व्रत -त्योहार • मकर मे सूर्य 08-55 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:13 से 16:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया

रोग	06:53 - 08:14	अशुभ
उत्पात	08:14 - 09:38	अशुभ
चंचल	09:38 - 11:02	शुभ
लाभ	11:02 - 12:25	शुभ
अमृत	12:25 - 13:49	शुभ
काल	13:49 - 15:13	अशुभ
शुभ.	15:13 - 16:36	शुभ
रोग	16:36 - 17:57	अशुभ

रात का चौघड़िया

काल	17:57 - 19:36	अशुभ
लाभ.	19:36 - 21:13	शुभ
उद्वेग	21:13 - 22:49	अशुभ
शुभ..	22:49 - 00:25	शुभ
अमृत	00:25 - 02:02	शुभ
चंचल	02:02 - 03:38	शुभ
रोग	03:38 - 05:14	अशुभ
काल	05:14 - 06:53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा। अन्यथा यह बुलबुले की तरह से फूट जायेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अछा कमावे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पहली संतान गंगा को भेंट करते थे लोग

दाढ़ी-बाल कटवाने पर टैक्स लेते थे अंग्रेज, चांदी के कलश में लंदन भेजा जाता था गंगाजल

प्रयागराज, 13 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1924 की बात है। प्रयाग में अर्धकुंभ लगा था। जवाहर लाल नेहरू इलाहाबाद नगर निगम के अध्यक्ष थे। कुंभ को लेकर नेहरू अपनी आत्मकथा 'मेरी कहानी' में लिखते हैं- 'मैंने खबरों में पढ़ा कि मदन मोहन मालवीय और ब्रिटिश सरकार के बीच ठन गई है। सरकार ने फिसलन के डर से संगम में स्नान पर रोक लगा दी थी, लेकिन मालवीय जी अड़ गए थे। उनका कहना था कि धार्मिक रूप से स्नान तो संगम पर ही होना चाहिए। खबर पढ़ने के बाद मैं संगम के लिए निकल गया। मेरा स्नान का कोई इरादा नहीं था, क्योंकि ऐसे मौकों पर गंगा नहाकर पुण्य कमाने की चाह मुझे नहीं थी। मेला पहुंचने पर मैंने देखा कि मालवीय जी जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ जल सत्याग्रह कर रहे हैं। 200 लोग उनके साथ थे। जोश में आकर मैं भी सत्याग्रह दल में शामिल हो गया। मैदान के उस पार लकड़ियों का बड़ा सा घेरा बनाया गया था, ताकि लोग संगम नहीं पहुंच सकें। हम आगे बढ़े, तो पुलिस ने रोका, हमारे हाथ से सीढ़ी छीन ली। विरोध में हम रेत पर बैठकर धरना देने लगे। धूप बढ़ती जा रही थी। दोनों तरफ पैदल और घुड़सवार पुलिस खड़ी थी। मेरा धैर्य अब टूटने लगा था।

इसी बीच घुड़सवार पुलिस को कुछ ऑर्डर दिया गया। मुझे लगा कि ये लोग कहीं हमें कुचल न दें, पीटना न शुरू कर दें। मैंने सोचा क्यों न हम घेरे के ऊपर से ही फांद जाएं। मेरे साथ बीसों आदमी चढ़ गए। कुछ लोगों ने उसकी बल्लियां भी निकाल लीं। इससे रास्ता जैसा बन गया। मुझे बहुत गर्मी लग रही थी, सो मैंने गंगा में गोता लगा दिया।

स्नान करके निकला, तो यह देखकर मैं हैरान रह गया कि मालवीय जी अभी भी सत्याग्रह पर बैठे हुए हैं। मैं चुपचाप जाकर उनके पास बैठ गया। मालवीय जी बहुत भन्नाये हुए थे और ऐसा लग रहा था कि वे खुद को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

अचानक बिना किसी से कुछ कहे मालवीय जी उठे और पुलिस के बीच से निकलकर गंगा में कूद पड़े। मालवीय जी जैसे दुर्बल और बूढ़े शरीर वाले व्यक्ति को इस तरह गोता लगाते देखकर मैं हैरान रह गया। इसके बाद तो पूरी भीड़ गंगा में डुबकी लगाने के लिए टूट पड़ी। हमें लग रहा था कि सरकार कुछ कार्रवाई करेगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ।'

1801 में इलाहाबाद पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया। कुंभ और माघ मेले पर जुटने वाली लाखों की भीड़ देख अंग्रेजों को कमाई का आइडिया मिला। उस साल कुंभ में आने वाले हर तीर्थयात्री से एक रुपए टैक्स लिया गया। वसूली करने के लिए अफसर तैनात किए गए। इसके बाद हर कुंभ में ब्रिटिश सरकार कुंभ से कमाई करने लगी। 1906 की बात है। जिला मजिस्ट्रेट एचवी लॉवेट ने कुंभ मेले पर एक रिपोर्ट बनाई। इसके मुताबिक 1894 के कुंभ में मुंडन करने वाले नाइयों ने सरकार को 11 हजार 825 रुपए और 8 आने, दाढ़ी बनाने वालों ने 1332 रुपए और 8 आने बतौर टैक्स चुकाए। जबकि फूल बेचने वाले मालियों से 1600 रुपए का टैक्स वसूला गया।

कुंभ के दौरान दूध पर 1064 रुपए, गाय दान करने पर 176 रुपए और बछड़ों के दान पर 976 रुपए का टैक्स वसूला गया। जबकि नाववालों ने 3311 रुपए, फेरीवालों ने 1440 रुपए और गाड़ी चलाने वालों ने 1874 रुपए टैक्स चुकाए।

इसी तरह 1906 के कुंभ में बाल काटने पर 10 हजार 444 रुपए और 8 आने, दाढ़ी बनाने पर 1348 रुपए और 8 आने और मालियों से 1336 रुपए वसूले गए। इसी साल दूध पर 728 रुपए, गाय दान करने पर 152 रुपए और बछड़ा दान करने पर 1098 रुपए टैक्स लगा। जबकि नाव वालों ने 3435, फेरीवालों ने 1025 रुपए और गाड़ी चलाने वालों ने 1995 रुपए टैक्स चुकाए थे। अंग्रेजों से पहले मुगल भी कुंभ से कमाई करते थे। अकबर ने दो अधिकारी कुंभ की व्यवस्था देखने के लिए तैनात किए थे। पहला मीर ए बहर, जो कि लैंड और वॉटर वेस्ट मैनेजमेंट का काम देखता था और दूसरा मुसद्दी जिसके हवाले घाटों की जिम्मेदारी थी।' कुंभ मेले के टैक्स से अंग्रेज इतनी कमाई करते थे कि उससे इलाहाबाद पब्लिक लाइब्रेरी और हेल्थ डिस्पेंसरी का खर्च निकल जाता था। 1827 से 1833 के बीच एक अंग्रेज कस्टम अधिकारी की पत्नी फेनी पार्क्स इलाहाबाद आईं। उन्होंने अपनी किताब 'वंडरिंग्स ऑफ ए पिलग्रिम इन सर्च ऑफ द पिक्चर्स' में लिखा है- 'जब मैं इलाहाबाद पहुंची, तो वहां मेला लगा हुआ था। नागा साधु और वैष्णव संतों का हुजूम स्नान के लिए जा रहा था। मैं कई विवाहित महिलाओं से मिली, जिनकी संतान नहीं थी। उन लोगों ने प्रतिज्ञा की थी कि पहली संतान होगी तो वे गंगा को भेंट कर देंगी।' प्रयाग के क्षेत्रीय अभिलेखागार के दस्तावेजों के मुताबिक चांदी के कलश में गंगाजल लंदन भेजा जाता था। 1902 में महाराजा सवाई माधव सिंह द्वितीय अपने ओलंपिया जहाज से लंदन जा रहे थे। उन्होंने चांदी के कलशों में 8 हजार लीटर गंगाजल भरवाया। इसके बाद जहाज से वे गंगाजल लेकर लंदन पहुंचे। कुंभ को लेकर किंवदंती है कि जिन महिलाओं को मन्नत के बाद संतान की प्राप्ति होती थी, वे पहली संतान गंगा को भेंट करती थीं। राजकीय अभिलेखागार के 1894 के एक दस्तावेज के मुताबिक कुंभ के लिए प्रशासनिक काम इलाहाबाद के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट की देखरेख में किया गया, लेकिन मेला सुंदर बनाने और सजाने के लिए इंग्लैंड से तीन अफसर बुलाए गए थे। 1894 के दस्तावेज के मुताबिक कुंभ में अधिकारियों को ड्यूटी के लिए परीक्षा पास करनी पड़ती थी। इसके लिए आचार संहिता जारी की जाती थी।

पुलिस को लोगों की जानमाल की सुरक्षा के साथ ही साफ-सफाई और हेल्थ का भी ध्यान रखना होता था। इसकी निगरानी के लिए एक यूरोपियन कैंटोनमेंट इंस्पेक्टर और दो असिस्टेंट इंस्पेक्टर की ड्यूटी लगाई जाती थी। शौचालयों की साफ-सफाई के लिए हर वॉशरूम के पास 6 घड़ों में मरक्यूरिक परक्लोराइड भरकर रखा जाता था। 1918 में कुंभ के दौरान अखाड़ों की मांग थी कि उनके शिविर के भीतर कुआं खोदने की अनुमति दी जाए। तब साधु-संतों को पीने के पानी के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जब संतों को कुआं खोदने की अनुमति नहीं मिली, तो हिंदू महासभा, बड़ा पंचायती और निर्मल अखाड़े ने रातों-रात अपने शिविर में ही कुआं खोद दिया। अंग्रेज अफसरों को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने कुएं को बंद करा दिया। 1 फरवरी 1888, में प्रयाग में चल रहे कुंभ को लेकर लिखा था- 'संगम पर करीब 400 नागा साधुओं का जत्था स्नान करने पहुंचा। रास्ते में दोनों तरफ हजारों की संख्या में पुरुष-महिलाएं इनके दर्शन के लिए खड़े थे। कुछ लोग इनका पूजन कर रहे थे। एक अंग्रेज अधिकारी जुलूस के आगे-आगे चलकर इनका रूट क्लियर करवा रहा था। यह दुखद और शर्मनाक दृश्य था। सरकार न्यूडिटी पर पनिशमेंट देती है, लेकिन यहां तो जॉइंट मजिस्ट्रेट पद के अफसर को भेजकर मैसेज दे रही है कि वह हिंदुओं के साथ है। इसी खबर के हवाले से 'क्रिश्चियन ब्रदरहुड' के अध्यक्ष आर्थर फोए ने ब्रिटेन के एक सांसद को चिट्ठी लिखी।

फोए ने लिखा- 'इस नग्न प्रदर्शन से तो शिक्षित हिन्दू समाज भी शर्म से गड़ जाता है। इस काम के लिए सरकार ने अंग्रेज अफसर को क्यों तैनात किया? उसने किसी भारतीय को क्यों नहीं इस काम के लिए लगाया। भारतीयों को लगता है कि उन लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को झुका दिया और अपनी बात मनवा ली। ईसाई धर्म के लिए ये शर्म की बात है।

16 अगस्त 1888 को सरकार ने आर्थर फोए की इस चिट्ठी का जवाब भेजा। चिट्ठी में लिखा- 'कुंभ हर 12 साल और अर्धकुंभ हर 6 साल बाद होता है। इस मौके पर इलाहाबाद और बाकी जगहों पर नागा साधु परंपरागत रूप से शोभायात्रा निकालते हैं। नागा संन्यासी हिन्दू समाज में बहुत पवित्र माने जाते हैं और उनमें कोई बुराई नहीं है। कई बार नागा साधुओं के बीच खूनी संघर्ष भी हो जाता है। इसलिए हमें अंग्रेज अधिकारी तैनात करना पड़ता है। हम इनके धार्मिक मामले में दखल नहीं दे सकते।' अंग्रेजों के दौर में ज्यादातर लोग पैदल और बैलगाड़ी से संगम पहुंचते थे। तीर्थ यात्रियों के लिए लुटेरों से निपटना मुश्किल काम था। रात में तीर्थ यात्रियों के साथ लूट-पाट न हो इसलिए रास्ते में विशेष सराय बनाए जाते थे। इन सरायों में सुरक्षा की खास व्यवस्था की जाती थी। इनकी तैयारी एक साल पहले ही शुरू हो जाती थी। इन खतरों का अंदाजा अंग्रेज अफसरों के फरमान से लगाया जा सकता है। 1870 में अंग्रेज अफसरों ने फरमान जारी किया था कि किसी भी अजनबी को अपने शिविर में रुकने न दें। कल्पवास करने वालों से हलफनामा लिया गया था। 94 प्रयागवाल यानी पंडों ने दस्तखत भी किए थे। 1880 में अंग्रेजों ने एक इश्तेहार जारी किया, जिसमें लिखा था- मुसाफिर तय पड़ाव पर ही रात गुजारें। वहां उनकी देखरेख के लिए चौकीदार तैनात किए गए हैं। अगर कोई बाहर ठहरता है और कोई अनहोनी होती है, तो उसके लिए वो खुद जिम्मेदार होगा। सरकार का ऐसा करने के पीछे लूट-मार से लोगों की रक्षा करना और बीमारियों को फैलने से रोकना था। हालांकि इतिहासकारों का कहना है कि अंग्रेज, क्रांतिकारियों के डर से ऐसे फरमान जारी कर रहे थे। उन्हें आभास हो गया था कि कुंभ में क्रांतिकारी जुटान कर रहे हैं। 1906 में कुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में हैजा फैल गया था। इससे निपटने के लिए सरकार ने हैजा हॉस्पिटल बनाया था। 281 कालरा पीड़ित मरीजों का इलाज किया गया, लेकिन इनमें से 207 लोग मर गए। 167 लोगों की मौत सांस लेने में दिक्कत और निमोनिया से हुई थी।

1918 के कुंभ में चार अस्पताल बनवाए गए थे। मुख्य अस्पताल में 100 बेड और बाकी तीन अस्पतालों में 25-25 बेड थे। मेला प्रबंधन के पास दवाइयों और मेडिकल इक्विपमेंट की व्यवस्था थी। महामारी प्रभावित क्षेत्रों में विशेष जांच की जा रही थी।

अंग्रेज कुंभ मेले से अच्छी-खासी कमाई करते थे। उन्होंने मुंडन और गाय दान करने पर भी टैक्स लगाया था

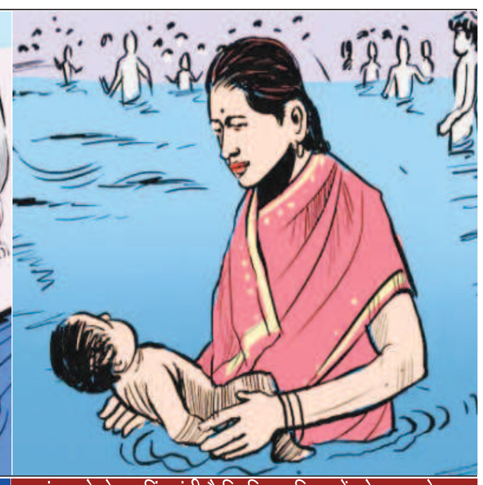
कुंभ को लेकर किंवदंती है कि जिन महिलाओं को मन्नत के बाद संतान की प्राप्ति होती थी, वे पहली संतान गंगा को भेंट करती थीं

लूट करने गए, पहचान उजागर हुई, तो सराफा कारोबारी को मार डाला

ड्राइवर ने भाई-दोस्त संग मिलकर रची साजिश, खून के धब्बों ने पहुंचाया जेल

कोरबा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में लूट करने गए नकाबपोशों ने सराफा कारोबारी गोपाल राय की हत्या कर दी। मास्टरमाइंड पूर्व ड्राइवर, वर्तमान ड्राइवर (भाई) समेत 3 लोग लूट के इरादे से घर में घुसे। जब कारोबारी ने उन्हें पहचान लिया और विरोध किया, तो चाकू से हमला कर मार डाला।

वारदात के बाद घर में रखे अटैची, सीसीटीवी डीवीआर और पत्नी नचिकेता राय का फोन ले लिया, फिर क्रेटा कार लूटकर भाग गए। इनकी साजिश थी कि, सेठ की अटैची में रखे दुकान की चाबी लेकर दुकान से सोने-चांदी के जेवरात लूटकर भाग जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। घटनास्थल और कार से मिले खून के धब्बों के निशान से पुलिस को सुराग मिले और अब आरोपी सलाखों के पीछे है।

इस मामले में पुलिस ने 2 आरोपी ड्राइवर आकाश और दोस्त मोहन मिंज को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि आकाश का बड़ा भाई सूरज पूरी गोस्वामी फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र के लालू राम कॉलोनी की है।

सूरज पहले कारोबारी गोपाल राय का ड्राइवर था। अभी उसका भाई आकाश ड्राइवरी कर रहा था। साजिश में साथी मोहन मिंज को भी मिला लिया। 5 जनवरी को सूरज और मोहन प्लान के तहत कारोबारी के घर के पास निर्माणाधीन मकान और बगल के मंदिर में छुप गए। रविवार रात करीब 9:45 बजे आकाश ने कारोबारी को घर छोड़ा। बरामदे में एंगल पर चाबी हैंग कर चला गया। फिर इसकी जानकारी अपने दोनों साथियों को दी। उन्हें बताया कि, सेठ की पत्नी बीमार है। वो अपने कमरे में सो रही है। बेटा बाहर गया हुआ है। घर में घुसकर सूटकेस में रखे दुकान की चाबी ले आओ और घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार लूटकर 2 किमी दूर उसके ज्वेलरी दुकान आ जाना। आधी रात को दुकान खोलकर सोने-चांदी के जेवरात लेकर भाग जाएंगे। जब नाकाबपोश सूरज और मोहन घर के अंदर चाबी लूटने घुसे, तो सेठ ने सूरज को देख लिया। विरोध करने पर धक्का-मुक्की हो गई। पहचान उजागर होने पर सूरज ने चाकू से कारोबारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वो लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गए। दोनों आरोपी बाहर से घर बंद कर भाग गए। 10 मिनट में ही यह पूरी वारदात हुई है। रात करीब 10 बजे बेटा घर पहुंचा। दरवाजा खोलकर अंदर घुसा तो पिता खून से लथपथ पड़े थे। आनन-फानन में अपनी कार से अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेटे ने इसकी सूचना पुलिस को भी दी।

छात्राओं की शर्ट उतरवाने का मामला, जांच टीम पहुंची स्कूल

मेन गेट पर एबीवीपी का प्रदर्शन, प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग

धनबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के डिगवाडीह स्थित कार्मेल स्कूल में 10वीं की छात्राओं की शर्ट उतरवाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को घटना की जांच के लिए दो अलग-अलग टीमें स्कूल पहुंचीं। एसडीएम राजेश कुमार और जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी के नेतृत्व में पहली टीम ने जांच शुरू की। साथ ही, झारखंड लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (झालसा) और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम भी मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई है।

बच्चों के पैरेंट्स भी स्कूल में मौजूद थे। इधर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता स्कूल के मुख्य द्वार पर धरना पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की। वे स्कूल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने और प्रिंसिपल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। स्थिति इतनी तनावपूर्ण रही कि डालसा की टीम को स्कूल में प्रवेश के लिए पैदल जाना पड़ा।

झारखंड लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (झालसा) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच का निर्देश दिया है। धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी ने लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के 8 सदस्यों की जांच टीम बनाई। टीम ने रविवार को भी पुलिस के साथ स्कूल में जाकर छानबीन की थी।

छात्राओं, पैरेंट्स और स्कूल प्रबंधन से बातचीत की। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को सुरक्षित रखने के लिए डीवीआर वाले प्रिंसिपल के कमरे को सील कर दिया। इससे पहले, शनिवार को जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम के नेतृत्व में गठित टीम भी जांच करने स्कूल गई थी। मामले में झरिया के धर्मशाला रोड में प्राचार्य का पुतला भी जलाया गया। कार्मेल स्कूल, डिगवाडीह की 20-25 छात्राओं के पैरेंट्स ने 11 जनवरी को डीसी माधवी मिश्रा से मुलाकात कर कार्मेल स्कूल, डिगवाडीह की प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत की थी। पैरेंट्स का आरोप है कि 9 जनवरी को छात्राओं के 10वीं क्लास का अंतिम दिन था। बच्चियों ने स्कूल में पेन डे सेलिब्रेट किया। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। अचानक प्रिंसिपल देवाश्री वहां पहुंचीं, बच्चियों को डांटा। छात्राओं की शर्ट उतरवाई और कहा कि इनर वियर और ब्लेजर में ही घर जाओ। इधर, स्कूल की प्रिंसिपल देवाश्री ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार और गलत बताया है। उन्होंने कहा कि छात्राओं से सिर्फ प्रॉपर स्कूल यूनिफॉर्म पहनने को कहा था। किसी को शर्ट उतारने के लिए नहीं कहा गया। अपमानित करने जैसी कोई बात नहीं की।

सांसद ढुलू महतो ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव, निदेशक और डीसी को पत्र लिखा। उन्होंने प्रकरण की निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की अपील की, ताकि दोबारा कहीं ऐसा न हो। कहा कि प्रशासन को स्कूल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच करनी चाहिए।

प्रोफेसर हमला केस, मास्टरमाइंड अरेस्ट, पुलिस करेगी खुलासा

पत्नी संग आंध्रप्रदेश में छिपा था प्रोबीर, भिलाई में भूपेश के बेटे से 4 घंटे चली थी पूछताछ

भिलाई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई-3 में प्रोफेसर विनोद शर्मा पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी प्रोबीर शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रोबीर अपनी डॉक्टर पत्नी के साथ आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा में छिपकर रह रहा था। पत्नी को भी फरारी के समय साथ देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। एसपी जितेंद्र शुक्ला इसे लेकर आज बड़ा खुलासा भी कर सकते हैं।

इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल और बेटी दीप्ति का नाम भी सामने आया था। पुलिस ने चैतन्य बघेल से थाने में 4 घंटे तक बंद कमरे में पूछताछ भी की थी। पुलिस ने बताया था कि, चैतन्य बघेल और उनकी बहन का मोबाइल उन्होंने जांच के लिए जब्त किया है। घटना 19 जुलाई 2024 की शाम 4 बजे की है। खूबचंद बघेल महाविद्यालय से घर जाते समय प्रोफेसर विनोद शर्मा पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला किया था। बाइक से जा रहे विनोद शर्मा (57) का 2 बाइक में सवार 6 आरोपियों ने रास्ता रोका, गाली गलौज की। फिर लाठी डंडों से उन्हें जमकर पीटा। इससे प्रोफेसर गंभीर रूप से घायल हो गए और कई जगह फ्रैक्चर आए।

इस मामले में पूर्व सीएम के बेटे का नाम सामने आने के बाद चैतन्य बघेल से पूछताछ के दौरान पुलिस ने 20 सवाल पूछे थे। इनमें से कुछ के जवाब चैतन्य ने दिए और बाकी का जवाब देने से इनकार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने चैतन्य और प्रोफेसर मामले में उनके संबंध? क्या आरोपी आपके दोस्त हैं? उन्हें कैसे जानते हैं?

आरोपियों से क्या बातचीत हुई है? जैसे सवाल पूछे गए। चैतन्य बघेल ने मीडिया से कहा था कि, पुलिस पूछताछ में जो सवाल पूछे गए, उसमें बयान दर्ज कराया है। बाकी जानकारी के लिए आप पुलिस से बात कीजिए। मुझे कुछ नहीं कहना है। इस मामले में प्रिंस उर्फ प्रसून पांडेय, अमन उर्फ उत्कर्ष द्विवेदी और करण पाठक को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी थी। लेकिन मुख्य आरोपी प्रोबीर शर्मा फरार था।

मछली कारोबारी की हत्या

सिर पर मिले गहरे जख्म के निशान, रविवार शाम से ही था लापता

पाकुड़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पाकुड़ जिले में एक मछली व्यापारी की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं।

हिरणपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर करणडांगा स्थित एक पोखर के पास से सोमवार को 30 वर्षीय अशराफुल अंसारी तबारक मोमिन का शव बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, कुछ ग्रामीणों ने सबसे पहले शव को देखा और इसकी सूचना थाने में दी। हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि मौके से खून का नमूना लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। मृतक के भाई सरफुल अंसारी ने बताया कि अशराफुल रविवार की शाम को घर से निकला था और उसके बाद लापता हो गया। सोमवार सुबह उन्हें शव मिलने की सूचना मिली।

दोनों भाई पहले हैदराबाद की एक बेकरी में काम करते थे। कुछ साल पहले अशराफुल गांव लौट आया था और मछली का व्यवसाय करने लगा था। परिजनों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मृतक की पत्नी और एक बच्चा कई वर्षों से मायके में रह रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पत्नी मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पाकुड़ सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया है।

पत्रकार मुकेश चंद्रकार की अस्थियों के साथ छेड़छाड़

रायपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्रकार की हत्या के बाद अब उनके अस्थि कलश के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। 13 जनवरी 2025 को परिजन जब कलेश्वरम में विसर्जन के लिए अस्थियां लेने मुक्तिधाम पहुंचे, तो कलश टूटा हुआ मिला और अस्थियां बिखरी पड़ी थीं। मुकेश ने सड़क निर्माण में गड़बड़ी का खुलासा किया था, जिसके बाद ठेकेदार और उसके भाइयों पर हत्या का आरोप है। मामले की जांच जारी है।

सोमवार, 13 जनवरी 2025 को मुकेश के परिजन कलेश्वरम में अस्थि विसर्जन के लिए मुक्तिधाम गए थे। वहां पहुंचकर उन्हें बड़ा धक्का लगा। अस्थि कलश गायब था। आसपास

फूटा मिला अस्थि कलश

खोजबीन करने पर कलश टूटा हुआ मिला और अस्थियां बिखरी पड़ी थीं। इस घटना ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया। उन्होंने तुरंत बीजापुर एसपी से शिकायत की और मामले की जांच की मांग की।

मुकेश चंद्रकार की हत्या का मामला पहले से ही काफी चर्चित है। उन्होंने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया था। इस खुलासे के बाद ठेकेदार सुरेश चंद्रकार और उसके भाइयों रितेश, दिनेश और सुपरवाइजर महेंद्र रामटेके पर मुकेश की हत्या करवाने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच चल रही है। मुकेश की हत्या बेहद बेरहमी से की गई थी। उनके सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया था। आरोपी इसे नक्सली हमला दिखाना चाहते थे, क्योंकि नक्सली अक्सर इसी तरह से हत्याएं करते हैं। हत्यारे मुकेश के शव को जंगल में फेंकने की योजना बना रहे थे, लेकिन मौका न मिलने पर उन्होंने शव को एक टैंक में डाल दिया और ऊपर से पैक करवा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की बर्बरता का खुलासा हुआ।

डॉक्टरों ने बताया कि उन्होंने इससे पहले इतनी निर्मम हत्या नहीं देखी थी।

मुकेश के सिर में 15 फ्रैक्चर थे, गर्दन टूटी हुई थी और हृदय भी फटा हुआ था। उनकी 5 पसलियां भी टूटी हुई थीं और लिवर के 4 टुकड़े हो गए थे।

घर में घुसकर भाई-बहन की हत्या

दोनों के सिर पर धारदार हथियार से वार, शरीर पर चोट के कई निशान, लहूलुहान मिले शव

रायगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में घर में घुसकर भाई-बहन की हत्या कर दी गई। दोनों की लाश घर के अंदर लहूलुहान मिली है। शरीर पर चोट के निशान और सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया है। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 50 वर्षीय सीताराम जायसवाल और उनकी बहन दोनों साथ में रहते थे।

हालांकि, मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।

शिक्षकों की दंडवत गुहार, हजारों बीएडधारी शिक्षक कर रहे प्रदर्शन

रायपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2897 सहायक शिक्षकों की नौकरी खतरे में है। ये शिक्षक 2018 के एनसीटीई नियमों के तहत भर्ती हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद उनकी योग्यता पर सवाल उठे हैं। नौकरी बचाने के लिए शिक्षक आंदोलन कर रहे हैं। वे सरकार से न्याय की मांग कर रहे हैं। इसके चलते सस्पेंड शिक्षकों ने रायपुर में अनोखा प्रदर्शन किया। उन्होंने माना चौक से शदाणी दरबार तक दंडवत यात्रा निकाली। सड़कों पर लेटकर विरोध जताया। ये शिक्षक 14 दिसंबर से अंबिकापुर से अनुनय यात्रा पर थे। 19 दिसंबर से नवा रायपुर के तूता में धरना दे रहे हैं। उनकी मांग सेवा सुरक्षा और समायोजन की है। सरकार का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए दंडवत यात्रा निकाली गई। सरकार ने इस मामले में एक कमेटी बनाई है। लेकिन कमेटी कब फैसला लेगी, यह तय नहीं है। इस मुद्दे पर राजनीति भी गरमा गई है। भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता अनुराग अग्रवाल ने पूर्व की भूपेश सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया तो वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने युवाओं की नौकरी छीनने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। शिक्षकों का आंदोलन 26 दिनों से जारी है। वे अलग-अलग तरीकों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दंडवत यात्रा भी इसी का एक हिस्सा है।

स्टूडियो मालिक की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल में सोमवार को एक स्टूडियो मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुख्य बाजार स्थित कल्पना स्टूडियो के मालिक दिलीप गोराई जब सुबह अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। घटना उस वक्त हुई, जब दिलीप रोजाना की तरह स्टूडियो खोलने पहुंचे थे। बाइक पर सवार दो अपराधियों ने स्टूडियो में घुसकर नजदीक से उसे गोली मार दी।

स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल दिलीप को टाटा मेन हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही चांडिल थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच में जुट गए।

कैलिफोर्निया में आग से 24 की मौत

मृतकों में ऑस्ट्रेलियाई टीवी एक्टर भी शामिल, 7 दिन बाद भी आग पर काबू नहीं

लॉस एंजिलिस, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लगी आग से 24 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में एक ऑस्ट्रेलियाई टीवी एक्टर रोरी साइक्स भी शामिल हैं। पिछले 7 दिनों से लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। ईटन और पैलिसेड्स में 16 लोगों के लापता होने की खबर है।

लॉस एंजिलिस में रविवार को हवा की रफ्तार में थोड़ी कमी आई। इसके चलते फायरफाइटर्स को आग पर काबू करने में मदद मिली। हालांकि देर रात तक तेज हवाओं के लौटने की चेतावनी जारी की गई है। इसके चलते लॉस एंजिलिस के दो जंगलों में लगी को तेजी से बुझाने की कोशिश की गई। आग का दायरा 40 हजार एकड़ जमीन तक पहुंच गया है।

नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को लॉस एंजिलिस के जंगलों में लगी आग से निपटने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की फिर से निंदा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा- रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (एलए) में लगी आग

से अब तक करीब 11.60 लाख करोड़ से लेकर 13 लाख करोड़ रुपए (135-150 बिलियन डॉलर) के नुकसान की आशंका है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू किया गया है। लोगों से मास्क पहने रहने की अपील की गई है। आग से निपटने में अमेरिका की मदद के लिए मेक्सिको से फायरफाइटर्स पहुंचे हैं। दूसरी ओर लॉस एंजिलिस पुलिस के मुताबिक ब्रेंटवुड स्थित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के घर में चोरी की कोशिश की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में इन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस का कहना था कि उसके पास इस बात के कोई सबूत नहीं है कि ये दोनों लोग चोरी की नीयत से ही वहां मौजूद थे।

लॉस एंजिलिस के वाटर डिपार्टमेंट के मुताबिक आग लगने से पहले तक कैलिफोर्निया के सभी वाटर हाइड्रेंट पूरी तरह से चालू थे। आग बुझाने के लिए पानी की अधिक मांग के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ा और पानी के स्तर में गिरावट आई।

इसके चलते 20% वाटर हाइड्रेंड पर इसका असर पड़ा और उनमें सूखे की स्थिति बन गई। दरअसल, कैलिफोर्निया में कई जगहों पर वाटर हाइड्रेंट सूख गए हैं। एनवाईटी के मुताबिक राज्य के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने शुक्रवार को जांच के आदेश दिए थे कि वाटर हाइड्रेंट में इतनी जल्दी पानी कैसे खत्म हो गया।

वहीं आग के संकट के बीच कैलिफोर्निया के सांता मोनिका शहर में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने कर्फ्यू घोषित कर दिया। इस मामले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो लोग फायर फाइटर्स की ड्रेस में मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर दावे चल रहे हैं कि एक शख्स ने जंगल में आग लगाना शुरू किया जिसने फैलते-फैलते बड़ा रूप ले लिया। लॉस एंजिलिस पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि वहां के फायर चीफ डेविड अकूना ने इस दावे का खंडन किया है कि किसी के आग लगाने से वाइल्ड फायर शुरू हुई है।

इजरायल ने हिजबुल्लाह पर किस हथियार से किया हमला

परमाणु बम विस्फोट की तरह दिखा नजारा, रात में हो गया दिन

यरुशलम, 13 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायली वायु सेना ने रविवार और सोमवार की दरमियानी रात लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भयानक बमबारी की। लेबननान के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में हुए ये हमले इतने बड़े थे कि पूरा इलाका थर्रा उठा। इजरायली सेना ने बताया कि उसने हिजबुल्लाह की रॉकेट लॉन्चर साइट को निशाना बनाया था। इसके साथ ही हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी करने वाले मार्गों को निशाना बनाकर भी हमले किए गए। इजरायली एयरस्ट्राइक के बाद लेबनान के इलाके में ऐसा नजारा दिखाई दिया जैसे किसी ने परमाणु बम गिरा दिया हो। इजरायल के हमले का एक वीडियो सामने आया है, जिसे हिजबुल्लाह की हथियार साइट का बताया जा रहा है। वीडियो में रात के अंधेरे में एक जोरदार आवाज के साथ रोशनी का गुबार फूट पड़ता है। रोशनी इतनी तेज होती है कि जैसे रात में दिन हो गया हो।

जेलेंस्की का नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रिहा करने का ऑफर

यूक्रेनी सैनिकों को लौटाने की मांग की, पिछले हफ्ते हिरासत में लिया था

कीव, 13 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि वह रूस के कुर्स्क इलाके से पकड़े गए नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रिहा करने के लिए तैयार हैं। इसके बदले में उन्होंने रूस में बंदी बनाए गए यूक्रेनी सैनिकों की अदला-बदली की मांग की है। जेलेंस्की ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में लिखा कि यूक्रेन किंग जोंग (नॉर्थ कोरिया के तानाशाह) के सैनिकों को उन्हें सौंपने के लिए तैयार हैं अगर वह हमारे सैनिकों की अदला-बदली की व्यवस्था कर सकें। यूक्रेन ने शनिवार को 2 नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को पकड़ने की जानकारी दी थी। ये पहली बार है जब यूक्रेन ने नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को जिंदा पकड़ा है। रूस और नॉर्थ कोरिया की तरफ से अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

जेलेंस्की ने अपनी पोस्ट में नॉर्थ कोरियाई सैनिकों का वीडियो भी पोस्ट किया है। इस वीडियो में

दोनों सैनिकों से पूछताछ की जा रही है। वीडियो में एक सैनिक लेटा है जबकि दूसरे के जबड़े में चोट लगी हुई है। एक सवाल के जवाब में लेटे हुए सैनिक ने बताया कि उसे पता ही नहीं था कि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। सैनिक के मुताबिक उसके कमांडरों ने इसे एक ट्रेनिंग बताया था। जेलेंस्की ने अपने वीडियो में कहा कि एक सैनिक ने यूक्रेन में रुकने की इच्छा जताई है, जबकि दूसरा वापस लौटना चाहता है। यूक्रेन और पश्चिमी देशों के अनुमान के मुताबिक रूस में 11 हजार नॉर्थ कोरियाई सैनिक मौजूद हैं। इन्हें रूस के कुर्स्क इलाके में यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए तैनात किया गया है। यूक्रेन पिछले साल अगस्त में रूस के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुर्स्क में सैकड़ों स्क्वायर किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया।

पिछले साल 18 अक्टूबर को साउथ कोरिया ने भी दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसर (एनआईएस) ने इसकी जानकारी दी थी। एजेंसी के मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिक, रूसी नौसेना के जहाजों से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह पर पहुंचे थे। ये सभी सैनिक नॉर्थ कोरिया की स्पेशल मिशन फोर्सेस का हिस्सा हैं।

एनआईएस के मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना की वर्दी, हथियार और नकली पहचान पत्र दिए गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन का अनुमान है कि कुर्स्क में लड़ाई के दौरान नॉर्थ कोरिया के 3000 से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं या घायल हुए हैं।

कनाडाई सांसद जगमीत सिंह ने ठुकराया ट्रम्प का ऑफर

ओटावा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां स्टेट बनने के ऑफर दे चुके हैं। इस मुद्दे पर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो और विदेश मंत्री मेलानी जोली के बाद अब कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता और सांसद जगमीत सिंह ने भी ट्रम्प के ऑफर को ठुकरा दिया है।

कैलिफोर्निया में लगी आग पर एनडीपी लीडर ने कहा कि अभी जब अमेरिका में जंगल की आग घरों को तबाह कर रही है तो कनाडा के फायर फाइटर्स मदद के लिए पहुंच गए हैं। हम ऐसे ही हैं। हमेशा अपने पड़ोसियों की मदद करते हैं।

बता दें कि जगमीत सिंह की एनडीपी पार्टी के पास 25 सांसद हैं। ट्रूडो एनडीपी के सपोर्ट से ही सरकार चला रहे थे, लेकिन

पिछले साल एनडीपी ने उनसे समर्थन वापस ले लिया। गठबंधन टूटने की वजह से ट्रूडो सरकार अल्पमत में आ गई।

इस सारे विवाद की शुरुआत तब हुई जब पिछले साल नवंबर ट्रूडो ने अमेरिका में ट्रम्प से मुलाकात की थी।

इस मुलाकात के दौरान ट्रम्प ने मजाक में कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने का ऑफर दिया था। इसके बाद वो कई बार कनाडा को अमेरिका में शामिल होने का ऑफर दे चुके हैं। ट्रम्प इसके लिए फाइनेंशियल पावर इस्तेमाल करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने कनाडा पर 25% टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। ट्रम्प का कहना है कि अगर कनाडा अमेरिका में शामिल हो जाता है तो कोई टैरिफ नहीं होगा, टैक्स बहुत कम हो जाएंगे। ट्रूडो ने आगे कहा- ट्रम्प को अमेरिकी लोगों का जीवन आसान बनाने और अमेरिकी वर्कर्स की मदद करने के लिए चुना गया है। ये (टैरिफ) ऐसी चीजें हैं जो उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली हैं।

20 जनवरी को शपथ लेंगे डोनाल्ड ट्रम्प

जस्टिन ट्रूडो ने 6 जनवरी को प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी के नेता दोनों पद से इस्तीफा दे दिया है।

हालांकि नया प्रधानमंत्री चुने जाने तक ट्रूडो इस पद बन रहेंगे। वहीं दूसरी तरफ ट्रम्प 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे।

विद्रोही समूहों को कांगो की सेना ने दिया कड़ा जवाब

कई शहरों को कराया कब्जा मुक्त

गोमो, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश कांगो में विद्रोही समूहों के साथ चल रहे संघर्ष के बीच सेना को बड़ी सफलता मिली है। कांगो सेना ने पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु और दक्षिणी किवु के कई शहरों को विद्रोहियों के कब्जे से मुक्त कराया है। बताया जाता है कि पूर्वी कांगो में बीते कई दशकों से 100 से ज्यादा विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष चल रहा है। रवांडा सीमा के पास खनिज समृद्ध क्षेत्र पर अधिकार करने के लिए विद्रोही समूह आपस में लड़ रहे हैं। अपना दायरा बढ़ाने की होड़ में विद्रोही समूह कांगो के शहरों पर कब्जा कर रहे हैं। इसके चलते अब तक सात मिलियन से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। जबकि एक लाख से ज्यादा लोग अपने घरों से भाग गए हैं। कांगो की सेना ने कहा कि सेना ने लुम्बिशी, रुजिरांतका, कामतले, बिटागाटा, काबिंगो को विद्रोही समूहों के कब्जे से मुक्त कराया।

पाकिस्तान में मिला 17 हजार करोड़ का गोल्ड भंडार

अटक में 32 हजार किलो सोना मिलने का दावा, 4 स्टेज में होती है गोल्ड माइनिंग

इस्लामाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पंजाब राज्य के पूर्व खनन मंत्री इब्राहिम हसन मुराद ने अटक शहर में 2 अरब डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए) का गोल्ड भंडार मिलने का दावा किया है। हसन मुराद के मुताबिक अटक में 32 किलोमीटर के इलाके में 32658 किलो (28 लाख तोला) सोने का भंडार मिला है।

हसन मुराद ने 10 जनवरी को X पोस्ट में लिखा- जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ पाकिस्तान के वैज्ञानिकों की यह खोज पंजाब में नेचुरल रिसोर्सेज अपार संभावनाओं को उजागर करती है। इस जगह से पाकिस्तान के जियोलॉजिकल सर्वे टीम ने 127 जगहों से नमूना लिया।

यह खोज पाकिस्तान की खनिज संपदा को उजागर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश को आर्थिक तौर पर मजबूत करने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसरों की संभावना तैयार करता है।

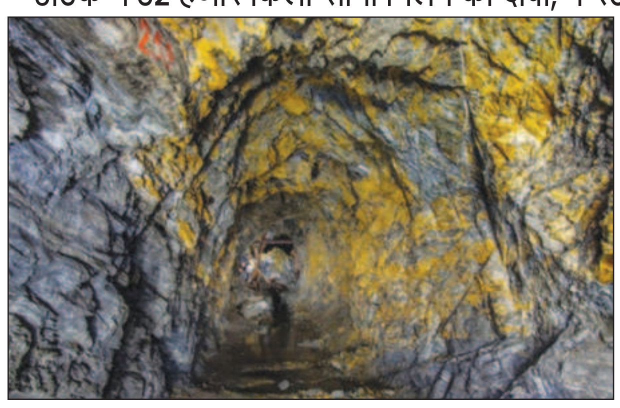

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक किसी जगह सोने का भंडार मिलने के बाद भी वहां उसकी माइनिंग में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए टाइम, फाइनेंशियल रिसोर्स और कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है।

गोल्ड रिजर्व के शुरुआती साक्ष्य मिलने के बाद भी दुनिया की कई खदानों में आगे माइनिंग की संभावना 1% से भी कम है। यही वजह के दुनिया में मौजूद गोल्ड खदानों में से सिर्फ 10% में ही आगे की माइनिंग के लिए पर्याप्त सोना है। एक बार जब यह तय हो जाता है कि सोना निकालने के लिए आगे माइनिंग की जा सकती है तो इसके लिए डिटेल में मॉडल तैयार किया जाता है। इस पूरी प्रोसेस में 1 से लेकर 10 साल तक का वक्त लग सकता है।

एक बार जब यह तय हो जाता है किसी खदान में गोल्ड की माइनिंग की जा सकती है, तो इसके बाद आगे की खुदाई के लिए खदान को डेवलप किया जाता है। माइनिंग कंपनियां आगे की प्रोसेस शुरू करने से पहले परमिट और लाइसेंस की अप्लाई करती हैं। आम तौर पर इस पूरी प्रोसेस में कई साल लग सकते हैं, हालांकि यह वक्त अलग अलग जगहों के हिसाब अलग अलग हो सकता है। कागजी कार्यवाही पूरी होने के बाद माइनिंग कंपनियां यहां काम करने वाले वर्कर्स के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करती हैं। इस पूरी प्रोसेस में 1 से 5 साल तक वक्त लग सकता है।

गोल्ड माइनिंग में तीसरी स्टेज सबसे महत्वपूर्ण होती है। आमतौर पर गोल्ड अयस्क के मिलता है। इस स्टेज में अयस्क से सोना अलग किया जाता है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड की कीमत, माइनिंग की कास्ट और सोने की शुद्धता जैसे कई फेक्टर असर डालते हैं। टेक्नोलॉजी के डेवलपमेंट की वजह माइनिंग की प्रोसेस आसान हुई है।

पृथ्वी के अंदर छिपे रहस्य का वैज्ञानिकों ने लगाया पता

5000 डिग्री सेल्सियस तापमान में मौजूद है एक और परत, खुलासा

कैनबरा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ज्यादातर लोग जमीन के बारे में बहुत नहीं सोचते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के अंदर छिपे ऐसे रहस्य का पता लगाया है, जो कई मान्यताओं को बदलकर रख सकता है। शोध में पाया गया है कि वास्तव में पृथ्वी की आंतरिक कोर के भीतर भी एक या उससे अधिक कोर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के भूभौतिक शास्त्री जोआन स्टीफेंसन और उनके सहयोगियों ने पाया कि पृथ्वी के आतंरिक कोर में दो अलग-अलग परतें हो सकती हैं।

स्टीफेंसन ने साल 2021 के एक शोध में बताया कि परंपरागत रूप से हमें सिखाया गया है कि पृथ्वी की चार मुख्य परते हैं: 'क्रस्ट, मेंटल, बाहरी कोर और आंतरिक कोर।' पृथ्वी की बाहरी परत पपड़ी के नीचे क्या है, इस बारे में हमारा ज्ञान मुख्य रूप से

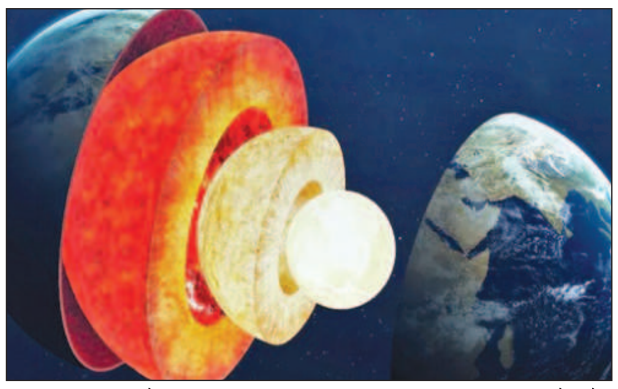

ज्वालामुखियों और भूकंपीय तरंगों से मिली जानकारी से है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी की आंतरिक कोर इसके कुल आयतन का केवल 1 प्रतिशत है, जिसका तापमान 5000 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। हालांकि, कुछ साल पहले स्टीफेंसन ने पाया कि आंतरिक कोर में दो अलग-अलग परतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'यह बहुत रोमांचक है और इसका मतलब यह हो सकता है कि हमें स्कूल की किताबों को फिर से लिखना होगा।'

शोध के दौरान टीम ने एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए आंतरिक कोर के हजारों मॉडलों का मिलान कई दशकों के दौरान देखे गए आंकड़ों से किया। इन आंकड़ों में भूकंपीय तरंगों के पृथ्वी से होकर गुजरने के समय की जानकारी थी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने एकत्र किया था। स्टीफेंसन ने कहा, 'हमें ऐसे सबूत मिले हैं जो लोहे की संरचना में बदलाव का संकेत दे सकते हैं, जो पृथ्वी के इतिहास में शायद दो अलग-अलग शीतलन घटनाओं का सुझाव देते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'इस बड़ी घटना का विवरण अभी भी थोड़ा रहस्यपूर्ण है, लेकिन जब पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में हमारे ज्ञान की बात आती है, तो हमने पहेली का एक और टुकड़ा जोड़ दिया है।' शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में वैश्विक भूकंपों और रिसीवरों के वितरण की कमी का जिक्र किया है और कहा कि यह लापता डेटा उनके निष्कर्षों को निश्चितता को सीमित करता है।

मलाला की अफगान तालिबान के खिलाफ एक्शन की अपील

मुस्लिम लीडर्स से कहा- अफगान लड़कियों का भविष्य छिन जाएगा, अपनी ताकत का इस्तेमाल करें

इस्लामाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने रविवार पाकिस्तान में मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर आयोजित एक सम्मेलन में भाग लिया। सीएनएन के मुताबिक इस दौरान उन्होंने मुस्लिम नेताओं से लैंगिक भेदभाव को इंटरनेशनल कानून के तहत अपराध बनाने की अपील की। इसके साथ ही मलाला ने अफगान महिलाओं के हालात के लिए तालिबान की निंदा की।

मलाला ने कहा कि मुस्लिम नेताओं को तालिबान की नीतियों के खिलाफ आगे आना चाहिए। उन्होंने लड़कियों को स्कूल और यूनिवर्सिटी जाने से रोक दिया है। तालिबान के दमनकारी कानूनों को खुले तौर पर चुनौती देते हुए उनकी निंदा की जानी चाहिए। मलाला ने

कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान महिलाओं को इंसान नहीं मानता है। उसकी नीतियों में कुछ भी इस्लामी नहीं है।

तालिबान उन महिलाओं और लड़कियों को सजा देता है तो जो उनके कानून को तोड़ने की हिम्मत दिखाती हैं। तालिबान अपने अपराधों को मजहब के पीछे छुपाता है, लेकिन हकीकत में उसकी नीतियां हमारी आस्था के एकदम उलट है। उन्होंने अफगानिस्तान में लैंगिक रंगभेद की व्यवस्था बना दी है। मलाला ने मुस्लिम नेताओं से तालिबान को वैधता नहीं देने की अपील की है। गाजा में जारी युद्ध पर नोबेल विजेता ने कहा कि इजराइल ने गाजा ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है।

उन्होंने 90% से ज्यादा स्कूलों को बर्बाद कर दिया, यूनिवर्सिटीज पर बमबारी की गई। लोगों पर अंधाधुंध हमले किए गए। इजराइल अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है, मैं इसकी निंदा करना जारी रखूंगीं। अफगान तालिबान ने मलाला के बयान पर अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। हालांकि तालिबान पहले कहा था कि वो अफगान संस्कृति और इस्लामी कानून के हिसाब से महिलाओं को सम्मान और अधिकार देते हैं।

खुफिया जानकारी पाने के लिए गिरोह और शेल कंपनियों के साथ काम कर रहा चीन

ताइपे, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ताइवान के खुफिया ब्यूरो का कहना है कि चीन की मुख्य जासूसी एजेंसी ताइवान की सुरक्षा के बारे में खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए आपराधिक गिरोहों, शेल कंपनियों और अन्य संदिग्ध भागीदारों के साथ काम कर रही है, जिसकी वजह से द्वीप पर कथित जासूसी के लिए गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। ये वर्तमान और सेवानिवृत्त ताइवानी सैन्यकर्मी विशेष चिंता का विषय हैं, पिछले साल जिन 64 कथित जासूसों पर मुकदमा चलाया गया था, उनमें से लगभग आधे उनके थे। ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो की तरफ से सप्ताह के आखिरी में जारी की गई रिपोर्ट, चीनी एजेंटों ने ताइवान के अंडरवर्ल्ड का उपयोग करके उन लोगों तक पैसे पहुंचाने की कोशिश की है, जिनके पास बेचने के लिए कई अहम जानकारी है।

15 महीने से जारी हमास-इजरायल जंग थमेगी?

यरुशलम, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हमास और इजरायल एक साल से अधिक समय जंग लड़ रहे हैं। इजरायल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा। यह शहर मलबों के ढेर में तब्दील हो गया है। वहीं, हमास भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इस बीच, अमेरिका और अरब देशों के मध्यस्थ संघर्ष विराम और गाजा में बनाए बंधकों की रिहाई को लेकर लगातार कोशिश कर रहा है। इस प्रयास में काफी प्रगति दिखी है, मगर अभी तक एक समझौता नहीं हो पाया है। सोमवार को कुछ अधिकारियों ने दावा किया कि अगले कुछ दिन इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। तीन अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संघर्ष विराम समझौते में प्रगति हुई है। आने वाले दिन मध्य पूर्व को अस्थिर करने वाली 15 महीने से अधिक की लड़ाई को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। तीन अधिकारियों में से एक और हमास के एक अधिकारी ने कहा कि अभी भी कई बाधाओं को दूर करना बाकी है। पिछले एक साल में कई मौकों पर अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वे समझौते पर पहुंचने की कगार पर थे।

बातचीत से परिचित एक शख्स ने कहा कि रातों-रात एक सफलता मिली है और प्रस्तावित सौदे पर बात बन सकती है। इजरायल और हमास के वार्ताकार अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए अपने नेताओं के पास वापस ले जाएंगे।

नाइजीरियाई सेना के हवाई हमलों में गलती से कई नागरिकों की मौत

विद्रोहियों को बना रहे थे निशाना

अबुजा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। नाइजीरिया के उत्तरी-पश्चिम इलाके में सेना के हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत हो गई। सेना संघर्षरत इलाकों में हथियारबंद समूहों को निशाना बनाने का प्रयास कर रही थी। ये नागरिक स्थानीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। नागरिकों पर यह हमला गलती से हुआ। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। पिछले एक साल में सेना का यह तीसरा हवाई हमला है, जिसमें नागरिकों की जान गई। नाइजीरिया सेना जमफारा राज्य के जुरमी और मराजुन इलाकों में विद्रोही समूह को निशाना बना रही थी। राज्य के गवर्नर के प्रवक्ता सुलैमान बाला इदरीस ने रविवार को बताया कि हवाई हमले में कुछ नागरिकों की भी मौत हो गई। ये लोग 'नागरिक संयुक्त कार्यबल' और 'स्थानीय सतर्कता बल' के सदस्य थे। इदरीस ने बताया कि ये लोग इलाके से भाग रहे थे। इसलिए इन्हें गलती से डाकू समझ लिया था।

हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने नागरिक मारे गए हैं। नाइजीरियाई वायु सेना ने भी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। स्थानीय निवासी सलिसु मराजुन ने बताया कि उन्होंने 20 शवों को गिना। 10 अन्य लोग घायल हुए और उनका उपचार चल रहा है। जमफारा की राज्य सरकार ने इसे एक 'कामयाब' हमला बताया और कहा कि यह डाकुओं को निशाना बनाने के लिए निर्णायक कदम था। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि वह आगे भी खुफिया जानकारी साझा करना, लॉजिस्टिक और समुदाय से जुड़ी पहल में सहयोग जारी रखेगी। लागोस स्थित अनुसंधान संस्था 'एसबीएम इंटेलिजेंस' की रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरियाई सेना अक्सर विद्रोहियों से निपटने के लिए हवाई हमले करती है। लेकिन इन हमलों में 2017 से अब तक 400 नागरिकों की मौत हो चुकी है।

दिसंबर 2023 में नाइजीरियाई सेना ने कादुना राज्य में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हवाई हमला किया था। जिसमें 80 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद मई 2024 में नाइजीरियाई सेना कहा था कि दो सैनिकों को कोर्ट मार्शल का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, इस मामले में जांच के परिणाम कभी सार्वजनिक नहीं किए गए। मानवाधिकार संगठनों ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए नाइजीरियाई सेना की आलोचना की है। उनका कहना है कि इस तरह के मामलों में स्पष्टता और जवाबदेही की आवश्यकता है।

ट्रंप की नीति का सता रहा खौफ

अमेरिका से बाहर यात्रा करने से बच रहे भारतीय एच-1बी वीजा धारक

वॉशिंगटन, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के आने वाले प्रशासन और उसकी आव्रजन नीतियों को लेकर भारतीय एच-1बी वीजा धारक चिंतित बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन सख्त आव्रजन नीतियां लागू कर सकता है, जिससे आप्रवासियों को परेशानी हो सकती है। संभावित प्रतिबंधों की आशंका के चलते कई एच-1बी वीजा धारक भारतीय अमेरिका से बाहर यात्रा करने से बच रहे हैं। द स्ट्रेट टाइम्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई भारतीय एच-1बी वीजा धारकों ने बताया कि उनके नियोक्ताओं और वकीलों ने उन्हें अमेरिका से बाहर यात्रा करने से बचने के लिए कहा है, क्योंकि वीजा नियम में अगर बदलाव हुआ तो उनका देश में फिर से प्रवेश बाधित हो सकता है। इसके अलावा, जो वीजा धारक अमेरिका के बाहर हैं, उन्हें लौटने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के सांता क्लारा के भारतीय मूल के एक ऑटोमोटिव डिजाइन इंजीनियर इस समय मुंबई में छुट्टियां मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके आव्रजन वकील ने उन्हें 20 जनवरी से पहले अमेरिका लौटने के लिए कहा है। 20 जनवरी वह दिन है जब अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण करेंगे।

सीएम भजनलाल की शाह से मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा तेज

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर एक बार फिर चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान इस दौरान शाह ने सीएम शर्मा के साथ राजस्थान में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की।

हालांकि शाह और सीएम शर्मा की मुलाकात को मंत्रिमंडल बदलाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा प्रदेश के कुछ बड़े और सक्रिय नेताओं को एडजस्ट कर सकती है।

वहीं, शाह ने राजस्थान के सियासी हालात पर भी चर्चा की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ राजस्थान में पेट्रोलियम क्षेत्र के विकास, प्राकृतिक गैस आपूर्ति की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा की।

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने ली बैठक

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बैठक ली। इस दौरान संतोष ने प्रदेश के संगठन चुनाव पदाधिकारियों को स्पष्ट किया कि पचास फीसदी का फार्मूला ठीक नहीं है, जिसमें आधे-आधे मंडलों की घोषणा के बाद जिलाध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि चाहे समय लग जाए, लेकिन पहले सभी मंडल अध्यक्ष घोषित किए जाएं। अभी करीब 1000 मंडलों में अध्यक्ष चुने जाने हैं।

भारत आदिवासी पार्टी को मिला राज्य पार्टी का दर्जा

राजकुमार रोत ने दी सबको बधाई

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत आदिवासी पार्टी के लिए बड़ी खुशखबरी। BAP को मिला राज्य पार्टी का दर्जा। निर्वाचन आयोग ने भारत आदिवासी पार्टी को राज्य पार्टी का दर्जा दे दिया। इस पर बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने अपने सोशल मीडिया अंकाउट X पर लिखा कि निर्वाचन आयोग द्वारा भारत आदिवासी पार्टी को राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त होने पर पार्टी के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता व मतदाताओं को धन्यवाद।

सभी को खूब-खूब बधाई

राजकुमार रोत ने आगे लिखा कि जिन्होंने बीएपी पार्टी के लिए

रात-दिन मेहनत करके बहुत कम समय में पार्टी को राज्य पार्टी का दर्जा दिलवाने में अपना अमूल्य योगदान दिया। सभी को खूब-खूब बधाई।

2023 में अस्तित्व आई भारत आदिवासी पार्टी

विधानसभा चुनाव 2023 में भारत आदिवासी पार्टी अस्तित्व आई। बेहद कम समय में बीएपी ने राजस्थान में शानदार प्रदर्शन किया। मौजूदा वक्त में भारत आदिवासी पार्टी का एक सांसद व 4 विधायक हैं। दक्षिणी राजस्थान में बीएपी की जबरदस्त पैठ है।

बीएपी के पास इस वक्त 1 सांसद और 4 एमएलए

राजकुमार रोत इस वक्त राजस्थान की राजनीति में एक उभरता चेहरा है। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल राजकुमार रोत की काफी पकड़ है। आंकड़ों के अनुसार लोकसभा चुनाव-2023 में बीएपी ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से चौरासी विधायक राजकुमार रोत को चुनावी मैदान में उतारा था। राजकुमार रोत ने भाजपा के महेंद्रजीत सिंह मालवीया को बुरी तरह से शिकस्त दी। रोत पहली बार सांसद बनकर लोकसभा पहुंचे। इस वक्त 'भारत आदिवासी पार्टी' के चार विधायक है।

निकाय-पंचायत चुनाव में देरी पर भड़की कांग्रेस

डोटासरा बोले-सरकार को घेरने के लिए बनाएंगे रणनीति

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य की भाजपा सरकार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव टालकर ब्यूरोक्रेसी को हावी करने की कवायद में जुटी है। एक प्रदेश-एक चुनाव, परिसीमन और ओबीसी आयोग का गठन कर सर्वे कराने की आड़ में करीब सालभर के लिए चुनाव टालने के प्रयास हो रहे हैं। यह निकाय व पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन है।

जनता में लड़ाई छेड़ने का काम किया: डोटासरा

डोटासरा ने 'पत्रिका' से कहा कि पंचायत राज का गला घोंटकर जनता में झगड़ा पैदा करने के लिए अभी परिसीमन का टाइम टेबल जारी किया गया है। सरकार को पता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की पालना में ओबीसी आयोग का गठन कर पंचायत व निकायों में सर्वे कर आरक्षण लागू करने के बाद ही परिसीमन किया जा सकता है।

लेकिन फिर भी आयोग का गठन नहीं कर यह पूरी तैयारी चुनाव टालने की है। तय समय पर चुनाव के लिए कोई न्यायालय में नहीं जा सके। इसीलिए परिसीमन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया।

चिकित्सा मंत्री खींवसर बोले- अनावश्यक जिलों को समाप्त किया गया, हो रहा था नुकसान

बीकानेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बीकानेर दौरे पर रहे। इस दौरान दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे जिले बनने से सरकार को भारी नुकसान हो रहा था। अनावश्यक जिलों को समाप्त कर दिया गया है, क्योंकि उनका कोई विशेष महत्व नहीं था।

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि देश में कुछ राज्यों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के कुछ मामले सामने आए हैं, लेकिन इससे

घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है। खींवसर ने कहा कि हर साल की भांति सर्दी के मौसम को देखते हुए बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्ति सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार आदि होने पर अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श लें।

एसआई भर्ती रद्द करने को लेकर पूछे गए सवाल पर चिकित्सा मंत्री ने कहा कि इसे रद्द करना इतना आसान नहीं है। उन्होंने बताया कि वह खुद इस मामले में गठित कमेटी के सदस्य रहे हैं।

यह मामला पेचीदा है और फिलहाल इसे रद्द नहीं किया जा सकता। मामला कोर्ट में लंबित है। भर्ती प्रक्रिया पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा का आयोजन किया गया था, लेकिन इसमें बड़ी मात्रा में अनियमितताएं सामने आईं हैं। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार स्थिति का गंभीरता से मूल्यांकन कर रही है।

बलात्कार पीड़िताओं के गर्भपात में देरी

हाईकोर्ट गंभीर, 4 महिला अधिवक्ताओं को नियुक्त किया न्यायमित्र

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बलात्कार पीड़िताओं के गर्भपात में देरी और कई बार प्रसव के समय पीड़िता किशोरियों की जान खतरे में पड़ने की स्थिति को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने गंभीरता दिखाई है। कोर्ट ने बलात्कार के मामलों में गर्भपात के लिए गाइडलाइन तय करने का संकेत दिया, वहीं केंद्र और राजस्थान सरकार से 4 सप्ताह में जवाब देने को कहा है।

कोर्ट ने राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) को पक्षकार बनाया, वहीं अदालती कार्यवाही में सहयोग के लिए चार महिला अधिवक्ताओं को न्यायमित्र नियुक्त किया है। मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व न्यायाधीश

उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने स्वप्रेरणा से दर्ज जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने अधिवक्ता सुशीला कलवानिया, पल्लवी मेहता, प्रियांशा गुप्ता व सोनल गुप्ता को न्यायमित्र नियु€क्त किया। इन चारों अधिवक्ताओं को सुनवाई के दौरान न्यायालय का सहयोग करने को कहा गया है।

पुलिस सहित अन्य संबंधित एजेंसियां बलात्कार पीड़िता को गर्भपात संबंधी प्रावधानों की समय पर जानकारी नहीं देती हैं। जिससे कई बार प्रसव के समय नाबालिग पीड़िताओं की जान खतरे में पड़ जाती है। बिहार की नाबालिग को तस्करी कर कोटा लाया गया। पुलिस ने उसे मुक्त कराया। वह गर्भवती थी। बाल कल्याण समिति ने उसे बालिका गृह भेज दिया। गर्भपात की अनुमति के लिए मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जिस पर कोर्ट ने यह याचिका दर्ज की।

कानूनी प्रावधान : दी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी ए€ट 1971 के अनुसार 24 हफ्ते से अधिक अवधि के भ्रूण के मामलों में गर्भपात के लिए अदालत से अनुमति आवश्यक है।

मुस्लिम पिता-पुत्र ने हिंदू धर्म अपनाया

धर्मगुरु पर पत्नी-बेटी को बहकाने का आरोप

अजमेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर में मुस्लिम पिता-पुत्र ने अजमेर के मंदिर में हिंदू धर्म अपना लिया। इसके साथ ही हिन्दू बने पिता ने पड़ोसी धर्मगुरु पर उनकी बेटी और पत्नी को बहका कर उनके खिलाफ इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। हिंदू धर्म में आए पिता ने कहा कि मुझे और मेरे बेटे को 3 साल टॉर्चर किया जा रहा था। कभी मेरी अपनी ही बेटी से पॉक्सो की शिकायत दर्ज करवा देता। मजबूरन तलाक लेना पड़ा। पिता ने आरोप लगाया कि जब समाज से मदद मांगी तो कोई भी आगे नहीं आया। इसके बाद हिंदू धर्म के लोगों ने हमारी मदद की। फिर मैंने और मेरे बेटे ने धर्म परिवर्तन करने का फैसला लिया।

अजमेर के मंदिर के पुजारी ने बताया कि मुस्लिम धर्म से हिंदू धर्म में आए दोनों पिता-पुत्र काफी समय से पीड़ित थे। दोनों हिन्दू धर्म में आना चाहते थे। आज सोमवार को विधि-विधान से पूजन हवन करके सनातन धर्म अपनाया है। दोनों ने स्वयं इच्छा से हिंदू धर्म अपनाया है। दोनों पिता पुत्र अब सनातन धर्म की प्रक्रिया निभाएंगे। दोनों को पहले से ही सनातन धर्म की काफी जानकारी है। अजमेर के रहने वाले 45 साल के पिता राकेश (बदला हुआ नाम) ने बताया- वह 30 साल से फोटोग्राफी कर रहे हैं। उनकी पत्नी, बेटा और बेटी साथ रहते थे। हमारे पड़ोस में ही एक धर्मगुरु रहता था। धर्मगुरु ने बेटी और पत्नी को वश में कर लिया और मेरे खिलाफ कर दिया। इसके बाद करीब 3 सालों से उनके बेटे और उन्हें परेशान किया जाने लगा। राकेश ने आरोप लगाया कि धर्मगुरु ने बेटी के जरिए 14 अगस्त 2024 में रामगंज थाने में छेड़छाड़ में पॉक्सो एक्ट में शिकायत दर्ज करवा दी थी।

शीतलहर और कोहरे का डबल अटैक

15 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में इस समय सर्दी का कहर जारी है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बिगड़े मौसम ने अब धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखाने शुरू कर दिए हैं। बारिश थम चुकी है, लेकिन प्रदेश के 15 जिलों में आज घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ठंड के इस बढ़ते प्रकोप के बीच, मकर संक्रांति के पर्व को लेकर भी लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

आज सुबह और शाम के समय 15 जिलों में घना कोहरा छाने की संभावना है। इनमें श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, भरतपुर, कोटा और बारां जैसे जिले शामिल हैं। कोहरे के कारण दृश्यता में कमी आएगी, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे सावधानी बरतें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, कल से प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। यह खबर मकर संक्रांति के पर्व के लिए राहत भरी है, क्योंकि लोगों को पतंगबाजी के लिए अनुकूल मौसम मिलेगा। मकर संक्रांति के दिन परंपरागत रूप से पतंग उड़ाने और तिल-गुड़ खाने की परंपरा है, जिसे ठंड के बावजूद लोग बड़े उत्साह से मनाएंगे।

बीती रात जयपुर समेत कई जिलों में बादलों की आवाजाही के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। सिरोही में सबसे कम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अन्य जिलों में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर, कोटा में लोगों को गलन भरी ठंड का सामना करना पड़ा। सर्दी का यह दौर लोगों के लिए स्वास्थ्य के लिहाज से भी चुनौतीपूर्ण है।

खासकर बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोग ठंड से अधिक प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने और बाहर निकलने से पहले सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

सर्दी का यह मौसम किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। गेहूं और सरसों की फसलों के लिए यह मौसम अनुकूल होता है, लेकिन अत्यधिक ठंड और कोहरा फसलों पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।

सोती हुई युवती के कमरे में अचानक घुसे 7-8 लोग

कंबल पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

कोटा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा के उद्योग नगर थाना क्षेत्र के उम्मेदगंज इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवती को कुछ लोगों ने पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया। घटना शनिवार देर रात की है। हमलावर कंबल में आग लगाकर भाग निकले। सीआई जितेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवती को एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। परिजनों की रिपोर्ट की मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

युवती का आरोप- घर में घुसकर किया हमला

घायल रवीना ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह कमरे में सो रही थी। तभी 7-8 लोग घर में घुस आए।

एक व्यक्ति ने उसका मुंह दबाया और दूसरे ने कंबल पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटें उठते ही मैंने शोर मचाया तो हमलावर भाग गए। दादी ने पानी डालकर आग बुझाई।

मां बोली- पुरानी दुश्मनी का नतीजा

रवीना की मां विमलेश बाई ने बताया कि वह चौकीदारी के काम पर गई थीं। घटना की सूचना मिलते ही घर पहुंचीं। उम्मेदगंज इलाके के कुछ लोगों से पुरानी रंजिश है। रवीना ने हमलावरों को पहचानने का दावा किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोहरे के बीच राजस्थान में 2 भीषण हादसे, 3 की मौत, 18 श्रद्धालुओं सहित 20 घायल

भीलवाड़ा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सोमवार सुबह दो सड़क हादसे हो गए। जिनमें 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 यात्री घायल हो गए। जिनका सरकारी अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। वहीं, मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए।

पहला हादसा राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ। जहां रोडवेज बस और जीप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरी हादसा भीलवाड़ा में अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। जहां, बस के पलट जाने से 18 यात्री घायल हो गए।

श्रीगंगानगर के पदमपुर में सुबह कोहरे के चलते रोडवेज बस और जीप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर पदमपुर थाना एसएचओ सुरेंद्र राणा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि

हादसे के वक्त जीप में पांच लोग सवार थे, जो गांव 33एमएल से पंजाब की तरफ जा रहे थे।

रोडवेज बस की टक्कर से एक महिला ओर दो पुरुष की मौत हो गई। तीनों शवों को पदमपुर सीएचसी की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। वहीं, दो घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। हादसा इतना जबर्दस्त था कि जीप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

ओवरब्रिज पर पलट गई जातरुओं से भरी बस

इधर, भीलवाड़ा में अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह धुलखेड़ा ओवरब्रिज पर जातरुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। इस हादसे में 18 यात्री घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक बस उज्जैन महाकाल से पुष्कर जा रही थी। कोहरे के बीच सुबह के वक्त चालक को नींद आने की वजह से बस धुलखेड़ा पुलिया पर डिवाइडर से टकरा गई और पलटी खा गई। इस हादसे में 18 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तीन एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

भिवाड़ी में सिगड़ी के धुएं से हादसा, सोते-सोते ही घुट गया दम, बाप-बेटे समेत तीन की मौत

अलवर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र के गांव नांगलिया में आग से झुलस कर तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक में दो बाप बेटे और एक इनका रिश्तेदार था। मृतक मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और यहां औद्योगिक क्षेत्र में काम करते थे। सूचना मिलते ही सुबह पुलिस भी वहा पहुंच गई। पलिस के वहा पहुंचने पर तीनों जने बेहोशी की हालत में पड़े मिले। पुलिस ने तीनों को भिवाड़ी के हॉस्पिटल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। भिवाड़ी पुलिस ने बताया कि प्रथमदृष्टया तीनों की मौत ठंड के कारण हुई लगती है। इनके पास सिगड़ी मिली थी। सिगड़ी से उठने वाले धुएं में दम घुटने के कारण इनकी मौत हुई हो सकती है। अस्पताल लाने से पहले ही इनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मरने वालों में एक युवक अंकित और उसके पिता का नाम धनंजय था। तीसरा इनका रिश्तेदार था जो इनके साथ ही वहां सो रहा था। पुलिस के अनुसार मरने वाले धनंजय की उम्र करीब 48 साल तथा बाकी दोनों जनों की उम्र तीस 35 साल थी। पुलिस के अनुसार ये तीनों यहां किसी फेक्ट्री में मजदूरी का काम करते थे। एक सम्भवना यह भी व्यक्त की जा रही है कि शायद तीनों ने सोने से पहले शराब पी थी, जिसके नशे में इनको पता ही नहीं चला और दम घुटने से इन तीनों की मौत हो गई।

देखते ही देखते धरती में समा गया डंपर

हाइवे पर बन गया 25 फीट गहरा गड्ढा

अलवर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में नेशनल हाईवे 248ए पर एक बड़ा हादसा हो गया। हनुमान सर्किल से 500 मीटर आगे डस्ट से भरा एक डंपर सड़क के नीचे धंस गया, जिससे 25 फीट गहरा और चौड़ा गड्ढा बन गया। हादसे के दौरान डंपर का अगला हिस्सा ऊपर रह गया, जबकि पिछला हिस्सा पूरी तरह गड्ढे में समा गया। इस घटना में ड्राइवर सुरक्षित बच गया, लेकिन यह हादसा हाईवे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है।

हाईवे को ढाई साल पहले 118 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था, लेकिन किस्मत से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

रींगस में लूट की बड़ी वारदात, नकली पुलिसकर्मी बनकर बस में सवार युवक से लूटे 25 लाख

सीकर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर जिले के रींगस थाना क्षेत्र में सरगोठ गांव के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 9 नकली पुलिसकर्मियों ने फिल्मी स्टाइल में एक रोडवेज बस को रोककर 25 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। आरोपियों ने अल्ताफ खान से यह रकम छीनी। अल्ताफ मेहनसर गांव में दिनेश के भाई रणजीत ढाका को पैसे देने जा रहा था। अल्ताफ खान चौमू पुलिया से रोडवेज बस में सवार होकर मेहनसर के लिए निकला था। सरगोठ गांव के पास दो वाहनों में सवार 9 लोग बस को रोककर चढ़ गए। इन बदमाशों ने पुलिसकर्मी बनकर बस ड्राइवर और परिचालक को बताया कि अल्ताफ एक लड़की को भगाने के मामले में फरार है और उसे थाने ले जाना है। इसके बाद उन्होंने अल्ताफ को बस से उतारकर रिवॉल्वर दिखाते हुए अपनी गाड़ी में बिठा लिया। बदमाश अल्ताफ को खाटूश्यामजी की तरफ ले गए और वहां से कुछ दूर सूनसान स्थान पर रिवॉल्वर दिखाकर उसका बैग छीन लिया। बैग में 25 लाख रुपये के साथ-साथ उसका मोबाइल फोन, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेज भी थे। लूटपाट के बाद बदमाशों ने अल्ताफ को सुनसान स्थान पर छोड़ दिया और फरार हो गए।

घटना के बाद अल्ताफ ने किसी से मोबाइल फोन लेकर पुलिस को सूचित किया। रींगस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस, आरपीएफ ने सोमवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अचानक जांच की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वह ओडिशा राज्य के बरहमपुर से सिकंदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र राज्य के दादर, मुंबई तक सूखा गांजा ले जा रहा था। गिरफ्तार खोडाबाक्स एसके पुत्र एसके अमजद अली निवासी, पश्चिम बंगाल राज्य के मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज का रहने वाला है।

इस मामले में मुख्य आरोप अली खान निवासी अस्का, ओडिशा राज्य और जॉय निवासी दादर, महाराष्ट्र फरार है। गिरफ्तार आरोपी खोडाबाक्स एसके पश्चिम बंगाल राज्य का रहने वाला है। उसे शराब पीने, सिगरेट पीने, गुटखा खाने आदि की लत है। तीन साल पहले वह मजदूरी करने ओडिशा गया था। उसके कार्यस्थल पर अली खान और उसके दोस्त गांजा पीने के लिए इकट्ठा होते थे। एक महीने पहले अली खान ने महाराष्ट्र के दादर में गांजा ले जाने और इसे जॉय को सौंपने के लिए उसे को काम पर रखा था, जिसके लिए वह प्रत्येक यात्रा पर 10 हजार का भुगतान करता था। बरहामपुर से छह किलोग्राम गांजा लेकर खोड़ाबाक्स रेलवे स्टेशन गया, जहां वह सिकंदराबाद के लिए ट्रेन सं. 17015 विशाखा एक्सप्रेस के पीछे की तरफ के सामान्य कोच में सवार हुआ। बाद में, 13 जनवरी को लगभग सुबह 9.30 बजे ट्रेन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लाजा सं. 2 पर पहुंची, जहां वह उतर गया। इसके बाद वह पीएफ नंबर 7 में चला गया और कोणार्क एक्सप्रेस का इंतजार करने लगा। इसी बीच पुलिस कर्मियों ने उसे संदिग्ध तरीके से पकड़ लिया। उसके कब्जे से डेढ़ लाख रुपये मूल्य का 6 किलोग्राम गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त किया। आईजीपी रेलवे और सड़क सुरक्षा के.रमेश नायुडू, आईपीएस ने जीआरपी सिकंदराबाद के अधिकारियों और कर्मियों की सराहना की और उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत करने की घोषणा की।

'गेम चेंजर' की टीम ने लगाया पायरेसी का आरोप

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर की टीम ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि कुछ लोग फिरौती की मांग कर रहे हैं और फिल्म का 'पाइरेटेड संस्करण' जारी करने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 45 लोगों के एक समूह ने एक सिंडिकेट बनाया है और वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म के छोटे क्लिप जारी करके धमकियां दे रहे हैं। टीम ने मांग की कि पुलिस इस मामले की गहनता से जांच करे तथा अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपये की मांग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे।

18 जनवरी को शिल्पकला वेदिका में होगा भयान-ए-गालिब

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 18 जनवरी, 2025 को शाम 7 बजे माधापुर स्थित शिल्पकला वेदिका में उर्दू के महान कवि मिर्जा गालिब को समर्पित सांस्कृतिक श्रद्धांजलि भयान-ए-गालिब का आयोजन किया जाएगा। गजलों को समर्पित संगीत कार्यक्रमों के माध्यम से पुनर्जीवित करने वाली डॉ. प्रभा श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, जो अटूट जुनून के साथ नई पीढ़ी के लिए उनके आकर्षण को संरक्षित करती हैं। कथक नृत्य नाटिका प्रो. कुमकुम धर और मंडली द्वारा प्रस्तुत की जाएगी और सैयद कबीर अहमद और सुधांशु मणि द्वारा इसका वर्णन किया जाएगा। यह शो गजल और कथक का दुर्लभ संयोजन है। इसे पहले लखनऊ और अब हैदराबाद में आयोजित किया गया था। सोमवार को एफटीसीसीआई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका खुलासा करते हुए डॉ. कौस्तुभ धूमल और सुधांशु मणि ने कहा कि यह महान उर्दू कवि मिर्जा असदुल्लाह खान गालिब की प्रतिभा का जश्न मनाने वाली एक सांस्कृतिक श्रद्धांजलि है, जिन्हें प्यार से मिर्जा गालिब के नाम से जाना जाता है।

स्वीट फेस्टिवल में 750 महिला प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

परेड ग्राउंड में लोग उठा रहे पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के परेड ग्राउंड के ऊपर रंग-बिरंगी पतंगें उड़ती हैं और नीचे लोग तरह-तरह के व्यंजनों का स्वाद भी ले रहे हैं। पारंपरिक भारतीय मिठाइयों की विविधता के साथ, यह त्यौहार अपने स्वादिष्ट व्यंजनों के माध्यम से संस्कृति, विरासत और इतिहास की कहानियां बताता है। यहां की हवा इन प्रिय व्यंजनों की अनूठी सुगंध से भरी हुई है, जिनमें से प्रत्येक भारत की समृद्ध पाक परंपरा का प्रमाण है। इस वर्ष के स्वीट फेस्टिवल को और भी विशेष बनाने वाला तथ्य यह है कि इसमें महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

28 राज्यों से 750 प्रतिभागियों (जिनमें सभी महिलाएं हैं) के साथ यह महोत्सव घरेलू भोजन की शक्ति पर प्रकाश डालता है। स्टॉल क्षेत्रीय व्यंजनों से भरे पड़े हैं। गार्गी और पूरन पोली से लेकर टील फल्ली, पानी पूरी और यहां तक कि बर्गर और कई तरह के खाने। हर व्यंजन भारत के अनूठे स्वाद का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाओं द्वारा गर्व और शिल्प कौशल की

गहरी भावना के साथ परोसा जाता है।

अनेक जीवंत विक्रेताओं में महाराष्ट्र की संगीता बोरकर भी शामिल हैं, जो पिछले दो वर्षों से इस महोत्सव का हिस्सा रही हैं। महाराष्ट्रीयन पारंपरिक खाद्य पदार्थों को समर्पित अपने स्टॉल के साथ, वह लोगों को परोसने और अपनी संस्कृति को साझा करने में प्रसन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि लोग हमारे द्वारा बनाए गए भोजन का आनंद लेते हैं।

इस महोत्सव में अंतर्राष्ट्रीय स्वाद जोड़ने के लिए इथियोपिया से आए हेमी और हिवोत एक स्टॉल चलाते हैं, जहां वे बेहतरीन इथियोपियाई कॉफी बेचते हैं। कॉफी के जन्मस्थान के रूप में विख्यात इथियोपिया, काफ्फा और सिदामो सहित विश्व की कुछ सर्वोत्तम कॉफी फलियों का निर्यात करता है। पारंपरिक इथियोपियाई पोशाक पहने हुए, वे अपनी संस्कृति और आतिथ्य का प्रदर्शन करते हैं तथा बताते हैं कि कॉफी परोसना मेहमानों का स्वागत करने का एक तरीका है, जो उनके इतिहास में निहित एक परंपरा है।

बस फ्री के साइड इफेक्ट

बाजार में ग्राहक नहीं रहने से दुकानदार परेशान

कुमरमभीम आसिफाबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ समय से जिले में कारोबार प्रभावित हुआ है। व्यापारियों को कोई व्यवसाय बहुत बढ़िया मुनाफ़ा देगा। लेकिन हाल ही में यह सुनने में आया है कि यदि एक भी व्यापारी को पूछा जाए व्यापारी बताते हैं कि कोई व्यापार नहीं होता है। इससे जिले के व्यापारियों को काफी नुकसान हो रहा है।

यदि कोई व्यवसाय अच्छा चल रहा है, यदि किसान अच्छा है, तो हर साल कपास की फसल हाथ में आने के बाद, किसान इसे बेचेंगे और उपकरण, आभूषण और अन्य जरूरत के सामान खरीदेंगे। लेकिन इस साल असामयिक बारिश के कारण कपास की फसल देर से आई। उस वजह से पैदावार आधी से भी ज्यादा कम हो गई है।

जिले में कारोबार फलने-फूलने का एक और कारण महालक्ष्मी योजना भी कही जा सकती है। महालक्ष्मी योजना 9 दिसंबर 2023 से लागू हो गई है। सरकार ने महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का प्रावधान किया है। महिलाओं की मुफ्त यात्रा से जिले की क्रय शक्ति पर असर पड़ा है। वे अपने जरूरी सामान, कपड़े और आभूषण मंचिरयाला, करीमनगर, वारंगल और हैदराबाद जैसे दूर के शहरों से खरीदते हैं। इसका स्थानीय स्तर पर व्यापार और व्यापार समूहों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। जिले के बाजार में मांग की कमी के कारण सभी व्यवसायिक फर्में व्यवसाय से बाहर हो गई हैं। इसके कारण व्यवसायियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे दुकानों का किराया और श्रमिकों का वेतन देने में असमर्थ हैं। मांग की कमी के कारण जिला केंद्र में व्यावसायिक और वाणिज्यिक परिसर गायब हो रहे हैं। व्यापारी इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि कुछ दुकानें सुबह से शाम तक नहीं खुलतीं। मांग में कमी के कारण जिनकी दो दुकानें हैं, वे एक दुकान तक ही सीमित हो गये हैं। कारोबारी अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं कि वे हजारों का किराया और कर्मचारियों का वेतन नहीं दे पा रहे हैं। डिस्ट्रिक्ट सेंटर में कई जगहों पर दुकानों के आगे टू-लेट के बोर्ड देखने को मिल रहे हैं क्योंकि कुछ व्यापारियों ने अपने किराए के कमरे खाली कर दिए हैं।

जगित्याल विधायक ने स्पीकर से शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगित्याल विधायक संजय ने हुजूराबाद विधायक पडी कौशिक रेड्डी के संबंध में विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार को एक औपचारिक लिखित शिकायत सौंपी है। संजय ने अपनी शिकायत में बताया कि कौशिक रेड्डी ने करीमनगर कलेक्ट्रेट में एक आधिकारिक बैठक के दौरान उनका मौखिक रूप से अपमान किया, जहां वे सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने सम्मानपूर्वक अनुरोध किया कि स्पीकर इस घटना की जांच करें और बीआरएस विधायक के अनुचित व्यवहार और आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल के लिए उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें।

आंगनवाड़ी शिक्षिका दूसरों के लिए बनी मिसाल

सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर लेती हैं हिस्सा

गरीब परिवारों की करती है मदद

सिद्दीपेट, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंगनवाड़ी शिक्षिका के रूप में काम कर रही एक मुस्लिम महिला दूसरों के लिए एक मिसाल कायम करते हुए जरूरतमंद लोगों की मदद कर रही है। मोहम्मद उमर रजिया सुल्ताना बेगम पिछले 5 सालों से सिद्दीपेट जिले में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को अंजाम दे रही हैं। सुल्ताना जहां दौलताबाद मंडल के इंदुप्रियाल में आंगनवाड़ी शिक्षिका के रूप में काम कर रही हैं, वहीं उनके पति उमर (जो पेशे से मैकेनिक हैं) प्रगनापुर में गैरेज चला रहे हैं। जब भी उन्हें कोई गरीब परिवार गंभीर रूप से जरूरतमंद दिखता है, तो वह उनके घर जाती हैं और तत्काल राहत के तौर पर 10,000 रुपये की किराने का सामान और 5,000 रुपये नकद की एक किट भेंट करती हैं।

यह साबित करते हुए कि धर्म कोई बाधा नहीं है, सुल्ताना ने कई गरीब हिंदू दुल्हनों को 'मंगलसूत्र और बिछिया' उपहार में दिए। सुल्ताना ने डोम्माटा गांव में एक गरीब मुस्लिम लड़की की शादी भी 2.5 लाख रुपये खर्च करके करवाई, जब उन्हें पता चला कि लड़की के पिता, जो पंचर की दुकान चलाते हैं, उसकी शादी करवाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कुछ गरीब लोगों को उनके परिवार के सदस्यों के अंतिम संस्कार में भी मदद की।

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने वाली सुल्ताना ने बताया कि उन्होंने कोविड-19 के दौरान अपनी सेवाओं को व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए एसआर ट्रस्ट की स्थापना की थी। सुल्ताना, जो नियमित रक्तदाता भी हैं, अब तक 18 बार रक्तदान कर चुकी हैं। वह अपने इलाके में आयोजित रक्तदान शिविरों की व्यवस्था भी करती हैं।

जामबाग के भाजपा पार्षद एवं वरिष्ठ नेता राकेश जायसवाल ने हिंदी नगर राम मंदिर में 'चलो कुंभ मेले के लिए चलो' वाली पतंग जारी कर लोगों से महाकुंभ प्रयागराज चलने का आह्वान किया। अवसर पर उनके साथ में भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर सिंह, मयूर, रघु कांबले, राज कुमार, रामकृष्ण, जगपति नरसिंह, रवि, संदीप आदि भी मौजूद थे।

विधायक रेड्डी के खिलाफ झूठे मामलों को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक रसमयी बालकिशन ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि बीआरएस विधायक पडी कौशिक रेड्डी को परेशान करने के लिए उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने रविवार को करीमनगर में एक दलबदलू विधायक से भिड़ने के लिए कौशिक रेड्डी के खिलाफ चार मामले दर्ज किए जाने की निंदा की।

सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बालकिशन ने जगतियाल विधायक संजय कुमार की आलोचना की, जो बीआरएस की ओर से चुने जाने के बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने चुनौती दी कि संजय को अपना विधायक पद छोड़ना चाहिए और कांग्रेस की छह गारंटियों पर चुनाव लड़ना चाहिए। पूर्व विधायक ने कौशिक रेड्डी के खिलाफ हमले के आरोपों में विरोधाभासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि संजय ने खुद पर हमला होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई हमला नहीं हुआ, तो कौशिक रेड्डी के खिलाफ मामले क्यों दर्ज किए गए? यह विपक्ष को दबाने के कांग्रेस के एजेंडे को उजागर करता है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बीआरएस नेताओं को निशाना बनाकर बीआरएस कार्यालयों पर हमलों की अनदेखी करने के लिए कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला किया। उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस के भोंगीर कार्यालय पर हमला करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया।

बकाया के कारण निजी अस्पताल आरोग्यश्री, पीएमजेएवाई से दूर

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में लंबित चिकित्सा बिलों को लेकर प्रदर्शनकारी अस्पतालों और आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा के बीच गतिरोध ने एक बार फिर राज्य प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के कार्यान्वयन में लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक खामियों और कठिनाइयों को सामने ला दिया है। राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा बिलों के भुगतान में अत्यधिक देरी, अनेक चुनौतियों में से एक पहलू है (जो न केवल आरोग्यश्री को बल्कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) को भी प्रभावित करती है। पैनल में शामिल करना) चिकित्सा बिलों का प्रबंधन, उपचार से साफ इनकार, पैकेज की लागत और गुणवत्ता, तेलंगाना राज्य में आरोग्यश्री और पीएमजेएवाई दोनों को प्रभावित करने वाली कुछ प्रमुख कठिनाइयां हैं।

छोटे और मध्यम आकार के अस्पतालों को छोड़कर, जिनमें रोगी बिस्तरों की संख्या 100 से लेकर 500 से कम है, हैदराबाद के सुपर-स्पेशलिटी और मल्टी-स्पेशलिटी कॉरपोरेट अस्पताल आरोग्यश्री या पीएमजेएवाई के प्रति उतने उत्साहित नहीं हैं। हालांकि राज्य सरकार ने प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य बीमा कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है, लेकिन हैदराबाद के कॉरपोरेट अस्पताल अभी भी आरोग्यश्री के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने में अनिच्छुक हैं। हैदराबाद के कॉरपोरेट अस्पताल में एक मरीज के इलाज की लागत आरोग्यश्री/पीएमजेएवाई के माध्यम से प्रतिपूर्ति की जा रही राशि से बहुत अधिक है।

इसके अलावा, ऐसी सरकारी प्रायोजित बीमा योजनाओं में बहुत अधिक कागजी कार्रवाई, अतिरिक्त प्रशिक्षित मानव संसाधन की भर्ती, समर्पित विभाग और सबसे महत्वपूर्ण बात, चिकित्सा बिलों के भुगतान के लिए महीनों तक इंतजार करना शामिल है। इसके विपरीत, निजी स्वास्थ्य बीमा को निजी अस्पतालों से प्राथमिकता मिलती है, क्योंकि मरीज के डिस्चार्ज के समय फंड (चिकित्सा बिल) जारी किए जाते हैं। इस क्षेत्र से परिचित सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि हैदराबाद में शायद ही कोई ऐसा कॉर्पोरेट अस्पताल हो जो सभी तरह के आरोग्यश्री रोगियों को स्वीकार करता हो, हालांकि उनमें से कई पैनल में हैं। वे नौकरशाही तंत्र द्वारा उत्पीड़न के डर से खुद को आरोग्यश्री/पीएमजेएवाई के साथ सूचीबद्ध करते हैं। हालांकि, वे अक्सर यह कहकर आरोग्यश्री/पीएमजेएवाई के तहत रोगियों को भर्ती करने से मना कर देते हैं कि विशेषज्ञ या विभाग उपलब्ध नहीं हैं।

शाही ईदगाह विवाद में 15 जनवरी को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट :

हाईकोर्ट ने मस्जिद समिति की याचिका की थी खारिज

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 15 जनवरी को मथुरा, यूपी में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में याचिका खारिज करने के आदेश के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई करेगा। पिछले साल 1 अगस्त को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 15 मामलों की सुनवाई को चुनौती देने वाली प्रबंधन समिति, ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की याचिका को खारिज कर दिया था और फैसला सुनाया था कि शाही ईदगाह के 'धार्मिक चरित्र' को निर्धारित करने की जरूरत है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पिछले साल 9 दिसंबर को मामले में अंतिम सुनवाई शुरू की और सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार यह मामला 15 जनवरी को पीठ के समक्ष आने वाला है। हिंदू पक्षों में से एक, जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता बरुण सिन्हा ने किया था, ने तर्क दिया था कि मस्जिद समिति विवाद पर एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय जा सकती थी। उन्होंने कहा कि मस्जिद समिति की याचिका वर्तमान चरण में शीर्ष अदालत में सुनवाई योग्य नहीं है।

वकील ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नियमों का हवाला दिया और तर्क दिया, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नियमों के अध्याय 8 के मद्देनजर, उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष एक विशेष अपील स्वीकार्य होगी। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में अपील 'उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ के आदेश के खिलाफ स्वीकार्य नहीं है' और उच्च न्यायालय में एक अंतर-न्यायालय अपील दायर की जानी चाहिए थी। इसलिए वकील ने याचिका को खारिज करने की मांग की। पिछले साल 29 नवंबर को, सीजेआई के नेतृत्व वाली पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की। सीजेआई ने कहा, हम इस पर विस्तार से सुनवाई करेंगे। हम इस पर 9 दिसंबर को दोपहर 2 बजे सुनवाई करेंगे... हमें तय करना है कि कानूनी स्थिति क्या है।

पीठ की ओर से बोलते हुए, सीजेआई ने प्रथम दृष्टया महसूस किया कि एकल न्यायाधीश पीठ के उच्च न्यायालय के 1 अगस्त के आदेश के खिलाफ एक अंतर-न्यायालय अपील की जा सकती है। पीठ ने कहा, हम निश्चित रूप से आपको बहस करने का अवसर देंगे। मस्जिद समिति ने कहा कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर और उससे सटी मस्जिद के विवाद पर हिंदू वादियों की तरफ से दायर किए गए मुकदमों ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का उल्लंघन किया है और इसलिए वे विचारणीय नहीं हैं। 1991 का अधिनियम देश की स्वतंत्रता के दिन मौजूद किसी भी मंदिर के धार्मिक चरित्र को बदलने पर रोक लगाता है। हालांकि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। हिंदू पक्ष की तरफ से दायर किए गए मामलों में औरंगजेब-युग की मस्जिद को हटाने की मांग की गई है, उनका दावा है कि यह एक मंदिर के विध्वंस के बाद वहां बनाई गई थी।

हाई कोर्ट ने कहा कि 1991 के अधिनियम में 'धार्मिक चरित्र' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है और विवादित स्थान का दोहरा धार्मिक चरित्र नहीं हो सकता है- एक मंदिर और एक मस्जिद, जो एक ही समय में एक दूसरे के प्रतिकूल हैं।

ड्रग्स के साथ 4 गिरफ्तार

5 ग्राम एमडीएमए जब्त

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर पुलिस ने सोमवार को चार लोगों को कथित तौर पर ड्रग्स के साथ पकड़ा और उनके पास से पांच ग्राम एमडीएमए जब्त किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान जिल्लेगुडा निवासी अजय, सूर्यापेट के राजू, सूर्यापेट के दसारी और कर्मनघाट के महेंद्र के रूप में हुई। पुलिस ने वाहन की जांच की और पाया कि वे संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे और तलाशी लेने पर उनके पास से ड्रग्स बरामद हुआ। पुलिस ने उनके पास से एक कार और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम ने सोनमर्ग ...

जिन 7 साथियों को हमने खोया है, मैं आज सबसे पहले उनका स्मरण करता हूं। आज भारत तरक्की की नई बुलंदी की तरफ बढ़ चला है। हर देशवासी 2047 तक भारत को डेवलप नेशन बनाने में जुटा है।

ये तभी हो सकता है, जब हमारे देश का कोई हिस्सा कोई भी परिवार तरक्की से डेवलपमेंट से पीछे न छूटे। इसके लिए ही हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास की भावना के साथ पूरे समर्पण से काम कर रही है। इस टनल से सोनमर्ग समेत पूरे इलाके में टूरिज्म को भी नए पंख लगने वाले हैं।

पहले के मुश्किल दिनों को पीछे छोड़कर हमारा कश्मीर धरती का स्वर्ग होने की पहचान वापस पा रहा है। आज लोग रात के समय लाल चौक पर आइसक्रीम खाने जा रहे हैं। चिनाब ब्रिज की इंजीनियरिंग देखकर दुनिया हैरत में है। यहां कुछ दिन पहले पैसेंजर ट्रेन का ट्रायल हुआ। यहां के प्रोजेक्ट्स 42 हजार करोड़ से ज्यादा के हैं। इन पर काम चल रहा है।

पीएम ने कहा- ये मौसम, बर्फ, बर्फ की चादर से ढंकी पहाड़ियां देखकर दिल प्रसन्न हो जाता है। यहां आता हूं तो बरसों पहले के दिन याद आने लग जाते हैं। जब मैं भाजपा के संगठन के कार्यकर्ता के रूप में काम करता था, तब अक्सर यहां आना होता था। इस एरिया में मैंने काफी समय बताया है।

कुछ महीने पहले श्रीनगर में इंटरनेशनल मैराथन हुई। उस मैराथन में मुख्यमंत्री जी ने भी हिस्सा लिया था। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। मैंने विशेष रूप से मुख्यमंत्रीजी को बधाई दी थी। दिल्ली में मुलाकात के दौरान मैं उनका उत्साह देख रहा था। उन्होंने मैराथन के बारे में मुझे बताया था। ये नए जम्मू-कश्मीर का नया दौर है। हाल में ही 40 साल बाद कश्मीर में इंटरनेशनल क्रिकेट लीग हुई।

सड़क हादसे में ...

इस पर गडकरी ने कहा, कोविड, दंगों या लड़ाई में इतनी संख्या में लोगों की मौत नहीं हुई, जितनी सड़क हादसों में होती है। अधिकतर मरने वालों की उम्र 18-34 होती है। हम इंजीनियर से पूछते हैं कि आप गलतियां क्यों कर रहे हैं आपको कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कभी-कभी कोई सड़क पर बने गड्ढों में छोटे-छोटे पत्थर डाल देता है, इससे स्कूटर वाले लोग गिर जाते हैं। ऐसे में इन सबसे तभी बचा जा सकता है कि जब हम सब मिलकर लोगों को जागरूक करेंगे।

बॉलीवुड अभिनेता ने अपने दोस्त के बेटे की मौत का जिक्र किया। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर लोग हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें तो मौतें कम होंगी। उन्होंने कहा कि हमने ऑटोमोबाइल उद्योग को आदेश दिया है कि कार में पीछे भी सीट बेल्ट लगाएं। इतना ही नहीं, गडकरी ने साइरस पलोनजी मिस्त्री की मौत का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उनकी कार में पीछे भी सीट बेल्ट लगी होती तो आज वो जिंदा होते। सभी की जिम्मेदारी है कि आग्रह करके कार के पीछे सीट बेल्ट लगवाएं।

खेर ने कहा, सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों पर मात्र एक हजार का जुर्माना लगाया जाता है। इस पर मंत्री ने कहा, बात जुर्माने की नहीं आदत की है। मैं अगर स्कूटर पर बैठता हूं तो हेलमेट बिना लगाए नहीं बैठता। वहीं अगर कार की बात आती है तो सीट बेल्ट के बिना यात्रा नहीं करता। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम ध्यान रखें और कानून मानें।

पैदल चलने वालों की जान जाने पर मंत्री ने कहा, आजकल फुटपाथ पर अतिक्रमण किया जा रहा है। मुझे लगता है कि कानून की रक्षा करने वालों का काम है कि आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना। मगर आमजन को भी इसमें साथ देना होगा। वहीं स्कूल वालों को प्रवेश द्वार पर कड़ी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए।

उन्होंने कहा, पहले जब कोई दुर्घटना होती थी, तो लोग घायल को अस्पताल ले जाने से कतराते थे। मगर हमने नियम बनाया कि अगर घायल शख्स को अस्पताल लाने वाले व्यक्ति पर कोई केस नहीं बनेगा। वहीं अच्छे काम के लिए पांच हजार की राशि भी दी जाती है। मगर मैंने आदेश दिया है कि यह राशि बढ़ाकर 25 हजार कर दी जाए। इसके साथ ही हमने एक और पहल की है। जैसे ही दुर्घटना होगी और पुलिस के एफआईआर दर्ज करते ही अस्पताल को डेढ़ लाख रुपये या कम से कम सात दिन का खर्चा सरकार देगी।

दुख है कि ...

लगभग एक महीने पहले ही, हमें राज्यसभा की एक विशेष सीट पर 500 रुपये के नोटों की गड्डी मिली थी। मुझे वास्तव में इस बात से दुख हुआ कि कोई भी इसे लेने नहीं आया। उपराष्ट्रपति ने इसे बहुत गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, आप नोट ले जा सकते हैं, शायद आवश्यकता के कारण, लेकिन फिर किसी ने दावा नहीं किया है, यह हमारे नैतिक मानकों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।

पार्टियों के कहने पर सदन में व्यवधान डालते हैं सांसद :

जगदीप धनखड़ ने बताया कि लंबे समय तक नैतिकता पर कोई समिति नहीं थी। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में ही पहली बार राज्यसभा में नैतिकता पर एक समिति बनी, जो कार्यात्मक है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, राज्यसभा के अध्यक्ष के रूप में, मैं आपको बता सकता हूं कि जो कोई भी सदस्य के रूप में राज्यसभा में है, वह शानदार साख, महान अनुभव और अनुभव के साथ एक मानव संसाधन है, लेकिन जब कार्रवाई की बात आती है, तो वे किसी और के मार्गदर्शन में होते हैं। वह स्पष्ट रूप से सांसदों को सदन में मुद्दों को उठाते समय पार्टी लाइन का पालन करने का हवाला दे रहे थे। अतीत में, जगदीप धनखड़ ने कहा था कि हालांकि अधिकांश सांसद इसके खिलाफ हैं, लेकिन वे सदन में व्यवधान पैदा करते हैं क्योंकि उनकी संबंधित पार्टियां उन्हें ऐसा करने के लिए कहती हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अभिषेक शर्मा के साथ एयरपोर्ट पर बदतमीजी

छूटी फ्लाइट; सोशल मीडिया पर शेयर किया दर्द

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा ने सोमवार को इंडिगो एयरलाइंस की आलोचना करते हुए उनके एक स्टाफ पर बुरा बर्ताव करने का आरोप लगाया है। दिल्ली एयरपोर्ट पर हुई इस घटना पर अभिषेक ने निराशा जताते हुए कहा कि समय पर पहुंचने के बावजूद फ्लाइट छूटने से उनकी छुट्टी का एक दिन बर्बाद हो गया। 24 साल का यह क्रिकेटर 22 जनवरी से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज शुरू होने से पहले उनके पास करीबी लोगों के साथ समय बिताने के लिए सिर्फ एक दिन की ही छुट्टी थी।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर पूरे घटना के बारे में बताते हुए दावा किया कि उन्हें बिना वजह काउंटरों के बीच भेजा गया, जिसकी वजह से उनकी फ्लाइट मिस हो गई। क्रिकेटर ने इस मामले पर एक स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। अभिषेक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा, 'दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो स्टाफ के साथ मेरा सबसे खराब अनुभव रहा। खासकर काउंटर मैनेजर सुष्मिता मित्तल का बिहेवियर बिल्कुल अस्वीकार्य था। मैं सही काउंटर पर समय पर पहुंचा, लेकिन उन्होंने मुझे अनावश्यक रूप से दूसरे काउंटर पर भेज दिया। बाद में मुझे बताया गया कि चेक-इन बंद हो गई है, जिससे मेरी फ्लाइट छूट गई। मेरे पास सिर्फ एक दिन की छुट्टी थी, जो अब पूरी तरह बर्बाद हो गई है। वे इसे और भी बदतर बनाने के लिए मेरी कोई हेल्प नहीं कर रहे हैं। यह अब तक का मेरा सबसे खराब अनुभव है, साथ ही यह सबसे खराब स्टाफ मैनेजमेंट है, जो मैंने देखा है।'

विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब के लिए खेले अभिषेक

अभिषेक शर्मा को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। वह विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब के लिए खेल रहे थे। वह उस प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे, जिसमें टीम वडोदरा में महाराष्ट्र से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान शानदार फॉर्म में थे, जहां बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आठ मैचों में एक शतक और तीन फिफ्टी के दम पर 467 रन बनाए।

पंत को आराम, संजू सैमसन विकेटकीपर को मिले मौका

पूर्व दिग्गज हरभजन सिंह का बड़ा बयान

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है। पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी से करेगी।

हालांकि इस टूर्नामेंट को लेकर अभी तक टीम इंडिया का ऐलान नहीं हुआ है। वहीं इस बार सेलेक्टर्स के सामने विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में 3 विकल्प होंगे, जिसमें से एक को चुनना काफी कठिन होने वाला है। अब टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने पंत की जगह दूसरे विकेटकीपर को चुना है।

पंत नहीं ये खिलाड़ी है पहली पसंद

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ पंत को खेलते हुए देखा गया था। वहीं अब इंग्लैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए पंत को टीम में नहीं चुना गया है। दूसरी तरफ चैंपियंस ट्रॉफी में विकेटकीपर को लेकर टीम इंडिया के दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह का कहना है कि "मुझे लगता है संजू सैमसन या ऋषभ पंत में से किसी एक को चुना जाना चाहिए। मेरा मानना है कि संजू को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि वह साउथ अफ्रीका में खेल चुके हैं। ऋषभ ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन यह लंबा दौरा था, इसलिए अगर उन्हें आराम दिया जाता है तो यह कोई बड़ी बात नहीं है।"

इंग्लैंड की टीम भारत का दौरा करने वाली है।

जहां दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। 22 जनवरी से टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। जिसको लेकर टीम इंडिया का स्क्वॉड सामने भी आ चुका है।

जिसमें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी चुना गया है। शमी की लगभग 2 साल के बाद टीम इंडिया में वापसी हो रही है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके खुद को साबित किया है। अब उम्मीद लगाई जा रही है कि शमी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम इंडिया में चुना जा सकता है।

युवराज के पिता बोले- कपिल को मारने पिस्टल लेकर गया

2011 वर्ल्ड के दौरान कैंसर से जूझ रहा बेटा मर भी जाता तो गर्व होता

मुंबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। युवराज के पिता योगराज सिंह ने कपिल देव से संबंध को लेकर एक इंटरव्यू में खुलासा कि वह एक बार उन्हें गोली मारने के लिए पिस्टल लेकर उनके घर चले गए थे।

योगराज ने एक इंटरव्यू में युवराज को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि यदि उनका बेटा 2011 के वर्ल्ड कप के दौरान मर भी जाता तो उन्हें उस पर गर्व होता। युवराज ने 2011 के वर्ल्ड कप जीताने में अहम भूमिका निभाई। उस दौरान वह कैंसर से जूझ रहे थे। जिसका पता उन्हें वर्ल्ड कप के बाद लगा।

योगराज सिंह यू-ट्यूबर समदीश को दिए इंटरव्यू में एक घटना का खुलासा करते हुए कहा कि कपिल देव नॉर्थ जोन और हरियाणा के कप्तान बने, तो उन्होंने बिना बताए मुझे टीम से हटा दिया था। मेरी पत्नी चाहती थी कि मैं टीम से हटाए जाने को लेकर कपिल से सवाल पूछूं। मैं बहुत गुस्से में था। मैंने अपनी पिस्तौल निकाली और चंड़ीगढ़ में सेक्टर 9 स्थित कपिल के घर पहुंच गया। वह अपनी मां के साथ घर से बाहर निकले। मैंने उन्हें गालियां दी। मैंने उससे कहा कि तुम्हारी वजह से मैंने एक दोस्त खो दिया है और तुमने जो किया, उसकी कीमत तुम्हें चुकानी पड़ेगी।

मैं तुम्हारे सिर में गोली मारना चाहता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर रहा हूं क्योंकि तुम्हारे पास भगवान में विश्वास रखने वाली मां है, जो यहां खड़ी है।

योगराज ने कहा-बिशन सिंह बेदी और कपिल देव ने मेरा करियर खत्म किया

योगराज ने इंटरव्यू में आरोप लगाया कि कपिल देव और बिशन सिंह बेदी की राजनीति की वजह से उन्होंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया। इन दोनों ने साजिश के तहत मुझे नॉर्थ जोन की टीम से बाहर निकाला। मैंने उस समय फैसला किया कि मैं क्रिकेट नहीं खेलूंगा, युवी खेलेंगे। मैंने बिशन सिंह बेदी को कभी माफ नहीं किया। जब मुझे टीम से बाहर किया गया तो मैंने चयनकर्ताओं में से एक रवींद्र चड्ढा से बात की। उन्होंने मुझे बताया कि बिशन सिंह बेदी (मुख्य चयनकर्ता) मुझे नहीं चुनना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगा कि मैं सुनील गावस्कर का आदमी हूं और क्योंकि मैं मुंबई में क्रिकेट खेल रहा था। मैं गावस्कर के बहुत करीब था।

वर्ल्ड कप जिताने के दौरान युवी मर भी जाता तो मुझे गर्व होता

योगराज ने अपने पिता युवराज सिंह को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि 2011 वर्ल्ड कप के दौरान मेरा बेटा मर भी जाता तो मुझे गर्व होता। युवराज उस समय कैंसर से जूझ रहे थे। उन्हें खून की उल्टियां हो रही थी, उसके बाद भी वह मैदान पर बैटिंग और फील्डिंग करने उतरे। वर्ल्ड कप के बाद पता चला कि युवराज को कैंसर है।

युवराज ने टूर्नामेंट में आठ पारियों में 90.50 की औसत और 86.19 की स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए थे, जिसमें चार अर्द्धशतक और एक शतक शामिल था। वह 9 पारियों में 5.02 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 15 विकेट भी लिए थे। वे टूर्नामेंट में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी घोषित किया गया था।

'रायुडू को पसंद नहीं करते थे विराट'

कोहली को लेकर रॉबिन उथप्पा का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। 2019 का वनडे वर्ल्ड कप भारत के लिए कई ड्रामों से भरा रहा, जहां टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यह मैच भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आखिरी इंटरनेशनल मैच साबित हुआ। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही टीम के सिलेक्शन को लेकर विवाद शुरू हो गया क्योंकि तब फैंस के फेवरेट अंबाती रायुडू को टीम में जगह नहीं मिली थी। उनको लेकर भारत के पूर्व क्रिकेटर और 2007 टी-20 वर्ल्ड कप विजेता रॉबिन उथप्पा का बड़ा बयान सामने आया है।

एक निजी चैनल से उथप्पा ने रायडू की विवादास्पद अनदेखी को याद किया और इसका दोष कप्तान विराट कोहली पर लगाया। उथप्पा ने कैंसर से उबरने के बाद दिग्गज युवराज के साथ किए गए व्यवहार के लिए भी कोहली की खिंचाई की। उथप्पा ने कहा, 'अगर विराट को कोई पसंद नहीं आता था या उन्हें कोई अच्छा नहीं लगता था, तो उन्हें निकाल दिया जाता था। अंबाती रायुडू इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आपको बुरा लगता है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, मैं इससे सहमत हूं, लेकिन आप किसी खिलाड़ी को उसके मुकाम तक पहुंचने के बाद उसके लिए दरवाजे बंद नहीं कर सकते। उसके पास वर्ल्ड कप के कपड़े, किट बैग सब कुछ था। एक खिलाड़ी सोच रहा होगा कि वह वर्ल्ड कप खेलने जा रहा है। लेकिन आपने उसके लिए दरवाजे बंद कर दिए। मेरे हिसाब से यह सही नहीं था।'

बता दें कि इस टीम में रायुडू को तब भी नहीं चुना गया, जब भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन चोटिल हो गए थे। टीम के ऑलराउंडर विजय शंकर के चोटिल होने के बाद भी यही स्थिति रही। इस बीच रायुडू भी सोशल मीडिया पर अपनी भावनाओं को जाहिर करने से पीछे नहीं हटे। बाद में एक इंटरव्यू के दौरान रायुडू ने खुलासा किया कि उनके और पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद के बीच तालमेल ठीक नहीं था। प्रसाद 2019 वर्ल्ड कप के दौरान चीफ सिलेक्टर थे। इसके बाद प्रसाद ने जवाब में कहा कि सिलेक्शन कमिटी में अन्य सिलेक्टर भी शामिल थे और यहां तक कि कप्तान की भी फैसलों में भूमिका रही थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में समाप्त हुआ सुमित नागल का सफर

माचाक ने सीधे सेटों में हराया

मेलबर्न, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार एकल खिलाड़ी सुमित नागल वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रभावित नहीं कर सके और उनका सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। सुमित को पुरुष एकल वर्ग में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी टॉमस माचाक से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। चेक गणराज्य के माचाक ने नागल को 3-6, 1-6, 5-7 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

विश्व रैंकिंग में 91वीं रैंकिंग पर मौजूद नागल शुरू में आत्मविश्वास से भरे लग रहे थे और उन्होंने अपने पहले तीन सर्विस गेम में सिर्फ दो अंक गंवाए। हालांकि एक डबल फॉल्ट और लगातार की गई गलतियों के कारण उन्होंने सातवें और नौवें गेम में अपनी सर्विस गंवा दी। इससे माचाक ने पहला सेट जीत लिया। दूसरे सेट में नागल को शुरू में माचाक की सर्विस तोड़ने का मौका मिला, लेकिन चेक खिलाड़ी ने मजबूती से खेलते हुए ब्रेक प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद माचाक ने नियंत्रण बनाते हुए महज 36 मिनट में सेट जीत लिया। दो सेट से पिछड़ने के बाद नागल ने तीसरे सेट में जोरदार वापसी की और शुरुआती ब्रेक हासिल किया। इससे उन्होंने 3-0 की बढ़त हासिल की और इसे 5-3 तक बढ़ाया। हालांकि एक और डबल फॉल्ट सहित कई गलतियों के कारण माचाक ने महत्वपूर्ण ब्रेक के साथ वापसी की। चेक खिलाड़ी ने लय का फायदा उठाते हुए मैच को अपने नाम किया। पिछले साल नागल ने क्वालिफायर के जरिये ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचकर सुर्खियां बटोरीं थीं। वह तब पहले दौर में उच्च रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराने के बाद दूसरे दौर में बाहर हो गए। इस बार माचाक के खिलाफ पहले दौर में मिली हार से एकल स्पर्धा में भारत का अभियान समाप्त हो गया। युगल वर्ग में भारतीय प्रतिनिधित्व जारी है। पिछले साल के पुरुष युगल चैंपियन रोहन बोपन्ना इस साल कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस के साथ जोड़ी बनाएंगे। युगल ड्रॉ में अन्य भारतीय खिलाड़ियों में युकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलिपल्ली शामिल हैं जो अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

कबड्डी में खेलो इंडिया बिलासपुर की टीम बनी विजेता

टी-10 टेनिस बाल क्रिकेट में हिमाचल ने जीता गोल्ड

चौतड़ा/बिलासपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज अध्ययन मंडल जोगिंद्रनगर की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में खेलो इंडिया बिलासपुर ने 43 अंक हासिल कर खिताब अपने नाम किया। जबकि डेड सेवन बीड़ की टीम 35 अंक लेकर द्वितीय रही। इसके अलावा कनिष्ठ वर्ग में जय देव पशाकोट बरोट टीम ने 26 अंक हासिल कर विजेता का खिताब जीता। जबकि बाल स्कूल जोगिंद्रनगर की टीम 21 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर रही। दोनों फाइनल मुकाबले रोचक रहे। समापन समारोह में रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमर सिंह जसवाल, अजय ठाकुर, भाग चंद और सुशील पठानिया ने विजेता और उपविजेता टीमों को नकद राशि और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। रोटेरियन अजय ठाकुर ने कहा कि युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रखने के लिए ऐसी प्रतियोगिताएं जरूरी हैं। आयोजकों की ओर से विजेता टीम खेलो

इंडिया बिलासपुर को 7100 रुपये और उपविजेता को 4100 रुपये दिए गए। कन्या वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में आदर्श कन्या स्कूल जोगिंद्रनगर की टीम को 1200 रुपये की नकद राशि भेंट की।

हिमाचल के युवाओं ने एक राष्ट्रीय स्तर पर फिर प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लखनऊ में आयोजित टी-10 टेनिस क्रिकेट में हिमाचल ने पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में हिमाचल ने बिहार को 15 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। लखनऊ में प्रतियोगिता 8 से 10 जनवरी तक हुई। इसमें अंडर-19 वर्ग में छह टीमों ने भाग लिया। फाइनल हिमाचल और बिहार के बीच हुआ। हिमाचल ने 10 ओवर में 101 रन बनाए। बिहार 87 रन ही बना पाया।

कबड्डी में चंबा, जालपा और पलासला विजेता

उपमंडल घुमारवीं के पलासला गांव में राज्य स्तरीय ओपन कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रयास स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में लड़कों और अंडर-19 वर्ग में लड़कों एवं लड़कियों के मुकाबले करवाए गए। अंडर-14 वर्ग में 14 टीमों ने भाग लिया। इसमें चंबा प्रथम रहा। अंडर-19 में लड़कियों के वर्ग में जालपा रेड प्रथम, जालपा ब्लू द्वितीय रहा। लड़कों के वरिष्ठ वर्ग में पीएसए पलासला प्रथम, बछाला द्वितीय रहा।

डीएवी पब्लिक स्कूल लठियाणी की छात्राएं चेन्नई में होने वाली अंडर-17 बास्केटबाल प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगी। टीम 14 जनवरी को चेन्नई रवाना होगी। प्रधानाचार्य नसीब ठाकुर ने बताया वर्षा, वंशिका,आरुषि, कनिका,अंशिका, हेमांगी, सिया और समीक्षा प्रतियोगिता में भाग लेंगी। छात्राएं डीएवी संस्था की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं में कई बार राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हुनर दिखा चुकी हैं।

केरल में 16 जनवरी से शुरू हो रही 11वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट एवं ट्रेडिशनल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए हिमाचल की टीमें रवाना हो गई। दो सप्ताह तक पौंग बांध में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। हिमाचल प्रदेश ड्रैगन बोट एवं ट्रेडिशनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारी श्याम लाल ने बताया कि प्रतियोगिता में 12 महिला और 12 पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। ये टीमें केरल में हिमाचल की तरफ से निजी तौर पर प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार को इस तरह की खेलों को भी बढ़ावा देने के लिए आगे आने की जरूरत है। आज तक प्रदेश सरकार की किसी भी विभाग में वाटर स्पोर्ट्स संबंधित टीम नहीं हैं, जो इस तरह की खेलों में प्रतिनिधित्व कर सके। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अगले महीने जर्मनी में होने जा रही 17वीं वर्ल्ड ड्रैगन बोट रेस चैंपियनशिप के लिए चयनित किए जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

मेलबर्न, 13 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली ICC चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी जैसे नए चेहरे शामिल हैं, दोनों को पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के लिए चुना गया है। टीम का चयन सभी पहलूओं को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि पाकिस्तान और यूएई में हो रहे टूर्नामेंट में टीम में संतुलन हो। बीबीएल 14 के फाइनल में होबार्ट हरिकेंस को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले नाथन एलिस को टीम में जगह दी गई है। शॉर्ट, हार्डी और एलिस की तिकड़ी ने 14 महीने पहले वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम से डेविड वार्नर, कैमरन ग्रीन और सीन एबॉट की जगह ली है।

वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं ग्रीन पीठ की सर्जरी की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हैं। टीम की कप्तानी पैट कमिंस को ही सौंपी गई है, हालांकि उनके टूर्नामेंट में खेलने को लेकर संशय है। कमिंस को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टखने में चोट लग गई थी। कमिंस अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए श्रीलंका दौरे पर भी नहीं खेलेंगे। उनकी अनुपस्थिति में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए स्टीव स्मिथ को टीम की कप्तानी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने ग्रुप स्टेज के सभी मैच पाकिस्तान में लाहौर और रावलपिंडी में खेलेगी। उसे ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में अफगानिस्तान, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम शामिल है। टूर्नामेंट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक प्रैक्टिस मैच खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज और एन वनडे मैच के लिए श्रीलंका दौरे पर है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम - पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

खेल डेस्क, 13 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका टीम ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। प्रोटियाज टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 21 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में अफगानिस्तान से भिड़ेगी और अपने अन्य ग्रुप मैचों में उसे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का सामना करना है।

इस टीम में चोट के चलते पूरा घरेलू सीजन में नहीं खेल सके तेज गेंदबाज एनरिक नोट्र्जे और लुंगी एनगिडी की वापसी हुई है। नोट्र्जे पैर की हड्डी टूटने के चलते काफी समय से क्रिकेट से दूर थे, जबकि एनगिडी को कमर में चोट लगी थी। दिलचस्प बात यह है कि इस टीम में पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीम के 10 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप की उपविजेता और आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका की टीम में टोनी डी जोर्जी, रियान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर जैसे नए खिलाड़ी शामिल हैं, जो 50 ओवर के इस आईसीसी टूर्नामेंट में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली इस टीम की घोषणा को लेकर हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'इस टीम में अनुभव का खजाना है। कई खिलाड़ियों ने लगातार दबाव की स्थिति में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस तरह के टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।'

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम- टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोर्जी, मार्को जैनसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन।

तेलंगाना के गठन के बाद से अब तक का सबसे अच्छा त्योहार होगा संक्रांति : भट्टी

खम्मम, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि यह संक्रांति त्योहार तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से अब तक का सबसे अच्छा त्योहार बनकर इतिहास में दर्ज रहेगा। वे सोमवार को अविभाजित खम्मम जिले के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के तत्वावधान में चार नई कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में कल्याणकारी योजनाओं का सबसे अच्छा क्रियान्वयन तेलंगाना में देखने को मिल रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, राजीव आरोग्य श्री बीमा सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करना, यंग इंडिया इंटरनेशनल स्कूलों का निर्माण, छात्रावास के छात्रों के आहार शुल्क में 40 प्रतिशत की वृद्धि, सौंदर्य प्रसाधन शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि, धान की अच्छी किस्म के लिए 500 रुपये का बोनस आदि योजनाएं राज्य सरकार द्वारा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार लागू की जा रही हैं। भट्टी ने कहा कि उपरोक्त कल्याणकारी योजनाओं के अलावा सरकार चार और महत्वपूर्ण योजनाएं- रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, इंदिराम्मा आवास और संक्रांति से नए राशन कार्डों की मंजूरी लागू कर रही है। उन्होंने कहा, इन चार योजनाओं के क्रियान्वयन से राज्य के खजाने पर 40,000 करोड़ रुपये से 45,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। वित्तीय बाधाओं के बावजूद, लोगों की सरकार लोगों को दिए गए अपने वादे को पूरा करने के लिए नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि आने वाले दिनों में इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए 22,500 करोड़ रुपये, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा के लिए 2,000 करोड़ रुपये, रैतु भरोसा के लिए 19,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने खुलासा किया, इन नई योजनाओं के क्रियान्वयन पर किसी को कोई संदेह या शंका नहीं होनी चाहिए। राज्य मंत्रिमंडल ने लाभार्थियों के चयन और योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देशों पर गहन चर्चा के बाद नई योजनाओं के बारे में घोषणा की। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि राशन कार्ड और इंदिराम्मा घरों को जारी करने के लिए केवल पात्र लोगों का चयन किया जाएगा।

किशन रेड्डी आधिकारिक यात्रा पर रियाद के लिए रवाना हुए

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 14 से 16 जनवरी, 2025 तक रियाद, सऊदी अरब की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यात्रा के दौरान, वे फ्यूचर मिनरल्स फोरम 2025 के मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे, जो सऊदी अरब द्वारा खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और ऊर्जा संक्रमण पर केंद्रित चर्चा के लिए आयोजित एक वैश्विक खनन कार्यक्रम है। सम्मेलन के दौरान, किशन रेड्डी भाग लेने वाले अन्य देशों के कुछ खनन मंत्रियों से मिलेंगे। वे रियाद में भारतीय प्रवासियों से भी मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।

सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करें : सीतक्का

मंत्री ने लोगों से की अपील

आसिफाबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। सोमवार को मंत्री ने आसिफाबाद में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य नागरिकों को जिम्मेदार ड्राइविंग और पैदल यात्री सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना है। कार्यक्रम के दौरान सीतक्का ने सभी मोटरसाइकिल सवारों को हेलमेट पहनने की सलाह दी। उन्होंने कहा, लोग पेय पदार्थों और नाइटलाइफ़ पर खर्च करते हैं, लेकिन हेलमेट पर खर्च करना भूल जाते हैं, जो उनके जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। पिछले साल, जिले में 213 मौतें हुईं।

सीतक्का ने वाहन चलाते समय शराब पीने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर दोपहिया वाहन चालक को व्यक्तिगत गलतियों के कारण दूसरों के जीवन को खतरे में डालने से बचने के लिए अपने हेलमेट को ठीक से सुरक्षित रखना चाहिए। इसके बाद, मंत्री ने आसिफाबाद मंडल में स्थित जनकपुर गांव में एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया, जहां आंगनवाड़ी बच्चों को रंग-बिरंगी वर्दी वितरित की गई और उन्हें बालमृत खिलाया गया। स्थानीय विधायक कोवा लक्ष्मी, आदिलाबाद कांग्रेस संसद प्रभारी अतराम सुगना और अन्य उपस्थित थे।

विश्व आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए चंद्रबाबू दावोस जाएंगे

विजयवाड़ा, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू एक प्रतिनिधिमंडल के साथ विश्व आर्थिक मंच, 2025 में भाग लेने के लिए 20 से 24 जनवरी, 2025 तक दावोस, स्विट्जरलैंड का दौरा करेंगे। उनके साथ आईटी और मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश, उद्योग और वाणिज्य मंत्री टी.जी. भरत, मुख्यमंत्री के सचिव कार्तिकेय मिश्रा, मुख्यमंत्री के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्रीनाथ बंडारू, वित्त विभाग के प्रधान सचिव पीयूष कुमार, आईएएस, सरकार के सचिव, सूचना और संचार विभाग और एफपी के डॉ. युवराज एन, आईएएस, सीएम साईकांत वर्मा, आईएएस, सीईओ, एपीईडीबी, विकास मरमत, आईएएस, परियोजना निदेशक, केएडीए भी जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव परेड ग्राउंड में शुरू

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव सोमवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में धूमधाम से शुरू हुआ। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 19 देशों के कुल 57 अंतरराष्ट्रीय पतंगबाज और 22 राज्यों के 58 राष्ट्रीय पतंगबाज इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं, जो अपनी अनूठी और रचनात्मक पतंगबाजी का हुनर दिखाएंगे और हैदराबाद के आसमान को मनमोहक कैनवास में बदल देंगे। पतंग महोत्सव के अलावा, पाक परंपराओं के साथ मिठाई महोत्सव भी मनाया जा रहा है। तेलंगाना और पंजाब, गुजरात, केरल और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों की महिलाएं विभिन्न प्रकार की घर पर बनी मिठाइयों का

प्रदर्शन कर रही हैं, जो भारत की समृद्ध खाद्य संस्कृति की विविधता को दर्शाती हैं। ये व्यंजन निर्धारित फूड कोर्ट में प्रदर्शन और बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। देश-विदेश के विभिन्न व्यंजनों के कुल 1,350 स्टॉल लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में 15 लाख से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है, जिससे यह हैदराबाद के उत्सव कैलेंडर में एक ऐतिहासिक आयोजन बन जाएगा।

चीनी मांझे के व्यापार के खिलाफ विशेष अभियान के दौरान 107 मामले दर्ज

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने शहर में चीनी निर्मित मांझे के व्यापार के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 148 लोगों के खिलाफ 107 मामले दर्ज किए।

पुलिस ने 88 लाख रुपये मूल्य के 7334 मांझे के बॉबिन जब्त किए। अतिरिक्त डीसीपी (टास्क फोर्स) ए श्रीनिवास राव ने कहा कि चीनी मांझे से मनुष्यों, पशुओं और पक्षियों को होने वाले खतरे के बारे में विभिन्न सरकारी विभागों से मिली सलाह के बाद विशेष अभियान चलाया गया।

अधिकारी ने कहा कि मांझा कांच या धातु के पाउडर से लेपित होता है और इससे सार्वजनिक सुरक्षा, वन्यजीवन और पर्यावरण को गंभीर खतरा हो सकता है।

कुंभ के श्रद्धालुओं को धोखाधड़ी से सावधान किया गया

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने प्रयागराज में महाकुंभ में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक सलाह जारी की है, क्योंकि साइबर अपराधी झूठी वेबसाइट और बुकिंग लिंक बनाकर महाकुंभ की मांग का फायदा उठा रहे हैं। श्रद्धालुओं को नकली वेबसाइट और छूट दरों पर आवास की पेशकश करने वाले लिंक से सावधान रहना चाहिए, वास्तविक आरक्षण प्रदान किए बिना अग्रिम भुगतान एकत्र किया जाता है। श्रद्धालुओं को सत्यापित साइटों पर बुकिंग करनी चाहिए : सरकार द्वारा प्रदान की गई आधिकारिक वेबसाइट और संपर्क नंबर का उपयोग करें। आवास की पुष्टि करें : आधिकारिक निर्देशिकाओं के साथ विवरण की जांच करें। https://kumbh.gov.in/en/wheretostaylist पर स्वीकृत आवास की जांच करें। अज्ञात लिंक से बचें : असत्यापित लिंक या कम कीमतों की पेशकश करने वाले विज्ञापनों पर क्लिक करने से बचें। अग्रिम भुगतान न करें : अज्ञात खातों या अनधिकृत प्लेटफार्मों पर पैसे ट्रांसफर करने से बचें। अपने ऑनलाइन डेटा की सुरक्षा करें : व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी ऑनलाइन साझा करते समय सावधान रहें। साइबर अपराध की रिपोर्ट करें : हेल्पलाइन- तत्काल सहायता के लिए 1930 डायल करें।

टीटीडी चेयरमैन और ईओ ने दी संक्रांति की शुभकामनाएं

तिरुमला, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर नायडू और ईओ जे श्यामला राव ने सोमवार को दुनिया भर में फैले श्रीवारी भक्तों को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। अन्नामैया भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कामना की कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी का आशीर्वाद सभी पर बरसता रहे और सभी स्वस्थ और समृद्ध रहें। अतिरिक्त ईओ श्री चौधरी वेंकैया चौधरी भी मौजूद थे।

केबीआर पार्क में भोगी समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के अवसर पर तेलंगाना जागृति ने सोमवार को केबीआर पार्क में भोगी उत्सव मनाया। सुबह-सुबह ही बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे उत्सव में शामिल होने के लिए एकत्रित हुए। तेलंगाना जागृति की संस्थापक और बीआरएस एमएलसी के कविता ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया, अलाव जलाया और तेलंगाना के लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में पारंपरिक गतिविधियां शामिल थीं, जिसमें युवतियां और लड़कियां आग के चारों ओर खुशी से खेल रही थीं, जबकि बच्चों पर परंपरा के अनुसार भोगीपल्लु बरसाया गया और मिठाइयां बांटी गईं। हरिदास को चावल और अन्य जरूरी चीजें दान की गईं।

पारंपरिक गंगिरेड्डुला स्टंट ने दर्शकों का मन मोह लिया, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव की भावना को और बढ़ा दिया। इसके अलावा, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव शहर के बाहरी इलाके में एलबी नगर विधायक डी सुधीर रेड्डी के आवास पर भोगी उत्सव में शामिल हुए।

रामा राव ने लोगों को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और लोगों के बीच समृद्धि और एकता की कामना की। विधायक टी हरीश राव, डी सुधीर रेड्डी, पाडी कौशिक रेड्डी, मुथा गोपाल, बंदरी लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायक एर्राबेल्ली दयाकर राव और बाल्का सुमन तथा बीआरएस नेता पी कार्तिक रेड्डी सहित कई प्रमुख नेताओं ने अलाव दहन समारोह में भाग लिया, जिससे उत्सव का माहौल और अधिक खुशनुमा हो गया।

हैदराबाद में बढ़ रहे स्कार्लेट ज्वर के मामले

हर माता-पिता को सावधान होने की जरूरत

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञों ने सोमवार को बताया कि हैदराबाद में सर्दी के मौसम में 5 से 15 साल के बच्चों में स्कार्लेट ज्वर के साथ-साथ अन्य वायरल बुखार के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। स्कार्लेट ज्वर बच्चों में होने वाला मौसमी जीवाणु संक्रमण है और यह ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस के कारण होता है, जिसका इलाज कुछ एंटीबायोटिक दवाओं के माध्यम से किया जा सकता है। आमतौर पर बच्चे के बैक्टीरिया के संपर्क में आने के बाद लक्षण दिखने में कम से कम 2 से 5 दिन लगते हैं।

पिछले कुछ दिनों से हम 5 से 15 साल की उम्र के बच्चों को स्कार्लेट ज्वर से पीड़ित देख रहे हैं। अगर आपके बच्चे को बुखार, लाल और दर्दनाक टॉन्सिल क्रीमी जमाव के साथ या बिना, दूसरे दिन लाल सैंडपेपर जैसा चकत्ता और/या स्ट्रॉबेरी जैसी जीभ दिखाई दे, तो कृपया बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

इसके लक्षणों में गले में दर्द के साथ बुखार, स्ट्रॉबेरी जैसी जीभ और दाने शामिल हैं। स्कार्लेट ज्वर अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के छींकने या खांसने से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। यह भोजन, पानी साझा करने, स्राव को छूने और उन्हें नाक और मुंह तक ले जाने से फैल सकता है। अपने बच्चे को तब तक स्कूल न भेजें जब तक कि उसे कम से कम 24 घंटे तक बुखार कम न हो जाए। संक्रमण का इलाज निर्धारित अवधि तक उचित एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल से बहुत अच्छी तरह से किया जा सकता है। उपचार में देरी न करें, क्योंकि उपचार में देरी करने से बच्चे की हालत बिगड़ने के अलावा हृदय और किडनी पर भी असर पड़ सकता है।

हैदराबाद में तीन दिवसीय संक्रांति उत्सव शुरू

पहले दिन जलाया गया अलाव, बनाई गई रंगोली

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को भोगी उत्सव के दौरान रंग-बिरंगी रंगोली और अलाव जलाए गए। यह तीन दिवसीय संक्रांति उत्सव का पहला दिन है, जहां लोग सुबह जल्दी उठकर अपने घरों के सामने पुरानी लकड़ियों और नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने के लिए अलाव जलाते हैं। भोगी के दिन कुछ लोग अलाव पर पानी उबालते हैं और मानते हैं कि उस पानी से स्नान करना शुभ होता है।

दूसरे दिन संक्रांति मुख्य रूप से किसानों के लिए उत्सव है, क्योंकि वे साल की पहली धान की फसल काटते हैं। त्योहार से एक सप्ताह पहले ही साफ-सफाई और व्यवस्था शुरू हो जाती है। वे अच्छे मानसून के लिए वर्षा देवता की पूजा करते हैं। महिलाएं घर के प्रवेश द्वार को रंगीन रंगोली से सजाती हैं, जिसे गोबेम्मा (गाय के गोबर से बनी छोटी गेंद), रेगु पंडलु (बेर) और फूलों से सजाया जाता है। शाम को लोग छोटे बच्चों के सिर पर 'रेगु पंडलु' (बेर) रखकर जश्न मनाते हैं। 'अरसेलु, जंथिकालु, लड्डू, बूंदी, साकिनीलु' जैसे व्यंजन तैयार किए जाते हैं।

यह समय परिवार के सदस्यों के एक साथ आने, नई शुरुआत का जश्न मनाने तथा भरपूर फसल के लिए किसानों को धन्यवाद देने का है। तीसरे दिन कनुमा त्योहार मुख्य रूप से खाना पकाने और खाने, परिवार के साथ आनंद लेने के बारे में है। यह भी माना जाता है कि लोगों को कनुमा के दिन यात्रा नहीं करनी चाहिए।

विधायक पाडी कौशिक रेड्डी के खिलाफ तीन मामले दर्ज

करीमनगर, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित पूर्ववर्ती करीमनगर जिला समीक्षा बैठक में हुए हंगामे के सिलसिले में हुजूराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए। बैठक में दोनों विधायक कौशिक रेड्डी (बीआरएस) और डॉ. संजय कुमार (कांग्रेस) के बीच इस बात को लेकर बहस हो गई कि बैठक में डॉ. संजय कुमार कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। करीमनगर आरडीओ ने रविवार रात बीआरएस विधायक के खिलाफ शहर की एक पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। करीमनगर जिला पुस्तकालय के अध्यक्ष सत्तू मल्लेशम ने भी शिकायत दर्ज कराई कि कौशिक रेड्डी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। दूसरी ओर, संजय कुमार के पीए कथारोजू विनोद कुमार ने भी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने हुजूराबाद विधायक के खिलाफ बीएनएस एक्ट की धारा 121(1), 132, 126 221, 351(2), बीएनएस एक्ट की धारा 126(2), 115(2), 352, 292 और बीएनएस एक्ट की धारा 132, 115(2), 352, 292 के तहत 3 मामले दर्ज किए हैं।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

एक वर्षीय बच्चे सहित 4 लोग घायल

पेद्दापल्ली, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरीखानी कस्बे में विधायक कैंप कार्यालय के पास सोमवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक सिंगरेनी कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।

यह हादसा सुबह करीब 3.15 बजे हुआ जब एक कार ने सड़क पर खड़ी एक लॉरी को टक्कर मार दी। सिंगरेनी के कर्मचारी सतीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक वर्षीय बच्चा सात्विक और तीन अन्य ए सतीश, के कीर्ति और ए अनुषा को गंभीर चोटें आईं। घायलों को 108 एम्बुलेंस से गोदावरीखानी सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सात्विक की हालत गंभीर बताई गई है। कार सवार सभी लोग गोदावरीखानी के हनुमान नगर क्षेत्र के रहने वाले थे।

चीनी मांझे में फंसे किंगफिशर को बचाया गया

आदिलाबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे के उत्साही नाई से वन्यजीव फोटोग्राफर बने लिंगमपल्ली कृष्णा ने सोमवार को गुडीहाथनूर मंडल के नेराडिगोंडा थांडा के जंगलों में पक्षियों की तस्वीरें लेते समय चीनी मांझे में फंसे एक किंगफिशर को बचाया। कृष्णा ने दावा किया कि उसने किंगफिशर को तब देखा जब वह संक्रांति के त्योहार के दौरान पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खतरनाक धागे में फंसने के बाद जमीन पर छटपटा रहा था। उन्होंने कहा कि उसने पक्षी को उसके पंखों में फंसे धागे से मुक्त करने के बाद हवा में छोड़ दिया। फोटोग्राफर ने इससे पहले जिले के विभिन्न हिस्सों में सिंचाई टैंकों में मछली के जाल के नायलॉन धागे में उलझे एक स्पॉटेड बिल डक और इंडियन रॉक ईगल को बचाया था। फिर उन्होंने उन्हें जंगल में छोड़ने से पहले पशु चिकित्सकों की मदद से उपचार प्रदान किया।

सोशल मीडिया पर चल रहे झूठे प्रचार पर विश्वास न करें : टीटीडी ईओ

तिरुमला, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों की निंदा करते हुए कि टीटीडी चेयरमैन और ईओ के बीच काफी मतभेद हैं, टीटीडी चेयरमैन बीआर नायडू ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे तिरुमला पर चल रहे झूठे प्रचार पर विश्वास न करें। सोमवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि 8 जनवरी को हुई दुखद घटना वाकई दिल दहला देने वाली थी और पूरी दुनिया इस दुर्घटना से स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है कि टीटीडी बोर्ड और अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी के कारण यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि हम सभी के समन्वय के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मेरे और बोर्ड के सदस्यों की टीम द्वारा उनमें से कई को अनुग्रह राशि भी वितरित की गई है और शेष को भी कुछ दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। और जो लोग ठीक हो गए हैं, उन्हें परेशानी मुक्त वैकुंठ द्वार दर्शनम भी प्रदान किया गया। उन्हें टीटीडी परिवहन

द्वारा उनके संबंधित गृह क्षेत्रों में वापस भेज दिया गया। भक्तों ने भी खुशी व्यक्त की और व्यवस्थाओं के लिए सीएम और टीटीडी को धन्यवाद दिया। लेकिन, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टीटीडी के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे थे और भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे थे, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा, पिछले छह महीनों में, कई तीर्थयात्री पहल की गई हैं, जिन्हें दुनिया भर के भक्तों ने सराहा है। हमने लड्डू, अन्नप्रसादम का स्वाद बढ़ाया है, घी की गुणवत्ता बढ़ाई है, 40,000 से अधिक दलालों को ऑनलाइन हटा दिया है, तिरुमाला और तिरुचनूर के मास्टर प्लान पर विजन डॉक्यूमेंट पर काम चल रहा है और भक्तों के साथ-साथ संस्थान के लाभ के लिए और भी बहुत कुछ है। मीडिया को जानकारी देते हुए, अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी ने कहा, प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए, प्रशासन में तकनीकी मुद्दों और प्रक्रिया संबंधी मुद्दों का पता लगाने के लिए संस्थागत ऑडिट भी किया गया था। पूरे आवास, दाता प्रणाली, दर्शन को सुव्यवस्थित करने के लिए हमने देश के सर्वश्रेष्ठ दिमागों को आमंत्रित किया है। पिछले कुछ महीनों में, हमने अन्नप्रसादम के वितरण में सुधार किया है। पहले केवल 8000 तीर्थयात्रियों को अन्नप्रसादम परोसा जाता था, जबकि अब यह प्रतिदिन 35000 हो गया है। यहां तक कि तीर्थयात्रियों के प्रतीक्षा घंटों को भी घटाकर 6-8 घंटे कर दिया गया है, जबकि वीआईपी ब्रेक भी हम 3 घंटे में पूरा कर रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.